RNI No. : UPHIN/2021/84100

हिन्दी दैनिक

शौर्य भारत

प्रयागराज संस्करण

गुरुवार, 23 अप्रैल, 2026

वर्ष : 04 अंक : 212 पृष्ठ : 8 मूल्य : 2.00

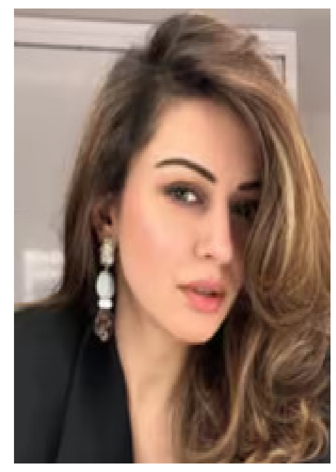

3 पुलिस आयुक्त को दी शिकायती पत्र आरोपियों ... 5 सीडीओ ने बैंक समन्वित जनकल्याणकारी योजनाओं ... 8 कास्टिंग काउच पर विवादित बयान देकर मुसीबत ...

कोलकाता में टीएमसी पर 'क्यूआर कोड' वाला हमला पोस्टर पर लिखा- नौकरी-राशन के लिए पे2टीएमसी

कोलकाता **(एजेंसी)**। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के पहले चरण से ठीक पहले, सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कथित 'कट-मनी' कल्चर का मज़ाक उड़ाने वाले पोस्टर शहर भर के बाज़ारों, बस स्टॉप और भीड़भाड़ वाले ट्रांज़िट हब में दिखाई दिए। यह जानकारी बीजेपी आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने साझा की। इन पोस्टरों में कथित तौर पर एक बड़ा क्यूआर कोड बना है, जिस पर 'पे2टीएमसी' लिखा है। इसके साथ ही एक बंगाली लाइन भी लिखी है, 'राशन होक बा चकरी... स्कैन कोरुन', जिसका मतलब है, 'चाहे राशन हो या नौकरी... बस स्कैन करें।

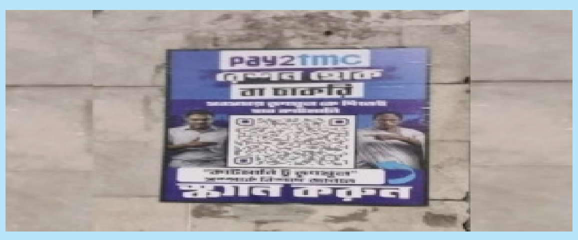

मालवीय ने एक्स पर जाकर एक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने लिखा, 'ममता बनर्जी की 'तोलाबाज़ी' को अब एक डिजिटल पता मिल गया है: क्ष्पे2टीएमसी. कोलकाता की दीवारें आम जनता के गहरे आक्रोश को बयां कर रही हैं। इन पोस्टरों पर लिखा है, 'राशन हो या नौकरी... स्कैन करें।' ये पोस्टर टीएमसी सरकार के असली चरित्र (डीएनए) को बेनकाब करते हैं, जहाँ हर बुनियादी अधिकार के लिए 'कट-मनी' (कमीशन) की कीमत चुकानी पड़ती है। टीएमसी की लूट का दशक - एसएससी नौकरी घोटाला: मेरिट को पैसों के लिए नीलाम कर दिया गया, जबकि हज़ारों योग्य युवा धर्मतला की सड़कों पर संघर्ष कर रहे हैं। पीडीएस राशन घोटाला: बंगाल के सबसे गरीब लोगों के लिए जो खाना था, उसे टीएमसी सिंडिकेट ने अपने निजी खजाने भरने के लिए हड़प लिया। पश्चिम बंगाल के युवाओं और गरीबों को पूरी तरह से लूट लिया गया है। सच्चाई अब बिल्कुल साफ़ है। इस भ्रष्ट और वसूली करने वाली सरकार के अंत की उलटी गिनती कल पहले चरण के साथ शुरू हो रही है। टीएमसी को हमेशा के लिए बाहर करने के लिए बटन दबाएँ।

सीएम सम्राट चौधरी आते ही पलटा विजय सिन्हा का फैसला, 224 अधिकारी बहाल

पटना **(एजेंसी)**। खबरों के मुताबिक, बिहार के नए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को अपने पहले कदम में पूर्व उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा के आदेश को रद्द कर दिया और पिछले ढाई महीने से निलंबित 224 राजस्व कर्मचारियों को बहाल कर दिया। विजय सिन्हा, जो बिहार में भूमि सुधार और राजस्व मंत्री रह चुके हैं, के नेतृत्व में भूमि और राजस्व विभाग के कर्मचारी हड़ताल पर थे। इसे अनुशासनहीनता मानते हुए, सिन्हा ने अलग-अलग आदेश जारी कर कम से कम 224 अधिकारियों को निलंबित कर दिया था। हालांकि, बिहार के पहले भाजपा मुख्यमंत्री चौधरी ने इस आदेश को पलटते हुए 224 अधिकारियों को बहाल कर दिया। यह दूसरी बार है जब उन्होंने पूर्व नीतीश कुमार सरकार के आदेश को रद्द किया है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अतिरिक्त सचिव महेंद्र पाल ने सभी जिला मजिस्ट्रेटों को पत्र लिखकर 11 फरवरी से 19 अप्रैल के बीच निलंबित किए गए कर्मचारियों के मामलों में आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। बिहार में राजस्व कर्मचारियों और सर्कल अधिकारियों ने राज्य मंत्रिमंडल के 29 जनवरी के उस फैसले के बाद 2 फरवरी को अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी, जिसमें उप-विभागीय राजस्व अधिकारी (एसडीआरओ) का नया पद भूमि सुधार उप संग्राहक (डीसीएलआर) के समकक्ष सृजित किया गया था। अधिकारियों का आरोप था कि इस नए पद से डीसीएलआर की शक्तियां कम हो जाएंगी। उन्होंने मार्च में अपनी अनिश्चितकालीन हड़ताल फिर से शुरू कर दी, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार सिन्हा के साथ हुई पिछली बातचीत में दिए गए आश्वासनों का पालन करने में विफल रही है, जिसके कारण पिछला आंदोलन स्थगित हुआ था।

सीएम पुष्कर धामी ने केदारनाथ ने केदारनाथ में की पहली पूजा, पीएम मोदी के नाम से मांगी देश की समृद्धि

देहरादून **(एजेंसी)**। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग स्थित केदारनाथ धाम में आज पूरे रीति-रिवाजों और परंपराओं के साथ प्रवेश हुआ, जिसमें भारत और विदेश से हजारों श्रद्धालु पहुंचे। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विशेष प्रार्थनाओं में भाग लेने के लिए धाम का दौरा किया। समारोह के दौरान, मुख्यमंत्री धामी ने वैदिक मंत्रों और अनुष्ठानों का पाठ किया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर पहली प्रार्थना की और राज्य की जनता की खुशी, समृद्धि और कल्याण के लिए भगवान शिव से प्रार्थना की। मंदिर परिसर हर हर महादेव के जयकारों से गूंज उठा, जिससे एक आध्यात्मिक वातावरण बन गया। कई श्रद्धालुओं ने इस ऐतिहासिक क्षण को देखकर अपार आस्था और आनंद व्यक्त किया। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि केदारनाथ धाम, चार धामों के साथ, उत्तराखंड की आध्यात्मिक पहचान का प्रतीक है। उन्होंने सुरक्षित, सुगम और सुव्यवस्थित तीर्थयात्रा का अनुभव प्रदान करने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया और कहा कि वे व्यक्तिगत रूप से नियमित रूप से व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हैं ताकि किसी भी तीर्थयात्री को असुविधा न हो। उन्होंने अधिकारियों को यात्रा मार्गों, स्वास्थ्य सेवाओं, पेयजल उपलब्धता, स्वच्छता और सुरक्षा उपायों में उच्च मानकों को बनाए रखने का निर्देश दिया। तीर्थयात्रियों की बढ़ती संख्या पर जोर देते हुए उन्होंने समय पर सभी आवश्यक तैयारियों को पूरा करने की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्यमंत्री ने अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मैं आशा करता हूं कि बाबा केदारनाथ का आशीर्वाद सभी पर बना रहे और उत्तराखंड विकास के पथ पर निरंतर अग्रसर होता रहे।

ममता राज में 7000 इंडस्ट्रीज बंद!

योगी बोले- टीएमसी ने 30 लाख युवाओं की नौकरी छीनी

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ने बुधवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर ज़ोरदार हमला बोलते हुए दावा किया कि उसके शासन में पश्चिम बंगाल में उद्योगों का भारी पतन हुआ है और उसने एक राष्ट्रीय आर्थिक अगुआ के तौर पर अपनी जगह खो दी है। बड़ा बाज़ार में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह राज्य, जो कभी उद्योग, शिक्षा और संस्कृति के लिए जाना जाता था, अब वर्षों के कुशासन के कारण पिछड़ गया है। योगी आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि टीएमसी शासन के दौरान 7, 000 से ज़्यादा बड़ी इंडस्ट्रीज़ बंद हो गईं।

उन्होंने कहा कि बंगाल, जो कभी कई सेक्टरों में सबसे आगे था, अब सबसे नीचे पहुँच गया है और साथ ही यह भी जोड़ा कि हज़ारों एमएसएमई यूनिट्स भी बंद हो गई हैं, जिससे लगभग 30 लाख युवाओं की नौकरियाँ चली गई हैं। उन्होंने दावा किया कि इस गिरावट ने राज्य को एक ऐसी जगह में बदल दिया है, जिसे उन्होंने इंडस्ट्रीज़ का कब्रिस्तान बताया।

नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर के जोरासांको स्थित पैतृक घर का ज़िक्र करते हुए, योगी आदित्यनाथ ने टीएमसी पर बंगाल की सांस्कृतिक विरासत का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस ऐतिहासिक घर के अंदर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के पोस्टर लगाए गए थे, जिसे उन्होंने टैगोर की विरासत का अपमान बताया। उन्होंने कहा कि ऐसी जगहों पर भारत माता और महान सांस्कृतिक हस्तियों की झलक दिखनी चाहिए, न कि राजनीतिक प्रदर्शन।

'वंदे मातरम' के 150वें वर्ष का ज़िक्र करते हुए, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाल को 'अपनी खोई हुई शान वापस पानी होगी' और दावा किया कि ऐसा केवल सरकार बदलने से ही हो सकता है। उन्होंने कहा कि राज्य को विकास लाने और उद्योगों को फिर से ज़िंदा करने के लिए, जिसे उन्होंने 'डबल-इंजन सरकार' कहा, उसकी ज़रूरत है।

योगी आदित्यनाथ ने भाषा और सांस्कृतिक पहचान को लेकर भी चिंता जताई, और आरोप लगाया कि बंगाली परंपराओं को नज़रअंदाज़ किया जा रहा है। उन्होंने टीएमसी पर धार्मिक जुलूसों पर रोक लगाने का भी आरोप लगाया और कहा कि दुर्गा पूजा और काली पूजा जैसे त्योहारों पर बेवजह पाबंदियां लगाई जा रही हैं। उन्होंने धार्मिक भावनाओं पर टीएमसी के रवैये पर भी सवाल उठाए, और अयोध्या में राम मंदिर के विरोध का ज़िक्र किया।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026

विरुधुनगर में डीएमके की साख दांव पर एआईएडीएमके -डीएमडीके ने बढ़ाई राजनीतिक 'गर्मी'

चेन्नई **(एजेंसी)**। तमिलनाडु की विरुधुनगर विधानसभा सीट पर इस बार काफी रोचक मुकाबला देखने को मिल रहा है। इस विधानसभा सीट को तमिलनाडु की महत्वपूर्ण और राजनीतिक रूप से सक्रिय सीटों में गिनी जाती है। खासकर शिवकाशी क्षेत्र की वजह से यहां का नाम पूरे देश में प्रसिद्ध है। जहां पर माचिस और पटाखा उद्योग बड़े पैमाने पर है। यही कारण है कि विरुधुनगर विधानसभा सीट पर चुनावों में आर्थिक और रोजगार जैसे मुद्दे केंद्र में रहते हैं।

साल 2026 के विधानसभा चुनाव में इस सीट पर मुकाबला रोचक और दिलचस्प होता जा रहा है। इस सीट पर बहुकोणीय मुकाबला है। इस दौरान कई पार्टियां अपनी किस्मत आजमा रही हैं। यहां पर डीएमडीके से विजय प्रभाकरन चुनावी रण में उतरे हैं। वहीं एआईएडीएमके से वीजी गणेशन अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। तो वहीं टीवीके से एसपी सेल्वम और एनटीके से तो लक्ष्मणन चुनावी रण में उतरे हैं। हालांकि अगर राजनीतिक इतिहास की बात करें, तो इस सीट पर डीएमके और एआईएडीएमके का लंबे समय तक दबदबा रहा है। फिलहाल यहां पर द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम इस सीट पर अपनी जीत को बरकरार रखने की कोशिश में हैं। वहीं डीएमके, टीवीके और एनटीके जैसे सियासी दल विरुधुनगर विधानसभा सीट पर जीत हासिल करने की पूरी कोशिश में हैं। यह सीट राजनीतिक लिहाज से काफी अहम साबित हो सकती है। राज्य विधानसभा चुनाव में सभी 234 सीटों पर 23 अप्रैल 2026 को मतदान होने हैं। वहीं वोटों की गिनती 04 मई 2026 को होगी।

पीएम पर खड़गे के 'विवादित बोल' से घमासान बीजेपी ने चुनाव आयोग में की शिकायत

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि वह पूर्ण आयोग के समक्ष कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ की गई निंदनीय टिप्पणियों को उजागर करने के लिए उपस्थित हुईं, जिसमें विपक्ष द्वारा बार-बार अपमानजनक भाषा के प्रयोग का आरोप लगाया गया था। भाजपा प्रतिनिधिमंडल द्वारा चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराने के बाद संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, सीतारमण ने कहा कि कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ बार-बार अपमानजनक भाषा का प्रयोग करने का एक पैटर्न दिखाया है।

सीतारामन ने कहा कि आज हम मतदान आयोग के समक्ष उपस्थित हुए ताकि उन्हें यह अवगत कराया जा सके कि कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने चुनाव वाले राज्य में मीडिया को संबोधित करते हुए बेहद निंदनीय शब्दों का प्रयोग किया है और प्रधानमंत्री को 'आतंकवादी' कहा है... कांग्रेस ने प्रधानमंत्री के खिलाफ बार-बार अपमानजनक भाषा का प्रयोग करने का एक पैटर्न दिखाया है।

वित्त मंत्री ने पहलगाम आतंकी हमले की बरसी का जिक्र करते हुए कहा कि इस तरह की टिप्पणी का समय बेहद संवेदनशील है। उन्होंने आगे कहा कि जैसा कि किरण जी ने सही कहा, आज हम पहलगाम हमले की एक सालगिरह मना रहे हैं, जहां निहत्थे नागरिकों को उनके परिवारों के सामने ही मार दिया गया था। आज हम इस घटना की पहली बरसी मना रहे हैं और ठीक उसी दिन की पूर्व संध्या पर कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष चुनाव वाले राज्य चेन्नई जाते हैं, वहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बैठकर ये बातें कहते हैं।

सीतारामन ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी लगातार प्रधानमंत्री के खिलाफ 'अपमानजनक भाषा' का प्रयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की यह आदत बन गई है कि वे प्रधानमंत्री के खिलाफ चुनिंदा अपमानजनक भाषा का प्रयोग करते हैं और बार-बार ऐसा करते हैं, उनके रवैये में कोई बदलाव या सुधार नहीं आया है। उन्होंने अपना दृष्टिकोण नहीं बदला है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री को निशाना बनाकर दिए जा रहे बार-बार के बयानों पर चिंता जताते हुए यह मामला पूरी आयोग के समक्ष उठाया गया था।

सीएम सम्राट चौधरी का 'मास्टरस्ट्रोक'!

आते ही पलटा विजय सिन्हा का फैसला, 224 अधिकारी बहाल

पटना **(एजेंसी)**। खबरों के मुताबिक, बिहार के नए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को अपने पहले कदम में पूर्व उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा के आदेश को रद्द कर दिया और पिछले ढाई महीने से निलंबित 224 राजस्व कर्मचारियों को बहाल कर दिया। विजय सिन्हा, जो बिहार में भूमि सुधार और राजस्व मंत्री रह चुके हैं, के नेतृत्व में भूमि और राजस्व विभाग के कर्मचारी हड़ताल पर थे। इसे अनुशासनहीनता मानते हुए, सिन्हा ने अलग-अलग आदेश जारी कर कम से कम 224 अधिकारियों को निलंबित कर दिया था।

हालांकि, बिहार के पहले भाजपा मुख्यमंत्री चौधरी ने इस आदेश को पलटते हुए 224 अधिकारियों को बहाल कर दिया। यह दूसरी बार है जब उन्होंने पूर्व नीतीश कुमार सरकार के आदेश को रद्द किया है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अतिरिक्त सचिव महेंद्र पाल ने सभी जिला मजिस्ट्रेटों को पत्र लिखकर 11 फरवरी से 19 अप्रैल के बीच निलंबित किए गए कर्मचारियों के मामलों में आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

बिहार में राजस्व कर्मचारियों और सर्कल अधिकारियों ने राज्य मंत्रिमंडल के 29 जनवरी के उस फैसले के बाद 2 फरवरी को अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी, जिसमें उप-विभागीय राजस्व अधिकारी (एसडीआरओ) का नया पद भूमि सुधार उप संग्राहक (डीसीएलआर) के समकक्ष सृजित किया गया था। अधिकारियों का आरोप था कि इस नए पद से डीसीएलआर की शक्तियां कम हो जाएंगी। उन्होंने मार्च में अपनी अनिश्चितकालीन हड़ताल फिर से शुरू कर दी, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार सिन्हा के साथ हुई पिछली बातचीत में दिए गए आश्वासनों का पालन करने में विफल रही है, जिसके कारण पिछला आंदोलन स्थगित हुआ था।

इस बीच, सिन्हा ने चेतावनी दी थी कि यदि अधिकारी जल्द से जल्द अपने कर्तव्यों पर वापस नहीं लौटे, तो उनके खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आंदोलन के पीछे एक साजिश हो सकती है और चेतावनी दी कि भूमि माफिया सहित इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

अखिलेश की मां पर बयान से बवाल, लखनऊ मेयर के आवास का एसपी कार्यकर्ताओं ने किया घेराव

लखनऊ **(एजेंसी)**। समाजवादी पार्टी (एसपी) के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को लखनऊ की महापौर सुषमा खरकवाल के आवास के बाहर प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन एसपी प्रमुख अखिलेश यादव की दिवंगत माता के बारे में उनके कथित बयान के विरोध में था। इस घटना ने उत्तर प्रदेश की राजधानी में एक नया राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। विपक्षी दलों द्वारा खारकवाल की टिप्पणियों को आपत्तिजनक बताए जाने के बाद सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विपक्षी समाजवादी पार्टी के बीच तीखी बहस छिड़ गई, जिसके बाद विरोध प्रदर्शन हुआ।

मेयर सुषमा खरकवाल ने अपने बयान का बचाव करते हुए कहा कि इसे गलत तरीके से पेश किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी टिप्पणी किसी व्यक्ति की मां को निशाना बनाने के बजाय महिलाओं और राजनीतिक नेताओं से जुड़े व्यापक मुद्दों पर थी। उन्होंने कहा कि मैंने कहा था कि हमारी आधी आबादी महिलाएं हैं, लेकिन अखिलेश जी और राहुल जी, जिनकी मां, बहन और बेटी हैं, ने महिलाओं का अपमान किया। यह देश हमारी मां है। मैं अखिलेश जी से पूछना चाहती हूं कि मैंने अपने भाषण में उनकी मां का जिक्र कहां किया? मैंने कहा था कि उन्होंने मां, बेटी और बहन के रिश्ते का अपमान किया है।

मंगलवार को अखिलेश यादव ने फेसबुक पर एक पोस्ट लिखकर खरकवाल की टिप्पणियों की निंदा की और कहा कि किसी की मां का अपमान करना कभी भी स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने लिखा कि आदरणीय सुषमा खरकवाल जी, ष्ठकृपया अपनी राजनीतिक बाध्यताओं के कारण मेरी दिवंगत मां के नाम का इस्तेमाल किसी अन्य महिला का अपमान करने के लिए न करें। मैं आपसे यह विनम्र निवेदन केवल नारीत्व के सम्मान में कर रहा हूं। यदि आपके घर में कोई बड़े-बुजुर्ग या बच्चे हैं, तो कृपया उनसे पूछें कि आपका यह घोर निंदनीय और घृणास्पद बयान उचित है या नहीं। इसके अलावा, आप स्वयं एक महिला हैं। जब एक महिला दूसरी महिला का अपमान करती है, तो कौन आपको नैतिक रूप से सही कहेगा?

यादव ने आगे कहा कि भारतीय समाज में किसी भी माँ का अपमान करना अस्वीकार्य है और उन्होंने खर्कवाल को गरिमा और संतुलन बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने अपने पोस्ट का समापन किया कि अगर आपने इसे इतने निचले नैतिक स्तर तक न गिराया होता तो आपका राजनीतिक भविष्य उज्ज्वल होता; आज तो आपके समर्थक भी शर्मिंदा हैं। जिन लोगों को आप प्रभावित करने के लिए इस स्तर तक गिर रहे हैं, वे किसी के करीबी रिश्तेदार नहीं हैं। अपनी गरिमा और संतुलन बनाए रखें। मुझे आपसे किसी माफी की उम्मीद भी नहीं है, और ऐसी बातें कहने के बाद माफी का कोई मतलब भी नहीं रह जाता। अकेले बैठकर आपको जो पछतावा होगा, वह हमारे लिए काफी होगा।

दम दम में गरजे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, बोले- राहुल गांधी लिख लें, बंगाल में कांग्रेस का खाता नहीं खुलेगा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को पश्चिम बंगाल के दमदम में एक चुनावी रैली को संबोधित किया और राहुल गांधी से कहा कि कांग्रेस पश्चिम बंगाल में अपना खाता भी नहीं खोल पाएगी। उन्होंने कहा कि असम में कांग्रेस को अब तक की सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने आगे कहा कि तमिलनाडु और पुडुचेरी में कांग्रेस दहाई का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाएगी।

'घुसपैठियों से मुक्त बंगाल बनाने के लिए वोट दें, न कि किसी विधायक के लिए या बीजेपी की सरकार बनाने के लिए। दम दम उत्तर विधानसभा क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि मुझे बताइए क्या पश्चिम बंगाल में किसी को चार शादियां करने की छूट मिलनी चाहिए? आप जानते हैं कि ऐसा कौन कर रहा है। इसे रोकने का आसान तरीका है 'कमल' के निशान वाला बटन दबाना, और हम राज्य में यूसीसी (यूनिफॉर्म सिविल कोड) लागू करेंगे, जिससे ट्रिपल तलाक खत्म हो जाएगा और चार शादियां करने का प्रावधान भी समाप्त हो जाएगा। ममता बनर्जी को हटाने का समय आ गया है। उन्होंने बंगाल को गुंडों के हवाले कर दिया है। क्या आप 'भतीजे' को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं? ममता बनर्जी यह कहकर जनता को गुमराह कर रही हैं कि मुख्यमंत्री राज्य के बाहर का कोई व्यक्ति होगा। मैं आज यह घोषणा करता हूं कि बंगाल का मुख्यमंत्री वही व्यक्ति होगा जिसका जन्म इसी राज्य में हुआ हो, जिसने बंगाली भाषा में पढ़ाई की हो और जो बंगाली बोलने वाला व्यक्ति हो। वह 'भतीजा' नहीं, बल्कि भाजपा का ही कोई कार्यकर्ता होगा।

जीवन में एक सूत्र अपनाएं व्यर्थ को छोड़ दें जीवन सुंदर बन जाएगा

भारत हिन्दू राष्ट्र बनेगा यह संकल्प हमारा है : पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री

राजपीठ जब व्यास पीठ के सामने झुकता है तब सुशासन होता है

शौर्य भारत संवाददाता

प्रयागराज। प्रयाग उत्थान समिति के अध्यक्ष डाक्टर उदय प्रताप सिंह के द्वारा श्रीं बागेश्वर धाम सरकार की अरैल क्षेत्र में आयोजित राष्ट्र हनुमंत कथा के द्वितीय दिवस पर पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री जी महाराज ने व्यासपीठ पूजन के बाद श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि सुंदर काण्ड का वर्णन करते हुए कहा कि हनुमान जी जब रावण के सामने गये तो डरे नहीं बल्कि आंख से आंख मिलाकर कर संवाद किया। और जब लंका जलाकर हनुमान जी राम जी के पास पहुंचे तो राम ने कहा तुमने लंका क्यों जलाई तो कहा हनुमान जी ने कहा कि लंका हमने नहीं जलाई हमारी पूंछ ने जलाई । और कहा कि माता सीता के श्राप ने मुनियों के ताप ने आपके प्रताप ने, रावण के पाप ने और हमारे बाप ने लंका जलाई। आगे कथा श्रवण कराते हुए धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी ने कहा कि अगर जीवन को सुंदर बनाना है तो जीवन में एक सूत्र अपनाएं अपने जीवन से व्यर्थ को हटा दो जीवन सुंदर बन जाएगा और जो

प्राप्त हो जीवन में वही पर्याप्त है ।बस यही सुखी होने का मंत्र है। और कहा कि पागलों जीवन में कीचड और लीचड़ दोनों से बचों। और चार कदम चोर से और चालिस कदम लतखोर से और चार सौ कदम चुगुलखोर से दूर रहोगे तो तो जीवन में सफल हो जायेगें।और कहा 24 में 8 घंटे आराम करो 8 घंटे काम और बाकी 8 घंटे में सब काम करते हुए भजो राम का नाम, और कहा हिन्दूओं एक हो और जाति पांति की करो विदाई हिंदू हिन्दू भाई और सब लोग एक हाथ में माला रखो और दूसरे हाथ में भाला रखो और जो तुमसे जलते हैं उन्हें जलने दो तुम अपना जलवा बरकरार रखो। और संकल्प लो भारत हिन्दू राष्ट्र बने और यहीं संकल्प हमारा है।

कथा के दौरान कार्यक्रम के मुख्य संयोजक डा उदय प्रताप सिंह ने अतिथि के रूप में आए पूज्य चिदानंद मुनि , उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, विधायक रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया, सासंद मनोज तिवारी, पूर्व सांसद भोजपुरी अभिनेता दिनेश लाल निरहुआ, महाभारत सीरियल दुर्योधन का अभिनय करने वाले अभिनेता पुनीत ईस्सर और युधिष्ठिर का किरदार निभाने वाले अभिनेता गजेंद्र सिंह महापौर गणेश केसरवानी, एम एल सी सुरेंद्र चौधरी को अंगवस्त्रम पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया और भव्य आयोजन को लेकर सभी अतिथियों ने डा उदय प्रताप सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया और बधाई दी।

हनुमत कथा में आचार्य चिदानंद मुनि ने कहा कि सनातन धर्म का नव चेतना का समय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नेतृत्व में सनातन धर्म का नव जागरण हुआ है देश के अंदर करोड़ों सनातनी अयोध्या , काशी, महाकाल उज्जैन प्रयागराज का कुंभ मेला में सनातन की शक्ति और भक्ति दिखा रहा है।

इस दौरान उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद ने कहा कि हनुमान कथा भारत के हर ज़िले में हो और आने वाले दिनों में पाकिस्तान में भी हो और हनुमान जी अपने सभी भक्तों का कष्ट हरे। इस दौरान दौरानविधायक रघुराज प्रताप सिंह ने कहा कि जो नेता वंदे मातरम् का विरोध करने वालों को ऐसी की तैसी करने में देरी मत लगाना चाहे जिस दल का नेता हो।

इस दौरान व्यापारी नेता उमेश चंद्र केसरवानी एवं राजेश केसरवानी ने पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी को गदा भेंट किया।

समिति के प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने बताया कि 23 अप्रैल को शाम 4 बजे बाबा बागेश्वर सरकार का दिव्य दरबार लगाया जाएगा और भक्तों अर्जी स्वीकार करेंगे बाला जी महाराज कथा के द्वितीय दिवस पर, सभी कथा में आए सभी अतिथियों ने आरती की और इस भव्य में आयोजन के लिए प्रयाग उत्थान समिति की प्रति आभार जताया है। और अंत में भक्तगण बाबा बागेश्वर सरकार जी के लिए अर्जी लगाते हुए हनुमान चालीसा और आरती के साथ दूसरे दिन की कथा सम्पन्न हुआ।

पृथ्वी दिवस पर कंपोजिट विद्यालय सुजौना में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

शौर्य भारत संवाददाता

प्रयागराज। कंपोजिट विद्यालय सुजौना जसरा प्रयागराज में पृथ्वी पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विज्ञान शिक्षक सुनील कुमार शुक्ल के मार्गदर्शन में निबंध, चित्रकला और पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उन्होंने बच्चों को बताया कि हर वर्ष 22 अप्रैल को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए पृथ्वी दिवस मनाया जाता है।इस वर्ष की थीम 'हमारी शक्ति, हमारा ग्रह' रखी गई है। बच्चों ने जागरूकता अभियान से संबंधित विषय पर आकर्षक पोस्टर बनाकर पृथ्वी को बचाने का संदेश दिया। शिक्षिका नाज़िया सुल्ताना ने इको क्लब के माध्यम से वृक्षारोपण करने, सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करने, प्रदूषण के प्रति बच्चों को जागरूक किया। उन्होंने जल की हर एक बूंद को बचाने का आह्वान भी किया। उन्होंने बच्चों से कहा कि हमें अनावश्यक पानी बर्बाद नहीं करनी चाहिए।इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों इरफ़ान अहमद, जितेन्द्र कुमार शर्मा, आशीष कुमार गुप्ता, शरद कुमार, शिशिर जायसवाल, राकेश कुमार, पूनम तिवारी आदि उपस्थित रहे।

1.10 करोड़ की हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

एएनटीएफ टीम को मिली बड़ी सफलता गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश

शौर्य भारत संवाददाता

प्रयागराज। शहर में नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) को बड़ी सफलता मिली है। टीम ने मंसूराबाद बाईपास के पास से 550 ग्राम हेरोइन के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। बरामद हेरोइन की कीमत करीब 1.10 करोड़ रुपये आंकी गई है।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान मांडा निवासी अनीश कुमार उर्फ आशीष सोनकर और सौरभ सोनकर के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने कबूल किया कि वे प्रतापगढ़ समेत आसपास के जिलों में नशे की सप्लाई करने जा रहे थे। एएनटीएफ को लगातार मिल रही शिकायतों के आधार पर ऑपरेशनल यूनिट प्रभारी सत्येंद्र प्रधान के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई की। घेराबंदी कर कार सवार दोनों आरोपियों को दबोच लिया गया। तलाशी में आरोपियों के पास से हेरोइन के अलावा दो मोबाइल फोन, एक कार और 700 रुपये नकद बरामद हुए। पूछताछ में खुलासा हुआ कि हेरोइन प्रयागराज के ही एक गांव के एक साथी ने मुहैया कराई थी। निर्देश था कि खेप को नवाबगंज क्षेत्र के एक टोल प्लाजा तक पहुंचाया जाए, जहां एक अज्ञात व्यक्ति माल रिसीव करता। बुधवार को दोनों आरोपियों को जिला न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। एएनटीएफ के अनुसार, मुख्य सरगना और अन्य आरोपियों की तलाश में दबिश जारी है, जल्द ही और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

विधि छात्र ने प्रोफेसर पर लगाया यौन उत्पीड़न का आरोप

प्रयागराज। ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज में विधि चतुर्थ वर्ष के एक छात्र ने फैकल्टी सदस्य पर गंभीर आरोप लगाए हैं। छात्र का आरोप है कि सहायक प्रोफेसर पिछले दो वर्षों से उस पर भद्दी टिप्पणियां करने के साथ ही उसका शारीरिक शोषण कर रहे थे। शिकायत दर्ज कराने के तीन महीने बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इसके विपरीत शिकायत के बाद उसके आंतरिक अंकों में भारी कटौती की गई।पीड़ित छात्र के मुताबिक प्रोफेसर पिछले दो साल से उसे परेशान कर रहे थे। उसने 30 जनवरी 2026 को संस्थान के पास औपचारिक शिकायत दर्ज कराई थी। छात्र का आरोप है कि प्रोफेसर उसके शरीर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करते थे और निजी जीवन को लेकर अश्लील सवाल पूछते थे।

शिकायत में जबरन गले लगाने और अनुचित स्पर्श जैसे गंभीर आरोप भी शामिल हैं।छात्र का कहना है कि संस्थान ने शिकायत के बाद जांच समिति बनाने की बात कही और प्रोफेसर को अस्थायी रूप से क्लास लेने से रोक दिया। हालांकि, लगभग तीन महीने बीत जाने के बाद भी मामला अब तक 'प्रक्रियाधीन' बताकर लटकाया गया है।छात्र का आरोप है कि शिकायत दर्ज कराने के बाद संस्थान में उसे बदले की भावना से निशाना बनाया जा रहा है। नियमित छात्र होने और हर सेमेस्टर में करीब नब्बे फीसदी उपस्थिति होने के बावजूद, इस बार उसके आंतरिक अंक घटाकर 40 में से मात्र 18 कर दिए गए हैं।

मामले की जांच के लिए कमेटी गठित की जा चुकी है। छात्र को अंतरिम राहत दी गई है। शिक्षक को परीक्षा, शिक्षण और मूल्यांकन से हटाया गया है। जांच कमेटी की रिपोर्ट के बाद ही आगे की कार्रवाई पर विचार किया जाएगा।

-प्रो. आनंद शंकर सिंह, प्राचार्य, ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज

सहायक आचार्य पुनर्परीक्षा की प्रोविजनल उत्तरकुंजी जारी

28 अप्रैल तक ऑनलाइन आपत्तियां आमंत्रित

शौर्य भारत संवाददाता

प्रयागराज/लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज की ओर से आयोजित सहायक आचार्य (विज्ञापन संख्या - 51) की 18 एवं 19 अप्रैल 2026 को सम्पन्न लिखित पुनर्परीक्षा के सभी विषयों की मास्टर सेट की प्रोविजनल उत्तरकुंजी आज जारी कर दी गई है। आयोग ने यह उत्तरकुंजी अपनी आधिकारिक वेबसाइट - https://upessc.up.gov.in पर अभ्यर्थियों के अवलोकन के लिए अपलोड की है। संस्कृत, अंग्रेजी, गणित, इतिहास, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, वाणिज्य, विधि सहित कुल 33 विषयों की उत्तरकुंजी उपलब्ध करा दी गई है, जिससे अभ्यर्थी अपने प्रश्नपत्र का मिलान कर सकेंगे।

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि अभ्यर्थी संबंधित विषय की प्रोविजनल उत्तरकुंजी का सावधानीपूर्वक मिलान कर लें। यदि किसी प्रश्न अथवा उत्तर के संबंध में आपत्ति हो तो अभ्यर्थी केवल ऑनलाइन माध्यम से ही अपनी आपत्ति दर्ज कर सकते हैं। इसके लिए आयोग ने https://www.upessc.net/upesscqcapril2026/Login.aspx लिंक उपलब्ध कराया है। आपत्तियां दर्ज करने की अवधि 22 अप्रैल 2026 से 28 अप्रैल 2026 की रात्रि 12 बजे तक निर्धारित की गई है। इस अवधि के बाद प्राप्त किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा। साथ ही, ऑनलाइन लिंक के अतिरिक्त किसी अन्य माध्यम से भेजी गई आपत्तियां भी स्वीकार नहीं होंगी।

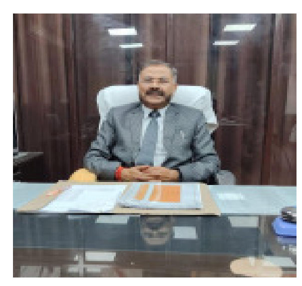

उन्होंने बताया कि यह पूरी प्रक्रिया आंकड़ों के संकलन एवं संरक्षण के उद्देश्य से संचालित की जा रही है तथा यह उच्च न्यायालय में विचाराधीन विशेष अपील संख्या-368/2026 में पारित आदेश के अधीन होगी।

कथा के दूसरे दिन बाबा बागेश्वर ने संगम में लगाई डुबकी, श्री बड़े हनुमानजी का लिया आशीर्वाद

कथा में पहुंचे डिप्टी सीएम केशव, राजा भैया और निरहुआ

अखिलेश शुक्ल

नैनी, प्रयागराज। नैनी अरैल क्षेत्र में आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की तीन दिवसीय हनुमंत कथा चल रही है। कथा के दूसरे दिन बाबा बागेश्वर आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने बुधवार को संगम में डुबकी लगाई। इसके बाद श्री बड़े हनुमानजी का दर्शन पूजन किया। इस दौरान जयश्री राम और जय बजरंग बली के जयकारे गूंजते रहे। बाबा बागेश्वर धाम के महंत आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की तीन दिवसीय हनुमंत कथा संगम के किनारे नैनी अरैल क्षेत्र में चल रही है। दूसरे दिन बुधवार को धीरेंद्र कृष्ण बजरंग बली का दर्शन करने के लिए श्री बड़े हनुमान मंदिर पहुंचे। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच उन्होंने संगम में डुबकी लगाई और विधि-विधान से मां गंगा का पूजन किया।

इसके बाद दुग्ध, नैवेद्य का अर्पण कर मां गंगा की आरती उतारी। इसके बाद मंदिर पहुंचकर श्री बड़े हनुमानजी का दर्शन किया। जहां महंत बलवीर गिरि ने उन्हें पूजन करवाया। इसके बाद उन्होंने अक्षयवट का भी दर्शन किया। नैनी अरैल क्षेत्र में चल रही बाबा बागेश्वर धाम की हनुमंत कथा में दूसरे दिन बुधवार को कई नेताओं और साधु-संतों ने भी हिस्सा लिया। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजाभैया, परमार्थ आश्रम निकेतन स्वामी चिदानंद मुनि, पूर्व सांसद दिनेश लाल निरहुआ, दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी, महाभारत सीरियल में दुर्योधन का किरदार निभाने वाले पुनीत इस्सर आदि पहुंचे। दूसरे दिन की कथा में आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने अशोक वाटिका और रावण दरबार का वर्णन किया। कहा कि जीवन से व्यर्थ को गायब करतो अर्थ निकल जाएगा। युवा और छात्र निंदा, पराई स्त्री से बचें तो जीवन सफल हो जाएगा। नीच और बुराई करने वालों की संगत से बचें। तीर्थ जाओ तो ज्ञान, स्नान और दान करो। दान जरूरी नहीं की धन का हो। गलत विचारों का भी त्याग और दान अवश्य करना चाहिए। कीचड़ और लीचड़ से बचें। इनकी संगत से जीवन खराब हो जाता है। कहा कि प्रयागराज के पंडा की महिमा बड़ी है। इनके पास कई पुश्तों की कुंडली है। यहां देखने पर पूर्वजों का पता चल जाएगा। द्वादश माधव, श्री बड़े हनुमानजी और अक्षयवट की महिमा का भी वर्णन किया।

फतेहपुर में 38 साल पुराने हत्याकांड में आरोपी बरी, कोर्ट ने कहा-संदेह से परे नहीं थे सबूत

शौर्य भारत संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फतेहपुर के बहुचर्चित 1986 के हत्याकांड में महत्वपूर्ण निर्णय सुनाते हुए एक आरोपी को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित करने में विफल रहा। सजायाफ्ता जगदीश की अपील पर न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और न्यायमूर्ति जेके उपाध्याय की खंडपीठ ने सुनवाई की।

मामला थाना खागा, फतेहपुर का है। 18 जुलाई 1986 को कुंजल प्रसाद की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। आरोप था कि बचन सिंह, जगदीश, जोगेश्वर और राम कुमार ने मिलकर सुबह करीब 8 बजे गवियन तालाब के पास कुंजल को घेरकर गोली मार दी। सत्र न्यायालय ने 1987 में आरोपियों को धारा 302/34 आईपीसी के तहत दोषी ठहराया था, जिसके खिलाफ यह आपराधिक अपील दाखिल की गई थी। अपील लंबित रहने के दौरान एक आरोपी राम कुमार की मृत्यु हो गई, जिससे उसके खिलाफ अपील समाप्त हो गई। अभियोजन ने आरोपों को साबित करने के लिए दो प्रत्यक्षदर्शी गवाहों और पोस्टमार्टम रिपोर्ट को पेश किया।

कोर्ट ने इन सभी तथ्यों पर विचार करने के बाद पाया कि दोनों चश्मदीद गवाहों के बयान आपस में मेल नहीं खाते। एक ने कहा कि वे साथ घर से निकले, जबकि दूसरे ने कहा कि रास्ते में अचानक मुलाकात हुई। गवाहों की घटना स्थल पर उपस्थिति भी संदेहास्पद पाई गई। गांव में मजदूर उपलब्ध होने के बावजूद दूसरे गांव जाने का कारण अविश्वसनीय लगा। कोर्ट ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच पुरानी रंजिश थी, जिससे झूठा फंसाने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

गवाहों ने अपने बयान में 3 गोलियां चलने की बात कही, जबकि डॉक्टर ने 4 फायर के निशान बताए। डॉक्टर के अनुसार एक गोली बहुत करीब (4 फीट से कम दूरी) से चली, जबकि गवाहों ने 7-10 कदम दूरी बताई। पोस्टमार्टम में शरीर की स्थिति भी घटनाक्रम से मेल नहीं खाती। कोर्ट ने कहा कि यदि आरोपी बदला लेना चाहते थे तो प्रत्यक्षदर्शी बेटे को क्यों छोड़ा गया। इससे पूरी कहानी संदिग्ध हो जाती है।

हाईकोर्ट ने कहा, 'जब घटनाक्रम और साक्ष्य ही संदेहास्पद हों, तो दोषसिद्धि कायम नहीं रखी जा सकती।' अदालत ने माना कि अभियोजन का मामला संदेह से परे साबित नहीं हो पाया, इसलिए आरोपी को संदेह का लाभ दिया जाना उचित है। कोर्ट ने आरोपी जगदीश को बरी करने का आदेश देते उसकी जमानत समाप्त कर दी गई और जमानतदारों को मुक्त कर दिया।

यौन शोषण का आरोपी एसआरएन अस्पताल से पुलिस को चकमा देकर फरार

शौर्य भारत संवाददाता

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल से यौन शोषण का आरोपी फरार हो गया। जानकारी के अनुसार प्रतापगढ़ के मानिकपुर क्षेत्र में रविवार को डेढ़ वर्षीय बच्ची से यौन शोषण करने का आरोपी एसआरएन अस्पताल से पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। प्रतापगढ़ पुलिस मंगलवार को आरोपी को डीएनए टेस्ट के लिए एसआरएन लेकर आई थी। पुलिस जैसे ही ट्रॉमा सेंटर के अंदर दाखिल हुई, आरोपी मौका पाकर भाग निकला। रविवार को ग्रामीणों ने पिटाई के बाद कुंडा के एक गांव निवासी आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया गया था। सोमवार को कोर्ट से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया था। मंगलवार सुबह आरोपी को मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। इसके बाद उसे डीएनए टेस्ट के लिए एसआरएन प्रयागराज रेफर कर दिया गया। आरक्षी मदन शर्मा समेत अन्य पुलिसकर्मियों की देखरेख में आरोपी को एसआरएन अस्पताल लाया गया। इसी दौरान शाम करीब छह बजे स्वास्थ्य और पुलिस कर्मियों को झांसा देकर वह अस्पताल से भाग निकला। पुलिसकर्मियों ने आरोपी का पीछा किया लेकिन वह उन्हें चकमा देने में कामयाब रहा।

डॉक्टर ने ट्रेन के आगे कूदकर दी जान

प्रयागराज। महावीरपुरी कॉलोनी तेलियरगंज में बुधवार शाम एक होम्योपैथिक डॉक्टर ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान 45 वर्षीय पीयूष कृष्ण गर्गायन के रूप में हुई। बताया गया कि वह क्लीनिक खोलने के लिए पिता से रुपयों की मांग कर रहे थे। पैसे न मिलने से नाराज होकर यह आत्मघाती कदम उठाया। मूल रूप से बलिया के रहने वाले वीरेंद्र कुमार तिवारी कमला नगर, शिवकुटी में घर बनाकर परिवार के साथ रहते हैं। उनका बेटा पीयूष कृष्ण गर्गायन होम्योपैथिक डॉक्टर था। शाम करीब पांच बजे उसने महावीरपुरी कॉलोनी के पास ट्रेन के सामने कूदकर जान दे दी। घटना से पहले पीयूष ने अपने 16 वर्षीय बेटे शाश्वत कृष्ण तिवारी के मोबाइल पर आत्महत्या करने का संदेश भी भेजा था। जब तक परिजन कुछ समझ पाते, तब तक पीयूष जान दे चुके थे। परिजनों के अनुसार, पीयूष काफी समय से अपनी क्लीनिक शुरू करना चाहता था, जिसके लिए वह पिता से पैसों की मांग कर रहे थे। मांग पूरी न होने से वह तनाव में थे। परिजनों ने पुलिस को बताया कि पीयूष पहले भी आत्महत्या का प्रयास कर चुके थे। उनकी मौत से घर में कोहराम मच गया। पीयूष कृष्ण के परिवार में माता-पिता, पत्नी और एक बेटा है।

यूपी बोर्ड : हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट के 53 लाख छात्रों का रिजल्ट आज

शौर्य भारत संवाददाता

प्रयागराज। एशिया की सबसे बड़ी परीक्षा संस्था उप्र माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज (यूपी बोर्ड) की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट का परीक्षा परिणाम 23 अप्रैल गुरूवार की सायं चार बजे यूपी बोर्ड मुख्यालय, प्रयागराज से घोषित किया जायेगा। इस दौरान करीब 53 लाख छात्र - छात्राओं का रिजल्ट घोषित होगा। परीक्षा के दौरान करीब पांच लाख छात्र - छात्राओं ने परीक्षा छोड दी थी।

यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने आज बताया कि गुरूवार की सायं चार बजे यूपी बोर्ड के डायरेक्टर / सभापति डॉ महेन्द्र देव परीक्षा परिणामों की घोषणा यूपी बोर्ड मुख्यालय प्रयागराज से करेंगे। उन्होंने बताया कि परीक्षाफल को माध्यमिक शिक्षा परिषद् की वेबसाइट - www.upsmsp.edu.in तथा डिजिलॉकर की वेबसाइट https://results.Digilocker.gov.in/ पर देखा जा सकता है।

विधानसभा में उठाएंगे छात्रों की आवाज : पल्लवी पटेल

शौर्य भारत संवाददाता

प्रयागराज। इस सरकार में छात्रों का उत्पीड़न हो रहा है लेकिन अपना दल के छात्रों के साथ है। छात्रों के हर मुद्दे को विधानसभा में उठाएंगे। यह बातें अपना दल की सिराथू विधायक पल्लवी पटेल ने बुधवार को इलाहाबाद विश्वविद्यालय छात्रसंघ भवन के बाहर आयोजित सामाजिक न्याय शिक्षा और छात्रसंघ बहाली के विषय पर आयोजित छात्र संवाद में कहीं।सिराथू विधायक कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रही थीं। उन्होंने कहा कि छात्रसंघ राजनीति की नर्सरी है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय से कई दिग्गज राजनेता निकले और देश की राजनीति में उन्होंने अपना योगदान भी दिया है। यहां पर छात्रसंघ बहाली होनी चाहिए।

इस दौरान विधायक ने पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष शोभ नाथ सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। छात्रों ने वर्तमान की राजनीति पर अपना पक्ष रखा, साथ ही छात्रों ने विश्वविद्यालय में व्याप्त तमाम समस्याओं और मूलभूत सुविधाओं को लेकर अपनी बात रखी। प्रतिवर्ष हो रही फीस बढ़ोतरी को रोकने के लिए, बंद पड़े छात्रसंघ चुनाव को बहाल करने के लिए एकजुट होने का संकल्प लिया। छात्रों ने कहा कि वर्तमान की सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन अति असंवेदनशील हो चुके हैं और उन्हें छात्रों की समस्याओं से कोई लेना-देना नहीं है। छात्रों ने यूजीसी के मुद्दे पर अपनी बात रखी। इस मौके पर कार्यक्रम के संयोजक मयंक पटेल, अनुराग यादव, प्रियांशु विद्रोही, गौरव गोंड, आशुतोष मौर्या, शिवम यादव, विपुल यादव, उत्पल आदि मौजूद रहे।

डीएलएड परीक्षा तिथि टकराव पर छात्रों ने सचिव को सौंपा ज्ञापन

प्रयागराज। डीएलएड चतुर्थ सेमेस्टर और एलटी परीक्षा की तिथि एक साथ होने से अभ्यर्थियों में आक्रोश बढ़ गया है। डीएलएड चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा 14, 15 और 16 मई को प्रस्तावित है, जबकि 16 व 17 मई को एलटी परीक्षा है। इससे कई छात्रों के सामने दोनों परीक्षाओं में शामिल होने की समस्या खड़ी हो गई है।इस मुद्दे को लेकर डीएलएड संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष विशु यादव के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को परीक्षा नियामक प्राधिकारी (पीएनपी) के सचिव को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने 16 मई की परीक्षा को 18 मई तक स्थगित करने की मांग की। विशु यादव ने चेतावनी दी कि मांग पूरी न होने पर आंदोलन किया जाएगा। सचिव ने जल्द निर्णय का आश्वासन दिया है।

टॉप 10 भूमि विवाद' अभियान
उप जिलाधिकारी ने सौरई बुजुर्ग में 5 विवादों का मौके पर निपटारा किया, तालाब-बंजर भूमि अतिक्रमण मुक्त

शौर्य भारत संवाददाता

कौशाम्बी। उप जिलाधिकारी सिराथू योगेश कुमार गौड़ ने 'टॉप 10 भूमि विवादों का मौके पर समाधान' अभियान के अंतर्गत बुधवार को ग्राम सौरई बुजुर्ग में शिविर आयोजित कर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा भूमि विवाद की कुल 5 शिकायतों का ग्राम स्तर पर ही त्वरित निस्तारण कराया।

ज्ञात हो कि उप जिलाधिकारी ने गाटा संख्या-530 (बंजर भूमि) पर बाउंड्रीवाल एवं पिलर के माध्यम से किए गए अवैध कब्जे को हटवाया। गाटा संख्या-2289 पर हुए अवैध निर्माण को ध्वस्त कराया तथा गाटा संख्या-2226 (तालाब) पर हुए अस्थायी अतिक्रमण को हटवाया। इसी प्रकार गाटा संख्या-281 (तालाब) एवं गाटा संख्या-296 (खलिहान) पर हुए अवैध अतिक्रमण को भी मौके पर ही हटवाया गया। इन सभी शिकायतों के निस्तारण से शिकायतकर्ता संतुष्ट रहे। उप जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि भविष्य में भी इसी संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ जनता की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाए।

पुलिस ने सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से 22 लाख कीमत के 92 मोबाइल रिकवर कर मोबाइल स्वामियों को लौटाये

शौर्य भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिले की सभी थानों की पुलिस टीम ने सीईआईआर (सेन्ट्रल इक्वीपमेंट आईडेंटीटी रजिस्टर) पोर्टल पर जिले के विभिन्न थानों पर मोबाइल चोरी, स्नेचिंग व मोबाइल खोने आदि की प्राप्त शिकायतों पर कार्यवाही करते हुए सर्विलांस एवं मेनुअल इनपुट की सहायता से भिन्न-भिन्न कम्पनियों के कुल 92 मोबाइल जिनकी अनुमानित कीमत करीब 22 लाख रू0 है, की बरामदगी की है। थानों पर नियुक्त कम्प्यूटर ऑपरेटर व सीसीटीएनएस पुलिस टीम द्वारा मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए तकनीकी साक्ष्यों का गहन विश्लेषण किया गया। बरामद किये गये मोबाइल फोन को उनके स्वामियों की पहचान कर सौंपे गए हैं।

ज्ञात हो कि एसपी सत्यनारायण प्रजापत ने प्रेस वार्ता कर बताया कि सीईआईआर (सेन्ट्रल इक्वीपमेंट आईडेंटीटी रजिस्टर) पोर्टल एक केन्द्रीकृत सिटीजन पोर्टल है, जिसकी सहायता से चोरी हुए, खोए हुये अथवा छीने गये मोबाइल फोन को ट्रैक किया जा सकता है। आम जनता द्वारा स्वयं ही अपने मोबाइल खोने, चोरी होने आदि की सूचना आनलाइन वेवसाइट मेरीुदन.ग्ह पर दर्ज की जा सकती है। इसी प्रकार मोबाइल चोरी व खो जाने के सम्बन्ध में थानों पर प्राप्त होने वाले प्रार्थना पत्रों को सीईआईआर पोर्टल पर दर्ज कर ट्रैक किया जाता है। इस प्रकार पूरे भारत वर्ष में कहीं भी मौजूद मोबाइल फोन को आवश्यकता अनुसार सम्बन्धित थानों को सूचित करते हुये बरामद करके मोबाइल स्वामी को सुपुर्द किया जाता है।

सर्वाधिक फोन बरामद करने वाले प्रथम स्थान, थाना पश्चिम शरीरा (18 मोबाइल), द्वितीय स्थान थाना करारी (13 मोबाइल) व तृतीय स्थान थाना कड़ाधाम व कोखराज (12-12 मोबाइल) पर रहे। नियुक्त पुलिस कर्मियों को एसपी सत्यनारायण प्रजापत ने उत्साहवर्धन हेतु प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

'टॉप 10 भूमि विवाद' अभियान
तहसीलदार ने सचवारा में शिविर लगाकर विवादों के निस्तारण किया, एक मामला न्यायालय भेजा

शौर्य भारत संवाददाता

कौशाम्बी। तहसीलदार मंझनपुर पुष्पेंद्र कुमार ने 'टॉप 10 भूमि विवादों का मौके पर समाधान' अभियान के अंतर्गत बुधवार को ग्राम सचवारा में शिविर आयोजित कर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा भूमि विवाद संबंधी शिकायतों का ग्राम स्तर पर निस्तारण कराया।

ज्ञात हो कि प्रार्थना पत्र एवं एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली के अंतर्गत प्राप्त शिकायत पर राजस्व एवं पुलिस टीम ने मौके पर जाकर अभिलेखीय एवं स्थलीय जांच की। विवाद आबादी के भीतर बनी बाउंड्रीवाल को लेकर था। राजस्व टीम ने ग्राम प्रधान की उपस्थिति में दोनों पक्षों के बीच सुलह का प्रयास किया, किंतु दोनों पक्ष सहमत नहीं हुए। ऐसी स्थिति में दोनों पक्षों को सिविल न्यायालय में वाद दायर कर अनुतोष प्राप्त करने का निर्देश दिया गया। तहसीलदार ने संबंधित अधिकारियों को भविष्य में भी इसी संवेदनशीलता के साथ जनसमस्याओं के समाधान के निर्देश दिए।

132 ग्राम पंचायतों में कचरा प्रबंधन केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण
7 में अनियमितता मिली, नोटिस जारी

शौर्य भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार बुधवार को 44 जिला स्तरीय अधिकारियों ने 132 ग्राम पंचायतों में संचालित कचरा पुनर्चक्रण केंद्र, वर्मी कंपोस्ट एवं ई-रिक्शा संचालन की स्थिति का आकस्मिक निरीक्षण कर सत्यापन किया।

ज्ञात हो कि निरीक्षण के दौरान नोडल अधिकारियों ने कचरा पुनर्चक्रण केंद्र का समूह को हस्तांतरण, ई-रिक्शा का रोस्टर अनुसार संचालन, उपयोगकर्ता शुल्क की वसूली, वर्मी कंपोस्ट उत्पादन एवं विक्रय तथा ग्राम पंचायत की आय का सत्यापन किया। निरीक्षण में 7 ग्राम पंचायतों में कचरा पुनर्चक्रण केंद्र का संचालन अनियमित पाया गया, 12 केंद्रों का कबाड़ी से जुड़ाव नहीं था, 19 ग्राम पंचायतों में उपयोगकर्ता शुल्क लागू नहीं था तथा 6 में वर्मी कंपोस्ट तैयार नहीं हो रही थी। 132 ग्राम पंचायतों की कुल अर्जित आय 1, 76, 700 रुपये रही। जिला पंचायत राज अधिकारी ने अनियमितता वाली ग्राम पंचायतों – किशनपुर अम्बारी, चक बादशाहपुर, अफजलपुरवारी, अहिरारा, बसोहनी, ननमई, कटरी, बड़हरी, कोरीपुर, ऊनों, मोहिद्दीनपुर देवछार, दिया उपरहार, कोसम खिराज, गौहानी कला एवं गुलामीपुर – के ग्राम प्रधान एवं पंचायत सचिव को नोटिस जारी कर एक सप्ताह के भीतर सुधार के निर्देश दिए।

टॉप 10 भूमि विवाद' अभियान
उप जिलाधिकारी ने चिल्लासह बाजी में 4 विवादों का मौके पर निपटारा चकमार्ग पर बनी दीवार गिराई

शौर्य भारत संवाददाता

कौशाम्बी। उप जिलाधिकारी चायल अरुण कुमार ने 'टॉप 10 भूमि विवादों का मौके पर समाधान' अभियान के अंतर्गत बुधवार को ग्राम चिल्लासह बाजी में शिविर आयोजित कर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा भूमि विवाद की कुल 4 शिकायतों का ग्राम स्तर पर ही त्वरित निस्तारण कराया।

ज्ञात हो कि शिकायतकर्ता राम पूजन पटेल की शिकायत पर गाटा संख्या-725 (खलिहान) पर हुए अवैध कब्जे को हटवाया गया। शिकायतकर्ता मदन लाल की शिकायत पर गाटा संख्या-175 (चकमार्ग भूमि) पर बनाई गई अवैध दीवार को मौके पर ही गिराकर भूमि अतिक्रमण मुक्त कराई गई। शिकायतकर्ता सुरेंद्र कुमार की शिकायत पर गाटा संख्या-690, 670 एवं 671 के मध्य भूमिधरी भूमि के विवाद का निस्तारण पत्थरगढ़ी कराकर किया गया। उप जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को भविष्य में भी इसी संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ जनसमस्याओं का समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर कांग्रेस के खिलाफ भाजयुमो ने जोरदार प्रदर्शन कर विपक्ष का किया पुतला दहन

शौर्य भारत संवाददाता

कौशाम्बी।नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर विपक्ष (कांग्रेस, समाजवादी) की ओछी राजनीति व मानसिकता के खिलाफ भाजयुमो के नेतृत्व में नगर पालिका मंझनपुर के ओसा चौराहे पर विरोध प्रदर्शन कर विपक्ष का पुतला दहन किया।

प्रदर्शन के बीच राज्य महिला आयोग सदस्य प्रतिभा कुशवाहा ने बताया कि विपक्ष ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को सदन में गिराकर अपनी महिला विरोधी मानसिकता को उजागर किया है।कांग्रेस और सपा जैसे दल परिवारवाद की राजनीति में विश्वास रखते हैं और वर्षों तक महिलाओं के हक को ठगने का काम किया है, अब गांव से लेकर शहर तक की महिलाएं जागरूक हैं और अपने हक के लिए संगठित हैं।इसी क्रम में जिला महामंत्री ज्योति केसरवानी ने कहा कि भाजपा सरकार जहां महिलाओं को नीति-निर्धारण में 33 प्रतिशत आरक्षण देकर उन्हें राष्ट्र-निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ रही है, वहीं कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और उनके सहयोगी दल इसे जाति और धर्म के नाम पर बांटने का प्रयास कर रहे हैं। व जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा नीतू कनौजिया ने कहा कि नारी सशक्तिकरण देश की प्रगति का आधार हैं और केंद्र सरकार द्वारा लाया गया नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं को राजनीतिक भागीदारी में सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। कांग्रेस द्वारा इस महत्वपूर्ण बिल का विरोध करना महिलाओं की भावनाओं और उनकी आकांक्षाओं को आहत करने जैसा है। ऐसी तमाम बातों को विस्तार पूर्वक बताया व पुतल दहन कर विरोध प्रदर्शन किया इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष अनीता त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना सोनकर, नगर पालिका अध्यक्ष भरवारी कविता पासी, जिला मंत्री फूलमति सरोज, प्रीति कौशल, जिलाध्यक्ष युवा मोर्चा शिवप्रताप मौर्य, जिला महामंत्री युवा मोर्चा नीरज मोदनवाल, हर्ष केसरवानी सहित सम्मानित विद्यालय की छात्राएं व महिलाएं उपस्थित रहीं।

समस्त राशन कार्डधारकों को राशन का वितरण 24 अप्रैल से 8 मई के मध्य होगा

शौर्य भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिला पूर्ति अधिकारी मंगेश कुमार मौर्य ने जनपद कौशाम्बी के समस्त राशन कार्डधारकों को सूचित किया है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अन्तर्गत माह मई 2026 में अन्त्योदय कार्डधारकों को प्रति कार्ड 14 किग्रा0 गेंहू व 21 किग्रा चावल तथा पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को प्रति यूनिट 02 किग्रा गेंहू, 03 किग्रा चावल का वितरण दिनांक 24 अप्रैल, 2026 से 8 मई, 2026 के मध्य किया जाएगा जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि इन वितरण दिवसों में उचित दर की दुकानों पर खाद्यान्न वितरण का कार्य सुनिश्चित किया जायेगा। वितरण के दौरान उचित दर विक्रेता द्वारा प्रतिदिन एक निश्चित संख्या में टोकन कार्डधारकों में वितरित किया जाएगा और समय की उपलब्धता एवं ई-पास मशीनों से हो पा रहे वितरण के अनुरूप, उसमें अपेक्षित परिवर्तन करते हुए खाद्यान्न वितरण का कार्य पारदर्शी तरीके से सुनिश्चित किया जाएगा।

मोबाईल ओ.टी.पी. के माध्यम से वितरण की अन्तिम तिथि दिनांक 08 मई 2026 रहेगी। पोर्टबिलिटी के अन्तर्गत खाद्यान्न वितरण की सुविधा उचित दर विक्रेता के स्टाक में उपलब्ध खाद्यान्न की सीमा तक होगी। किसी भी कार्डधारक को राशन प्राप्त करने में असुविधा होती है, तो इसके लिए सम्बन्धित क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी/पूर्ति निरीक्षक से सम्पर्क करें।

वितरण से सम्बन्धित किसी भी समस्या के समाधान के लिए मोबाइल नम्बरों-जिला पूर्ति अधिकारी 7839564632, पूति पूर्ति निरीक्षक चायल/ नेवादा 9936561610, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी मंझनपुर/चायल 9415264027, पूर्ति निरीक्षक मूरतगंज 7991403405, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी सिराथू 7408164483, पूर्ति निरीक्षक कौशाम्बी 9161131301, पूर्ति निरीक्षक सरसवां 9473525538, पूर्ति निरीक्षक मंझनपुर/सिराथू 8840927132 पर संपर्क कर सकते है।

सुरक्षा कर्मियों की बड़ी भर्ती, 29 अप्रैल से 4 जून तक 23 ब्लॉकों में लगेगा रोजगार मेला

कोराँव (प्रयागराज)। जनपद में बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार का सुनहरा अवसर सामने आया है। जिला मुख्य विकास अधिकारी एवं जिला विकास अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि 29 अप्रैल 2026 से 4 जून 2026 तक जनपद के 23 विकास खण्ड मुख्यालयों पर सुरक्षा सैनिक, सुरक्षा सुपरवाइजर एवं सुरक्षा अधिकारी पदों के लिए भर्ती शिविर आयोजित किए जाएंगे। यह भर्ती शिविर उर्ड़- घ्र्ग्ह् थ्ू के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है, जो देश-विदेश में सुरक्षा सेवाएं प्रदान करने वाली बहुराष्ट्रीय कंपनी है। शिविर का समय प्रतिदिन सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक निर्धारित किया गया है। भर्ती अभियान की शुरुआत 29 अप्रैल को कौड़िहार ब्लॉक से होगी और 4 जून को भगवतपुर ब्लॉक पर समाप्त होगी। इस दौरान होलागढ़, मऊआइमा, सोरांव, बहरिया, फूलपुर, बहादुरपुर, प्रतापपुर, सैदाबाद, धनुपुर, जसरा, शंकरगढ़, चाका, करछना, कौंधियारा, उरुवा, मेजा, कोरांव, मांडा, सहसो, श्रृंगवेरपुर धाम एवं भगवतपुर सहित सभी प्रमुख विकास खण्डों में शिविर लगाए जाएंगे। सुरक्षा सैनिक पद के लिए अभ्यर्थी का हाईस्कूल पास होना अनिवार्य है, जबकि सुरक्षा सुपरवाइजर के लिए इंटरमीडिएट एवं सुरक्षा अधिकारी के लिए स्नातक होना जरूरी है। शारीरिक मानकों में न्यूनतम लंबाई 160 सेमी, सीना 70-85 सेमी, उम्र 18 से 40 वर्ष तथा वजन 40 से 90 किलोग्राम के बीच निर्धारित किया गया है। चयनित अभ्यर्थियों को पंजीकरण के लिए 250 रुपये (सुरक्षा अधिकारी हेतु 500 रुपये) जमा करने होंगे। इसके बाद उन्हें कंपनी के ट्रेनिंग सेंटर में एक माह का प्रशिक्षण दिया जाएगा और प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद स्थाई तैनाती दी जाएगी। नौकरी के दौरान अभ्यर्थियों को पीएफ, ईएसआई, बोनस, ग्रेच्युटी, बीमा, पेंशन सहित अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। साथ ही 65 वर्ष तक स्थाई रोजगार, वार्षिक वेतन वृद्धि एवं पदोन्नति का लाभ भी मिलेगा। अधिकारियों ने बताया कि किसी भी ब्लॉक के अभ्यर्थी अपनी सुविधा अनुसार किसी भी शिविर में शामिल हो सकते हैं। इच्छुक युवा निर्धारित तिथियों पर अपने आवश्यक दस्तावेजों के साथ पहुंचकर इस अवसर का लाभ उठाएं।

देर रात तक खुल रही शराब की दुकानें! लोगों में रोष

सहसो (प्रयागराज)। चौकी के सामने अंग्रेजी व देसी शराब की दुकानों पर निर्धारित समय के बाद भी खुलेआम शराब बिक्री का मामला सामने आया है। आरोप है कि देर रात 10 बजे के बाद भी दुकानें संचालित हो रही है। जिससे आसपास के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगो का कहना है कि दुकानों के सामने देर रात तक शराबियों का जमघट लगा रहता है। इससे क्षेत्र का माहौल प्रभावित हो रहा है। और आने-जाने वालों, खासकर महिलाओं व बच्चों को असुविधा हो रही है।लोगों ने आरोप लगाया कि स्थानीय पुलिस प्रशासन की अनदेखी के चलते शराबी मुख्य मार्ग पर चार पहिया गाड़ी खड़ी कर जाम भी लगा रखते हैं। और कुछ बोलने पर मारपीट पर आमादा रहते हैं। मामले को लेकर क्षेत्रीय लोगों में रोष व्याप्त है। उन्होंने पुलिस विभाग के उच्च अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करते हुए। निर्धारित समय के बाद शराब की दुकान बंद कराए जाने शराब के दुकानों के आसपास खुले आम शराब पीने वालों पर रोक लगाये जाने की मांग उठाई है।

अघोषित विद्युत कटौती के चलते जनमानस का जल जीवन अस्त-व्यस्त उपभोक्ताओं एवं लोगों में आक्रोश

शौर्य भारत संवाददाता

नवाबगंज (प्रयागराज)। थाना क्षेत्र के विद्युत उपकेंद्र फतेहपुर का स्थान पर नियुक्त विद्युत कर्मियों एवं अधिकारियों की लापरवाही के चलते अघोषित विद्युत कटौती किए जाने के कारण आम जनमानस में आक्रोश बढ़ रहा है काफी संख्या में उपभोक्ता परेशान नजर आ रहे हैं यहां तक कि उनके जानवर को पीने के पानी की समस्या आम जनमानस को पानी पीने की समस्या सुबह शाम बिजली की कटौती करना

इस भीषण गर्मी में जिस समय 44 डिग्री तापमान चल रहा है वही विद्युत विभाग के कर्मचारी व अधिकारी मामले की अनदेखी कर रहे हैं अघोषित बिजली कटौती करने में जुटे हुए शाम सुबह घरेलू काम बिजली न होने के कारण नहीं हो सकता वह बच्चों की पढ़ाई की समस्याएं सुबह शाम बराबर बनी हुई है भाजपा सरकार ने 20 घंटे विद्युत आपूर्ति का आदेश भले ही दिया हो परंतु अघोषित विद्युत कटौती करके विभागीय अधिकारी कर्मचारी जनमनक उसको ट्रस्ट कर रखे हैं मनुष्यों के एवं जानवरों के पानी पीने की समस्या बहुत ही जटिल हो गई है फिर भी अधिकारी मामले की अनदेखी कर रहे हैं।

इतना ही नहीं इस भीषण गर्मी में कितनी मुसीबत का सामना दिन तो किसी तरीके से गुजर जाता है गुजराती नहीं रात आम नागरिकों एवं उपभोक्ताओं को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है दर्जनों गांव के लोगों में विद्युत विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ आक्रोश बढ़ रहा है यहां तक की लोग धरना प्रदर्शन करने का भी मन बना रहे हैं बिजली विभाग के अधिकारी व कर्मचारी भाजपा सरकार को बदनाम करने की साजिश कर रहे हैं जबकि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय आदित्यनाथ योगी ने विद्युत विभाग को निर्देश दे रखा है कि 18 से 20 घंटे तक बिजली आम जनमानस को मिलना चाहिए फिर भी अघोषित विद्युत कटौती करके विभाग के अधिकारी मालामाल हो रहे हैं करना पड़ रहा है।

पुलिस आयुक्त को दी शिकायती पत्र आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग
बारातियों द्वारा अश्लील हरकत करने पर हुई थी मारपीट

शौर्य भारत संवाददाता

थरवई (प्रयागराज)। थाने के केवटहिया गांव में बारातियों के साथ मारपीट के मामले में दूसरे पक्ष ने पुलिस आयुक्त को शिकायती पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस आयुक्त को दीं शिकायती पत्र में रामरती ने आरोप लगाया की मेरे पड़ोसी सम्बोधी लाल की बेटी की बारात सोराँव थाने के सेवाइत बाजार के भभुई से सोमवार की रात आई थी। द्वार पूजा के दौरान अपने परिवार की महिलाएं और बच्चियों के साथ छत पर चढ़ कर बारात देख रहे थें। बारात में शामिल लड़के गंदे कमेंट के साथ अश्लील इशारा और गाली दे रहे थें। विरोध करने पर ईंट पत्थर चलाने लगे। घर में घुस कर महिलाओ के साथ मारपीट शुरू कर दिया एक महिला के कपड़े फाड़ दिया। और जमीन पा घसीटा गया। महिला के गले से सोने की चैन छीन लिया। घर में जमकर तोड़फोड़ किया। बीच बचाव करने आए परिजनों के साथ पड़ोसियों की भी पिटाई कर दिए। रात में घायलों को लेकर थाने गए तो पुलिस ने निजी अस्पताल में इलाज कराने की बात करके भेज दिया। घायलों को फाफामऊ के एक अस्पताल में इलाज कराया। मारपीट में रामरती, विशाल, गीता देवी, प्रदीप कुमार, अंजली, राहुल, संदीप, आरती, फूलचंद्र घायल हों गए थें। एसीपी थरवई अरुण पाराशर ने बताया की बारातियों के साथ मारपीट के मामले में एक पक्ष कमिश्नर के यहां पेश हुए थें। मारपीट में दोनों पक्षों के लोगों को चोट लगी है। थाना प्रभारी संतोस कुमार पांडेय ने बताया मामले की जाँच चल रही है। जाँच के बाद विधिक कार्रवाई की जाएगी।

अधिवक्ता को किया लहूलुहान, साथियों ने जताया आक्रोश, एसडीएम को ज्ञापन सौंपते वकील

शौर्य भारत संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। महुआ बिनने के विवाद को लेकर अधिवक्ता पर हमला कर घायल कर दिया गया। घायल अधिवक्ता का इलाज के लिए अस्पताल भेजवाया गया। उधर साथी पर हमले की जानकारी होने पर अधिवक्ताओं ने ज्ञापन के जरिए आक्रोश जताया है। सांगीपुर थाना क्षेत्र के तारापुर गांव निवासी जयप्रकाश यादव पुत्र रामशंकर यादव लालगंज तहसील में अधिवक्ता हैं। पीड़ित अधिवक्ता के अनुसार बुधवार की सुबह उन्होनें अपनी मां से घर के पास स्थित महुआ के पेड़ से महुआ बिनने की बात कही। पीड़िता का आरोप है कि इसी बीच पड़ोस के आधा दर्जन से अधिक लोग आ धमके और महुआ बिनने का विरोध करने लगे। मना करने पर आरोपियों ने गालीगलौज करते हुए अधिवक्ता पर ईट पत्थर से हमला बोलकर घायल कर दिया। घायल अधिवक्ता को इलाज के लिए अस्पताल भेजवाया गया। इधर अस्पताल पहुंचकर अधिवक्ता विकास मिश्र आदि ने साथी का हाल जाना। वहीं संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर साथी पर हुए हमले व पुलिस द्वारा अभी तक मुकदमा पंजीकृत न करने तथा आरोपियों पर कार्रवाई न करने को लेकर विरोध जताया। एसओ सांगीपुर गौरव त्रिवेदी का कहना है कि मामले की जांच के बाद मुकदमा दर्ज किया जाएगा। इस मौके पर महामंत्री हरिश्चंद्र पाण्डेय, मो0 इरफान, संतोष पाण्डेय, विनय शुक्ल, सिंटू मिश्र, सुमित त्रिपाठी आदि रहे।

चौकी प्रभारी करमा की बड़ी सफलता 72 घंटे में खोज निकाली चोरी हुई बाइक
क्षेत्र में चर्चा का विषय बने चौकी प्रभारी राजेश राय, चोरों में दहशत

सोनू शुक्ला

प्रयागराज। जनपद के घूरपुर थाना अंतर्गत करमा चौकी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी गई दोपहिया वाहन ल्ज 70 ।् 5049 को 72 घंटे के भीतर बरामद कर लिया। चौकी प्रभारी राजेश राय की इस कार्रवाई की पूरे क्षेत्र में सराहना हो रही है।

करमा चौकी से महज 500 मीटर की दूरी पर स्थित करमा गांव में पीतांबर द्विवेदी के दरवाजे से दोपहिया वाहन चोरी हो गया था। वाहन स्वामी अदीतेश द्विवेदी नौढ़ीया तरहार ने इसकी सूचना पुलिस को दी। जैसे ही मामला चौकी प्रभारी करमा राजेश राय के संज्ञान में आया, उन्होंने बिना देरी किए टीम गठित कर अभियान शुरू कर दिया।

पुलिस की सक्रियता का नतीजा रहा कि चोरी की वारदात के 72 घंटे के भीतर ही दोपहिया वाहन को खोज निकाला गया। चौकी प्रभारी ने वाहन स्वामी अदीतेश द्विवेदी को चौकी बुलवाकर वाहन उनके सुपुर्द कर दिया।

इस त्वरित कार्रवाई से जहां एक तरफ चोरों में दहशत का माहौल है, वहीं क्षेत्रीय जनता में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर हर थाना-चौकी प्रभारी इसी तरह एक्टिव रहे तो अपराधी खुद घुटने टेक देंगे और अपराध पर अंकुश लगेगा।

चौकी प्रभारी राजेश राय ने कहा कि क्षेत्र में अपराध और अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है। जनता की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है।

सम्पादकीय

होर्मुज संकट और युद्ध की आग! अमेरिका-ईरान टकराव दुनिया को महंगाई और ऊर्जा संकट में धकेल देगा

ईरान पर अमेरिका और इजराइल के साझा हमले के बाद करीब एक पखवाड़े पहले बहुत मुश्किल से दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमति बनी थी। फिर दोनों पक्षों के बीच बातचीत की शुरुआत से यह उम्मीद जगी कि वे युद्ध को पूरी तरह खत्म करने पर राजी हो जाएंगे। मगर आज युद्धविराम की अवधि पूरी होने के बाद भी जैसे हालात दिख रहे हैं, उसमें ईरान और अमेरिका के तेवर समाधान की संभावना के सामने एक बड़ी चुनौती हैं।

दूसरी ओर, इस युद्ध के नतीजे में उपजी विकट और जटिल होती परिस्थितियों के बीच ये सवाल उठने लगे हैं कि आखिर अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध का हासिल क्या होगा और उसका खमियाजा दुनिया के कितने देशों को कब तक भुगतना पड़ेगा। खासतौर पर होर्मुज जलमार्ग को बाधित किए जाने के बाद बहुत सारे देशों में जिस तरह प्राकृतिक गैस और तेल का जैसा संकट खड़ा हो गया है, उसे देखते हुए स्वाभाविक ही यह मांग उठने लगी है कि अमेरिका और ईरान का रुख चाहे जो हो, उन्हें वैश्विक हित में खुद को नरम करना चाहिए और किसी भी तरह से युद्ध खत्म हो।

यह छिपा नहीं है कि इजराइल और अमेरिका के हमले की प्रतिक्रिया में ईरान ने जब होर्मुज जलमार्ग को रोक दिया, तब से भारत सहित दुनिया के कई देशों में प्राकृतिक गैस और तेल की आपूर्ति व्यापक पैमाने पर बाधित हुई है और वहां का जनजीवन बुरी तरह बाधित हुआ है। ये देश युद्ध में शामिल नहीं हैं, लेकिन उसकी मार से पीड़ित हैं।

दरअसल, होर्मुज जलमार्ग के जरिए दुनिया के अलग-अलग देशों में बीस फीसद से ज्यादा ऊर्जा की आपूर्ति होती है। मगर जब से इस मार्ग को बाधित किया गया है, लगभग सभी प्रभावित देशों में लोग न केवल रसोई गैस और पेट्रोल-डीजल के संकट का सामना कर रहे हैं, बल्कि रोजमर्रा की जरूरतों के सभी सामान के महंगे होने का दंश भी झेल रहे हैं। इस बीच पाकिस्तान की मध्यस्थता में इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत भी हुई, मगर वह आखिर विफल रही। अब वैश्विक स्तर पर यह उम्मीद की जा रही है कि अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध को खत्म करने के लिए फिर से बातचीत आगे बढ़े।

अफसोस की बात यह है कि एक ओर अमेरिकी नौसेना की ओर से ईरानी जहाज जब्त करने से लेकर युद्धविराम खत्म होने के बाद ईरान पर ढेरो बम गिराने के ट्रंप की धमकी सामने आ रही है, तो दूसरी ओर अमेरिकी हरकतों को युद्धविराम का उल्लंघन बताते हुए ईरान ने भी वार्ता के अगले दौर में हिस्सा लेने को लेकर अनिच्छा जाहिर की है। सवाल यह है कि युद्धविराम पर सहमत होने के बावजूद अमेरिका की ओर से ऐसे आक्रामक बयान क्यों जारी किए जा रहे हैं और कूटनीतिक स्तर पर बातचीत को आगे बढ़ाने के प्रति गंभीरता क्यों नहीं दिखाई जा रही है।

इस तरह के तीखे तेवरों का हासिल यह सामने आ रहा है कि रविवार को भी कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में भारी उछाल दर्ज किया गया। इसके अलावा भी ईरान सहित खाड़ी देशों के तेल ठिकानों पर जिस पैमाने के हमले हुए हैं, उनका असर वैश्विक तेल कीमतों पर पड़ना तय है। इससे ज्यादा त्रासद यह है कि इस सबका वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दीर्घकालिक असर पड़ेगा, जिससे उबरना सभी देशों के लिए चुनौती साबित हो सकता है। एक तरह से स्पष्ट और दूरगामी विपरीत प्रभाव की आशंका के बावजूद युद्ध की स्थिति को बनाए रखने का क्या औचित्य है?

अंतरिक्ष में युद्ध की दस्तक! मानव सभ्यता अपने ही बनाए तकनीकी जाल में फंसने जा रही है

विश्व भर में युद्ध का स्वरूप जिस तेजी से बदल रहा है, उससे यह आशंका भी गहराती जा रही है कि आने वाले दिनों में यह केवल जमीन, समुद्र या हवा तक सीमित नहीं रहेगा। यह अंतरिक्ष की ओर भी बढ़ता हुआ एक ऐसा संभावित संकट है, जिसकी भयावहता का अंदाजा लगाना भी मुश्किल है। पश्चिम एशिया में संघर्ष से स्पष्ट संकेत मिले हैं कि भविष्य के युद्ध में आसमान और अंतरिक्ष से लड़ने की रणनीति को प्राथमिकता दी जा सकती है। इसमें मानवीय भूमिका कम होगी, लेकिन इसके असर का दायरा व्यापक होगा।

आज का युद्ध सीमाओं पर खड़े सैनिकों से ज्यादा उन उपग्रहों पर निर्भर है, जो हजारों किलोमीटर ऊपर चुपचाप पूरी दुनिया की गतिविधियों को संचालित करते हैं। सैन्य रणनीतियों से लेकर मिसाइल और ड्रोन हमलों तक, संचार से लेकर मार्गदर्शन तक, हर चीज अंतरिक्ष से नियंत्रित हो रही है। यही वह बिंदु है, जहां युद्ध एक ऐसे आयाम में प्रवेश कर सकता है, जिसके परिणाम पूरी व्यवस्था के ध्वस्त हो जाने की त्रासदी के रूप में सामने आएंगे। ऐसे में अब समूची मानव सभ्यता को इस बात पर गंभीरता से विचार करना होगा कि कहीं वह अपनी ही विकसित की गई तकनीकी शक्ति को अपने विनाश का साधन तो नहीं बना रही है?

अंतरिक्ष युद्ध की भयावहता इसी में है कि उसका असर बहुत व्यापक और दूरगामी होता है। एक उपग्रह का नष्ट होना केवल एक उपकरण का खत्म होना नहीं होता, बल्कि यह उस तंत्र के टूटने की शुरुआत होती है, जिस पर आधुनिक जीवन टिका हुआ है। जब उपग्रह पर हमले होंगे, तो अंतरिक्ष मलबे के खतरनाक जाल में बदलने लगेगा। हजारों टुकड़ों में बिखरा यह मलबा बंदूक की गोलियों की तरह तेजी से घूमेगा और दूसरे उपग्रहों से टकराकर उन्हें नष्ट कर सकता है। यह एक ऐसा चक्र है, जो शुरू तो किया जा सकता है, लेकिन उसे रोकना संभव नहीं होता। इसका अंजाम यह हो सकता है कि अंतरिक्ष दशकों तक खतरनाक मलबे का कब्रिस्तान बन जाए और समूची मानव सभ्यता तकनीकी रूप से फिर अंधकार युग में धकेल दी जाए।

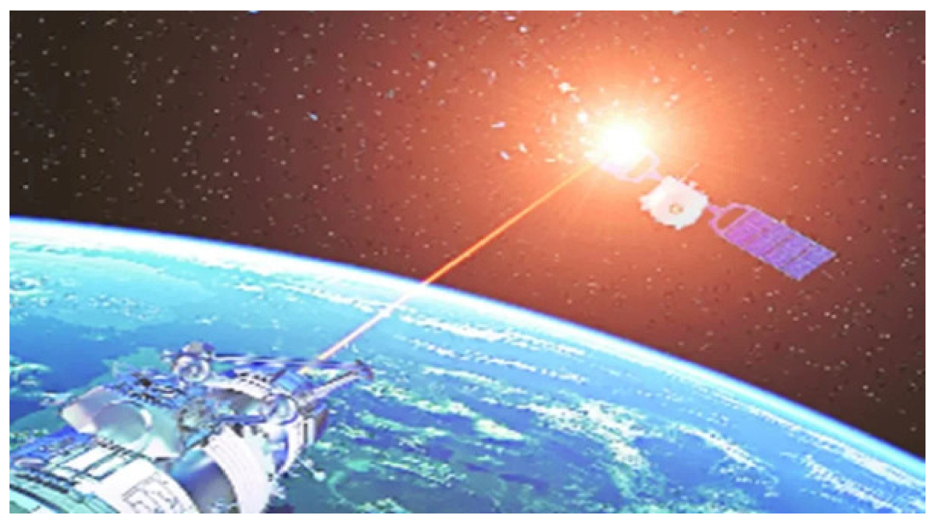

जब अंतरिक्ष में कोई गड़बड़ी होगी, तो उसका असर धरती पर व्यापक रूप से महसूस होगा। एक ऐसी दुनिया की कल्पना भी डराती है, जहां इंटरनेट अचानक बंद हो जाए, मोबाइल नेटवर्क गायब हो जाएं और संचार के सभी साधन पूरी तरह से ठप पड़ जाएं। हवाई जहाज अपने रास्ते से भटक जाए, समुद्र में जहाज अपना रास्ता खो दें, और यहां तक कि आपातकालीन सेवाएं भी काम करना बंद कर दें। अस्पताल के उपकरण, बैंकिंग प्रणाली और आपदा प्रबंधन सब कुछ ठप पड़ जाए। फिर यह किसी एक देश की समस्या नहीं होगी, बल्कि पूरी मानव सभ्यता के ठहर जाने जैसा होगा। तब यह युद्ध बिना बम गिराए भी जीवन की रफ्तार को रोक देगा। तब यह प्रभाव केवल एक तकनीकी समस्या तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सीधे-सीधे पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था की नींव को हिला देगा। आज की दुनिया में डिजिटल तंत्र सिर्फ सुविधा नहीं, बल्कि आर्थिक जीवन रेखा बन चुके हैं। बैंकिंग प्रणाली, आनलाइन वित्तीय लेन-देन, शेयर बाजार, अंतरराष्ट्रीय व्यापार, आपूर्ति शृंखला, ये सब कुछ उपग्रह आधारित संचार और मार्गदर्शन पर निर्भर है।

वर्तमान परिदृश्य में जहां 'क्रिप्टोकरेंसी' और 'रियल-टाइम ग्लोबल ट्रेडिंग' तेजी से बढ़ रही है, ऐसे में संभावित अंतरिक्ष युद्ध का खतरा और भी गंभीर हो जाता है। इसके अलावा, बंदरगाहों और हवाई अड्डों पर कामकाज ठप हो जाने का सीधा असर आम लोगों के जीवन पर पड़ेगा। जरूरी वस्तुओं की कमी हो जाएगी, महंगाई अचानक बढ़ जाएगी और रोजगार पर भी खतरा मंडराने लगेगा। सरकारें आपातकालीन उपाय अपनाने पर मजबूर होंगी, लेकिन डिजिटल निर्भरता इतनी गहरी हो चुकी है कि पारंपरिक प्रणाली तुरंत उसकी भरपाई नहीं कर पाएगी। सबसे खतरनाक बात यह है कि इससे होने वाली तबाही अचानक दबे पांव आएगी- न कोई धमाका, न युद्ध का शोर। व्यवस्था एक ऐसे संकट में घिर जाएगी, जिसकी तुलना किसी भी पारंपरिक युद्ध से करना मुश्किल होगा।

दुनिया आज उस खतरनाक मोड़ पर खड़ी है, जहां अब परमाणु ठिकाने भी युद्ध की मार से सुरक्षित नहीं हैं। जो स्थान कभी वर्जित माने जाते थे, आज वे सैन्य रणनीति का हिस्सा बनते जा रहे हैं। यह सिर्फ एक सैन्य रणनीतिक बदलाव नहीं, बल्कि वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था के ढहने का संकेत है। रूस-यूक्रेन युद्ध ने इस खतरे को स्पष्ट रूप से उजागर किया है। यूक्रेन का जापोरिजिया परमाणु संयंत्र, जो यूरोप का सबसे बड़ा संयंत्र है, वह रूसी सेना के हमलों की जद में है। अगर वहां कोई बड़ी दुर्घटना होती है, तो उसका प्रभाव केवल यूक्रेन तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वह पूरे यूरोप को अपनी चपेट में ले सकता है। इसी तरह पश्चिम एशिया में तनाव कम होता नजर नहीं आ रहा है। अमेरिका और इजराइल लंबे समय से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को खाड़ी देशों के लिए खतरा मानता रहे हैं। पिछले वर्ष अमेरिका की ओर से फोर्दो, नतांज और इस्फहान पर हमले यह दिखाते हैं कि दुनिया की महाशक्तियां भी अब 'लाल रेखा' को लांघ रही हैं। इस तरह के हमले समाधान नहीं, बल्कि जोखिम और अस्थिरता को कई गुना बढ़ा देते हैं।

इस पूरे परिदृश्य का एक और चिंताजनक पहलू है- साइबर युद्ध। अमेरिका की परमाणु सुरक्षा एजंसी में सेंध की कोशिश और वैश्विक ऊर्जा कंपनियों पर 'रैंसमवेयर' हमले यह दिखाते हैं कि परमाणु ढांचों पर अब केवल बम और मिसाइल का नहीं, बल्कि डिजिटल खतरा भी मंडरा रहा है। एक साइबर हमला किसी भी परमाणु रिएक्टर को अस्थिर कर सकता है, जिसके परिणाम किसी परमाणु विस्फोट से कम नहीं होंगे। अंतरराष्ट्रीय कानून स्पष्ट रूप से कहते हैं कि ऐसे ठिकानों पर हमला नहीं किया जाना चाहिए, जहां से खतरनाक विकिरणों का उत्सर्जन हो सकता है। मगर जब अमेरिका, रूस और इजरायल जैसे देश ही इन सीमाओं को नजरअंदाज करने लगें, तो अंतरराष्ट्रीय कानूनों के महत्त्व और प्रासंगिकता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

इसका समाधान यही है कि परमाणु ठिकानों को हर हाल में युद्ध के दायरे से बाहर रखा जाए, चाहे वह पारंपरिक युद्ध हो या साइबर युद्ध। इसके लिए वैश्विक सहमति और कड़े प्रतिबंध जरूरी हैं। साथ ही, आइएईए जैसी संस्थाओं को और अधिक पारदर्शी एवं निष्पक्ष बनाना होगा, ताकि उन पर सभी देशों का विश्वास कायम रह सके। अगर आज भी दुनिया नहीं चेती, तो कल एक छोटी-सी चूक एक बड़े परमाणु हादसे में बदल सकती है। उस समय न कोई विजेता होगा, न पराजित, बल्कि केवल विनाश बचेगा। दुनिया पहले ही एक नाजुक दौर में है, जहां मौसम पूर्वानुमान और पर्यावरण निगरानी उपग्रहों पर निर्भर हैं। अंतरिक्ष संघर्ष इन प्रणालियों को कमजोर कर सकता है, जिससे आपदा चेतावनी तंत्र प्रभावित होगा और ऊर्जा संकट के चलते देश फिर से जीवाश्म ईंधनों की ओर लौटेंगे, जिससे पेरिस समझौते के लक्ष्य खतरे में पड़ सकते हैं।

यह केवल रणनीतिक नहीं, बल्कि एक नैतिक संकट भी है। अंतरिक्ष, जो मानवता की साझा धरोहर है, अब शक्ति प्रदर्शन का मंच बनता जा रहा है। उपग्रह-रोधी हथियारों की होड़ विज्ञान के उद्देश्य पर ही सवाल उठा रही है। ऐसे में भारत की भूमिका महत्त्वपूर्ण हो जाती है। इसरो ने अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण उपयोग का उदाहरण पेश किया है। भारत को वैश्विक मंचों पर अंतरिक्ष के सैन्यीकरण के खिलाफ मजबूत आवाज उठानी चाहिए। यह पूरी मानवता के भविष्य का प्रश्न है, जिसमें कोई विजेता नहीं होगा।

स्क्रीन की चमक में खोते रिश्ते! हमारी तरक्की ही हमारी संवेदनाओं को निगल रही है

दुनिया ने सचमुच एक लंबा और अद्भुत सफर तय किया है। कभी चिट्ठियों के सहारे चलने वाली बातचीत आज एक बटन दबाते ही हजारों किलोमीटर की दूरी पार कर जाती है। वह समय भी था, जब किसी प्रियजन का पत्र आने में हफ्तों लग जाते थे और उसे पढ़कर ही दिल को तसल्ली मिलती थी। आज बेटा विदेश में बैठा हो और माता-पिता गांव में, फिर भी चेहरे सामने, आवाज साफ और भावनाएं लगभग छू लेने जितनी नजदीक लगती हैं। यह विज्ञान, तकनीक और मानव बुद्धि की अद्भुत उपलब्धि है, जिस पर गर्व होना स्वाभाविक है।

मगर इसी चमकती हुई तरक्की के आईने में एक धुंधला, उदास और चिंताजनक सच भी झलकता है। हम दूर बैठे लोगों को देख और सुन सकते हैं, पर पास बैठे अपने ही लोगों का दर्द महसूस करने की संवेदना धीरे-धीरे खोते जा रहे हैं। यह विरोधाभास हमारी आधुनिक जीवनशैली का सबसे बड़ा प्रश्न बनकर सामने खड़ा है। ऐसा लगता है कि हम इसकी वजहों के बारे में जानते हैं, लेकिन इनके इंद्रजाल में इस कदर खोए हुए हैं कि यही हमें ज्यादा अहम लगता है।

आज घरों के भीतर ही संवाद कम होता जा रहा है। एक ही छत के नीचे रहने वाले लोग अपने हाथ में मौजूद अलग-अलग स्क्रीन में कैद दिखते हैं। पिता मोबाइल में व्यस्त हैं, बेटा वीडियो गेम में खोया है, मां भी स्मार्टफोन की स्क्रीन में उलझी है- और इन सबके बीच जो सबसे जरूरी था, वह धीरे-धीरे गायब हो गया है। यानी एक-दूसरे को सच में 'देखना' और 'सुनना'। पहले घरों में बातचीत की आवाजें गूंजती थीं, अब मोबाइल पर नोटिफिकेशन की ध्वनियां सुनाई देती हैं।

यह भी एक अजीब विडंबना है कि आज सोशल मीडिया के किसी मंच पर हम किसी के चेहरे पर मुस्कान देखकर तुरंत 'लाइक' का चटका लगा देते हैं, लेकिन वही मुस्कान अगर बनावटी हो, तो उसे पहचानने की फुर्सत नहीं होती। हम 'इमोजी' यानी मुस्कराने, हंसने या किसी अन्य भाव के संकेतक मुद्रा भेजकर अपने भाव व्यक्त कर देते हैं, पर असल जीवन में किसी के कंधे पर हाथ रखकर पूछना भूल जाते हैं कि 'तुम ठीक तो हो?' किसी की आंखों में छिपा दर्द हमें दिखता नहीं, क्योंकि हम आंखों में नहीं, स्क्रीन में झांक रहे होते हैं।

तकनीक ने भौगोलिक दूरी को कम किया है, लेकिन दिलों के बीच की दूरी बढ़ा दी है। आज हम दुनिया के हर कोने की खबर रखते हैं कि कहां क्या हो रहा है, कौन क्या कर रहा है, लेकिन अपने ही घर के कोने में बैठे व्यक्ति की खामोशी को नहीं पढ़ पाते। यह स्थिति केवल सामाजिक ही नहीं, बल्कि भावनात्मक विघटन का संकेत भी है। हमारी जीवनशैली में तेजी आई है, लेकिन इस तेजी ने हमें ठहरकर सोचने का समय छीन लिया है। हम हर समय 'कनेक्टेड' यानी इंटरनेट पर या सोशल मीडिया के किसी मंच पर एक-दूसरे से जुड़े रहने की कोशिश में रहते हैं, लेकिन भीतर से 'डिस्कनेक्टेड' होते हैं, यानी एक दूसरे से कटते जा रहे हैं। हमारी बातचीत छोटी होती जा रही है, लेकिन अकेलापन गहरा होता जा रहा है।

यह भी सच है कि समस्या तकनीक में नहीं है, समस्या हमारे उपयोग में है। मोबाइल, इंटरनेट, वीडियो काल- ये सब साधन हैं, साध्य नहीं। इनका उद्देश्य हमें जोड़ना था, लेकिन हम इन्हीं में उलझकर अपने सबसे करीबी रिश्तों से कटने लगे हैं। तकनीक एक पुल बन सकती थी, लेकिन हमने उसे एक दीवार बना लिया है। आज बच्चों का बचपन भी स्क्रीन के भीतर सिमटता जा रहा है। खेल के मैदान खाली हो रहे हैं और डिजिटल गेम का संसार भरता जा रहा है। बुजुर्ग घर में होते हुए भी अकेला महसूस करते हैं, क्योंकि उनके पास बैठने और उनसे बात करने वाला कोई नहीं होता। परिवार साथ होते हुए भी साथ नहीं रह गया है।

हमें यह समझना होगा कि असली 'तरक्की' केवल साधनों की नहीं, संवेदनाओं की भी होती है। अगर हम मशीनों से बात करना सीख गए, लेकिन इंसानों को समझना भूल गए, तो यह प्रगति अधूरी है। तरक्की का सही अर्थ केवल सुविधा नहीं, बल्कि संवेदना का विस्तार भी है। समाधान कठिन नहीं है, बस थोड़ा-सा ठहरना होगा। हमें अपने जीवन में छोटे-छोटे बदलाव लाने होंगे। कभी मोबाइल को एक तरफ रखकर पास बैठे व्यक्ति की आंखों में झांकना होगा। बिना किसी स्क्रीन के, बिना किसी नोटिफिकेशन के, बस एक सच्ची बातचीत करनी होगी। दिन में कुछ समय ऐसा होना चाहिए, जब हम केवल अपने लोगों के साथ हों- पूरी तरह उपस्थित, बिना किसी डिजिटल हस्तक्षेप के।

हमें फिर से सुनना सीखना होगा- सिर्फ शब्द नहीं, भावनाएं भी। हमें फिर से देखना सीखना होगा- सिर्फ चेहरा नहीं, उसके पीछे छिपी कहानी भी। हमें फिर से महसूस करना होगा- सिर्फ अपनी नहीं, दूसरों की पीड़ा भी, क्योंकि आखिरकार इंसान को सबसे ज्यादा जरूरत किसी ऐप या नेटवर्क की नहीं होती, बल्कि एक ऐसे दिल की होती है जो उसे समझ सके, महसूस कर सके और बिना शर्त उसके साथ खड़ा रह सके। आज जरूरत इस बात की है कि हम तकनीक के साथ संतुलन बनाना सीखें। हम उसका उपयोग करें, लेकिन उसके गुलाम न बनें। हम उससे जुड़ें, लेकिन अपने रिश्तों से न कटें।

तरक्की तब पूरी होगी, जब हम दूरियों को ही नहीं, दिलों को भी करीब लाएंगे। जब हम डिजिटल दुनिया में रहने के साथ-साथ वास्तविक दुनिया को भी उतना ही महत्त्व देंगे। जब हम 'आनलाइन' होने के साथ-साथ 'मानवीय' भी बने रहेंगे।

पश्चिम बंगाल में परिवर्तन की लहरः ममता को सताने लगा हार का डर

पश्चिम बंगाल चुनाव दिनों-दिन बेहद दिलचस्प होता दिख रहा है। अजेय समझी जाने वाली ममता बनर्जी हैरान, परेशानी और आक्रोशित दिखाई दे रही हैं। हाल ही में एक चुनावी सभा में उनका ये बयान - 'रहा तृणमूल तो फिर मिलेंगे' ; खूब़ चर्चा में है। जहां कुछ सियासी पंडित इसे ममता बनर्जी के चुनाव में सरेंडर करने से जोड़ रहे हैं। वहीं कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि- ये उनका शक्ति प्रदर्शन का अंदाज़ ए बयां है। लेकिन जिस तरह से पश्चिम बंगाल के चुनाव में दृश्य दिखाई दे रहे हैं। वो किसी भी लिहाज़ से ममता बनर्जी के पक्ष में नहीं हैं।

अपने चुनावी अभियान के बीच ममता बनर्जी उकसावे वाले बयान दे रही हैं।चुनाव कराने आए सुरक्षाबलों के खिल़ाफ़ लोगों को उकसा रही हैं। 25 मार्च 2026 को दार्जिलिंग के नक्सलबाड़ी में नंदप्रसाद गर्ल्स हाई स्कूल के मैदान में आयोजित एक जनसभा में उनका उकसावे वाला बयान सामने आया। एक वीडियो में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कथित तौर पर सीआरपीएफ के जवानों को 'धमकाती' नजर आ रही हैं। आरोप है कि जनसभा के दौरान उन्होंने सभी महिलाओं और लड़कियों से अपील की कि- वे भारी संख्या में पोलिंग बूथ पर मौजूद रहें। चुनाव आयोग के अधिकारियों के अनुसार उन्होंने कथित तौर पर यह भी कहा कि – 'अगर जरूरत पड़े तो महिलाएं सीआरपीएफ जवानों से 'निपटने' के लिए घरेलू रसोई के उपकरणों (जैसे बर्तन या अन्य सामान) का इस्तेमाल करें।'

इस खीझ, उकसावे से – ये आईने की तरह साफ़ हो रहा है कि बंगाल की सियासी पिच से ममता बाहर हो चुकी हैं। इसी के चलते वो किसी भी मुद्दे पर जनता के बीच खुद़ को साबित नहीं कर पा रही हैं।तिस पर ऐसे बयान दे रही हैं मानो पश्चिम बंगाल – भारत से अलग कोई देश है। जहां ममता बनर्जी के बिना पत्ता नहीं हिलेगा। ममता बनर्जी को लगता है कि वो संविधान से ऊपर हैं।लेकिन ऐसा कतई नहीं है। यहां जनता से बढ़कर कोई नहीं।ममता बनर्जी जिस मुस्लिम वोटबैंक के नाम पर एक छत्र राज कर रही थीं। वो मुस्लिम समुदाय अब अपने 'इस्लामी' एजेंडे की ओर बढ़ चला है। हुमायूं कबीर, असद्दुदीन ओवैसी जैसे मुस्लिम नेता – मुस्लिम सत्ता और वर्चस्व की वकालत कर रहे हैं। कांग्रेस, टीएमसी की वोटकटवा वाली भूमिका में है। साफ़ है कि इसका सीधा फायदा बीजेपी के खाते में क्रेडिट होगा। कांग्रेस के दिग्गज नेता कहे जाने वाले अधीर रंजन चौधरी, ममता बनर्जी के मुस्लिम तुष्टिकरण के खिल़ाफ़ बिगुल फूंक रहे हैं। इतना ही नहीं पश्चिम बंगाल में मुस्लिम वर्ग भी भाजपा की रैलियों और जनसभाओं में नज़र आ रहा है। मुस्लिम महिलाएं और पुरुष ये कहते देखे गए हैं कि –'ममता बनर्जी ने भ्रष्टाचार किया है। उन्होंने कोई काम नहीं किया है। ममता मुसलमानों को बीजेपी के नाम पर केवल डराने का काम कर रही हैं। जबकि जिन राज्यों में बीजेपी की सरकार है। वहां मुसलमानों में कोई भय नहीं है वहां विकास हो रहा है।'

पश्चिम बंगाल के अलग-अलग हिस्सों में रहने वाले मेरे कई परिचित लोग जिनका राजनीति से कोई विशेष सरोकार नहीं है। उन्होंने कई महत्वपूर्ण बातें कहीं। 2021 के चुनाव में जहां वो बीजेपी की राह कठिन बता रहे थे। वहीं इस बार पश्चिम बंगाल में बड़े परिवर्तन को भांप रहे हैं। उनका कहना है कि – इस बार पश्चिम बंगाल, कुछ अलग तरह के चुनावी माहौल में है। जहां पिछले चुनावों में ममता समर्थकों की गुंडागर्दी, हिंसा और उत्पात से लोग डरे-सहमे रहते थे। वहीं अब लोग ममता बनर्जी के खिल़ाफ़ खुलकर सामने आ रहे हैं। उन्हें अब किसी चीज़ का भय नहीं लग रहा है। जिन पोलिंग बूथों में टीएमसी के गुंडों का खौफ़ रहता था। वहां अब लोग ममता बनर्जी का खुला विरोध जता रहे हैं । साथ ही साइलेंटली भी बीजेपी के पक्ष में वहां हवा चल पड़ी है। ममता के मुस्लिम तुष्टिकरण से बंगाल की जनता मुक्ति चाहती है। डेमोग्राफिक बदलाव को लेकर स्थानीय लोग खास़े चिंतित हैं। पश्चिम बंगाल में खुलेआम होती गौहत्याएं, जनसांख्यिकी बदलाव, गुंडागर्दी, हिंसा, अराजकता और अपराधियों को मिलते संरक्षण से वहां की जनता त्रस्त हो चुकी है।

ये संकेत बता रहे हैं कि वंदेमातरम् की राष्ट्रीय चेतना वाली बंगभूमि जागृत हो चुकी है। वहां का जन-मानस ऐतिहासिक परिवर्तन करने वाला है। बंगाली भद्रोलोक में इस बार गहन चिंतन मंथन चला है।उनका मानना है कि अगर ममता बनर्जी, अपने मज़हबी तुष्टिकरण, अवैध घुसपैठियों को संरक्षण न देतीं। दुर्गा पूजा, रामनवमी, हिन्दू त्योहारों पर लगातार अंकुश लगाने का प्रयास न करती तो उनके प्रति सहानुभूति बनी रहती।लेकिन ममता बनर्जी ने जिस ढंग से हिंदू समुदाय के खिल़ाफ़ हुई हिंसाओं में मौन साधे रखा। मज़हबी कट्टरपंथियों को संरक्षण देती रहीं। उससे बंगाली समुदाय के स्वाभिमान को धक्का लगा। संदेशखाली, आर जी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, दुर्गापुर लॉ कॉलेज, साउथ कोलकाता लॉ कॉलेज में महिलाओं के साथ हुए दुराचार, अत्याचार की – वीभत्स घटनाओं ने, उनके महिला सुरक्षा के तमाम दावों की पोल खोलकर रख दी है। एक महिला होने के नाते भी ममता बनर्जी का असंवेदनशील रूप पश्चिम बंगाल की जनता ने देखा है। जो ये बताता है कि वो सिर्फ़ अपने वोटबैंक की राजनीति करती हैं। उनके लिए महिला सुरक्षा कोई मायने नहीं रखती है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने इस बात पर जोर दिया कि – 'न्यायाधीशों को डराने-धमकाने या उनके काम में बाधा डालने के प्रयासों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और न्यायपालिका अपने अधिकारियों की सुरक्षा और कानून के शासन को बनाए रखने के लिए दृढ़ संकल्पित है। पीठ ने आगे कहा कि राज्य सरकार की निष्क्रियता 'बेहद निंदनीय' है। यह घटना न्यायिक अधिकारियों का मनोबल गिराने और चल रही चुनावी प्रक्रिया को रोकने के लिए सोची-समझी साजिश प्रतीत होती है।'

सुप्रीम कोर्ट की ये टिप्पणियां ममता बनर्जी सरकार का असल चरित्र पेश करती हैं। आप सोचिए कि सीमावर्ती राज्य में ऐसे दृश्य कितने खत़रनाक हैं। जहां एक संगठित भीड़ न्यायिक अधिकारियों को बंधक बना लेती हो। खुलेआम देश के संविधान और कानून को चुनौती दी जाती हो। हिंसा, उत्पात के दृश्य दिखाई देते हों। क्या ये देश की एकता और अखंडता को चुनौती नहीं है? आखरि़ ये दुस्साहस कहां से आया? स्पष्ट है राज्य की ममता बनर्जी सरकार की उस तानाशाही और तुष्टिकरण की नीति से, जो केवल सत्ता चाहती है। उनके लिए राष्ट्रीयता जैसे मूल्य कोई मायने नहीं रखते हैं। कोई आम नागरिक भी सोचे कि – अगर सुप्रीम कोर्ट हस्तक्षेप ना करता, केंद्रीय बल रेस्क्यू न करते– तो क्या न्याय अधिकारी सुरक्षित रहते? अगर वहां न्याय अधिकारी सुरक्षित नहीं हैं तो क्या आम नागरिक सुरक्षित हो सकता है? क्या ये दृश्य अलगाव, आतंक को स्पष्ट बयां नहीं करते हैं? क्या किसी भी नेता, राजनीतिक दल को, देश की एकता और अखंडता को चुनौती देने की छूट दी जा सकती है?

पहले कम्युनिस्ट शासन उसके बाद ममता बनर्जी सरकार के लंबे समय के अराजक शासन से बंगाल त्रस्त हो गया है। वो अब इन सबसे मुक्ति चाहता है। इसी के दृश्य पश्चिम बंगाल में सर्वत्र दिखाई देते हैं। कोलकाता के रहने वाले एक युवा ने कहा कि– 'पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती इलाक़ों में अचानक बदलती डेमोग्राफी। पश्चिम बंगाल के संसाधनों पर डाका डालते, बांग्लादेशी घुसपैठियों, रोहिंग्याओं से लोगों में भय का वातावरण बना है।' लेकिन ममता सरकार में उनकी कहीं सुनवाई नहीं हुई। ये सारी बातें ममता बनर्जी को खास़ा डैमेज कर रही हैं। सुवेंदु अधिकारी के नामांकन रोड शो, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी , केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की सभाओं में लगातार उमड़ता विशाल जनसमूह–बड़े परिवर्तन का संकेत दे रहा है। बीजेपी को लेकर जनता में जैसा उत्साह 2026 के विधानसभा चुनाव में देखने को मिल रहा है। वो परिवर्तन की बड़ी आहट के तौर पर दिखाई दे रहा है। महिलाओं, युवा, बुजुर्ग – सभी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के केन्द्रीय नेतृत्व, भाजपा की नीतियों को लेकर विश्वास की लहर दौड़ रही है। छोटे-छोटे बच्चे तक अपने माता-पिता के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रैलियों में, सभाओं में पहुंच रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र के इंतज़ार में बच्चों के निश्छल, भावुक कर देने वाले वीडियो देखने को मिल रहे हैं। जहां तक नज़र जाती है वहां विशाल जनसमूह दिखाई देता है। जबकि दूसरी ओर ममता बनर्जी की संभाएं खाली दिख रही हैं। इसी के चलते प्रेशर से बचने के लिए उन्होंने जनसभाओं के आकार को छोटा कर दिया। ममता बनर्जी की सभाओं में लोग उनका बॉयकॉट करते नज़र आ रहे हैं। ये सब स्पष्ट संकेत हैं कि – पश्चिम बंगाल की भूमि इस बार अपने मूल स्वरूप में लौट आई है। संन्यासी क्रांति, वंदेमातरम् की भूमि- हिंसा, अत्याचार, अराजकता से मुक्ति चाहती है।

पृथ्वी दिवस पर बाल भारती पब्लिक स्कूल में बच्चों ने बनाई मनमोहक पेंटिग

शिव कैलाश भारतीया

कौंधियारा (प्रयागराज)। बाल भारती पब्लिक स्कूल ए.डी.ए नैनी एवं दानपुर चकिया करमा में पृथ्वी दिवस के अवसर पर नन्हे-मुन्नों बच्चों ने बहुत सुन्दर मनमोहक पेंटिंग बनाई और बड़े बच्चो ने क्राफ्ट के माध्यम से भी पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। बच्चों ने अपने पंजे से पेड़ की आकृति बनाकर पेड़ों को न काटने की अपील की। अधिक से अधिक वृक्षारोपण करे जिससे स्वच्छ पर्यावरण रहे और हम सब लोग को बिमारी से ग्रसित होने से बच सके । इस अवसर पर प्रधानाचार्या शालिनी श्रीवास्तव ने बच्चों को पेड़ों के महत्व के बारे में जानकारी दी गई । साथ ही जल संरक्षण और प्रदूषण न फैलाने के लिए प्रेरित किया।

सीडीओ ने बैंक समन्वित जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रगति की समीक्षा की

सीडीओ ने सीडी रेशियो सुधारने पर दिया जोर केसीसी में कम प्रगति वाले बैंकों को नोटिस

प्रतापगढ़। मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत बैंक समन्वित जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सीडी रेशियो एवं प्राथमिक क्षेत्र के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की गहन समीक्षा की गई, जिन बैंकों का ऋण-जमा अनुपात 40 प्रतिशत से कम पाया गया, उन्हें वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु ठोस कार्ययोजना प्रस्तुत करने तथा गुणवत्तापूर्ण ऋण वितरण के माध्यम से सीडी रेशियो को न्यूनतम 40 प्रतिशत तक लाने के निर्देश दिए गए। सीडीओ ने विशेष रूप से छोटे ऋणों के अधिक संख्या में वितरण पर बल दिया। साथ ही सीएम युवा उद्यमी, स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) सीसीएल, पीएम स्वनिधि, मत्स्य पालन, किसान क्रेडिट कार्ड आदि योजनाओं के अंतर्गत लंबित पत्रावलियों का शीघ्र

निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया। किसान क्रेडिट कार्ड के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में अपेक्षित प्रगति न होने के कारण स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, केनरा बैंक, पंजाब नेशनल बैंक एवं बैंक ऑफ इंडिया को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

बैठक के दौरान सीएम युवा उद्यमी योजना की समीक्षा करते हुए उपायुक्त उद्योग द्वारा अवगत कराया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में निर्धारित लक्ष्य 1800 के सापेक्ष कुल 1829 ऋण पत्रावलियों में ऋण वितरण कर लक्ष्य प्राप्त किया गया है। इस उपलब्धि पर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सभी बैंकर्स का उत्साहवर्धन किया गया तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले बैंक जिला समन्वयकों एवं शाखा प्रबंधकों को जिलाधिकारी एवं सीडीओ द्वारा हस्ताक्षरित प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी बैंक अधिकारियों को वित्तीय वर्ष 2026-27 में अधिक उत्साह एवं प्रतिबद्धता के साथ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित किया। अन्त में अग्रणी जिला प्रबंधक नीरज सिंह द्वारा सभी बैंकों की ओर से मुख्य विकास अधिकारी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया तथा आश्वासन दिया गया कि आगामी वित्तीय वर्ष में बैंक शासन की अपेक्षाओं के अनुरूप बेहतर प्रदर्शन करेंगे। बैठक में पीओ नेडा सन्तोष कुमार सिंह, पीओ डूडा सीमा भारती सहित डीडीएम नाबार्ड, निदेशक आरसेटी, एनआरएलएम, उपायुक्त जिला उद्योग केंद्र सहित सभी बैंकों के अधिकारी एवं जिला समन्वयकों ने प्रतिभाग किया।

धूमधाम से मनाई गई हनुमंत मंदिर की तृतीय वर्षगांठ

सुंदरकांड पूजन के बाद हुआ भव्य भंडारे का आयोजन

प्रतापगढ़। मीरा भवन स्थित आवास विकास कॉलोनी रानी लक्ष्मीबाई पार्क के पास हनुमंत नगर में श्री हनुमान जी के मंदिर की स्थापना को 3 वर्ष पूरा हो जाने के उपलक्ष्य में श्री राम मारुति नन्दन सेवा समिति द्वारा सुंदरकांड का आयोजन किया गया एवं आरती व् केक काटकर प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि विशाल सिंह मौजूद रहे कार्यक्रम में सभासद सुनील दुबे, डॉ क्षितिज श्रीवास्तव, डॉ वाई पी सिंह, डॉ यस सी मिश्रा, केतकी सिंह, अजय कुमार सिंह, डॉ आयुष सोमवंशी डॉ सरिता सिंह , अरविंद सिंह, विपिन श्रीवास्तव, संजय पटवा, विष्णु खंडेलवाल, वरिष्ठ व्यापारी ए के सिंह, सुनील सिंह, आदि लोग उपस्थित रहे, भंडारे में दूर दूर से सैकड़ों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया

पर्यावरण संरक्षण आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता

पृथ्वी दिवस पर हुई संगोष्ठी पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

प्रतापगढ़। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर अधिवक्ता परिषद अवध प्रतापगढ़ ईकाई के आयोजकत्व में जिला कलेक्ट्रेट परिसर में एक संगोष्ठी का आयोजन परिषद के अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता व महामंत्री शिवेश कुमार शुक्ल के संचालन में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदेमातरम गीत से किया गया। इस मौके पर पर्यावरण संरक्षण पर बल दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और अधिवक्ताओं की जिम्मेदारी केवल न्यायालय तक सीमित न होकर समाज के प्रति भी है। इस मौके पर पर्यावरण से संबंधित कानूनों पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे परिषद के अध्यक्ष मनोज सिंह ने जनहित याचिका के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण में नागरिकों की भूमिका पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी को वरिष्ठ अधिवक्ता लक्ष्मी कांत द्विवेदी, अशोक श्रीवास्तव, वासिनी विश्वकर्मा, इन्द्र कुमार उर्फ दीपू सिंह, उपाध्यक्ष जया शर्मा, महामंत्री शिवेश शुक्ल एडवोकेट आदि अधिवक्ताओं ने अपने-अपने विचार व्यक्त करते हुए पर्यावरण से जुड़े विभिन्न मामलों पर मार्गदर्शन प्रदान किया । अंत में अधिवक्ता परिषद के महामंत्री शिवेश कुमार शुक्ल ने उपस्थित सभी अधिवक्ताओं को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से किया गया। इस मौके पर प्रमुख रूप से उदित गिरी, मंत्री विनीत शुक्ल, विनोद शर्मा, अश्वनी पाण्डेय, श्रवण कुमार, विनोद सरोज, परमानंद मिश्र, शिवानी सरोज, बब्लू कुमार, श्रिषी त्रिपाठी सहित अन्य अधिवक्तागण मौजूद रहे।

आबकारी टीम ने पकड़ी शराब, तीन पर मुकदमा

लालगंज क्षेत्र में पकडी गयी शराब को नष्ट करती आबकारी टीम

शौर्य भारत संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। आबकारी पुलिस ने छापेमारी करके बुधवार को शराब व लहन की बरामदगी की है। आबकारी निरीक्षक लालगंज ने आबकारी पुलिस टीम के साथ क्षेत्र के तारापुर, भगतपुर के छः स्थानों पर सुबह छापेमारी की। इस दौरान कुल दो कुन्तल लहन और बीस लीटर अवैध कच्ची शराब की बरामदगी की गयी। आबकारी निरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि मामले में तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है।

जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध एकजुट होकर अपनी पृथ्वी को बचाएं-अजय क्रांतिकारी

हमारी शक्ति, हमारा ग्रह विषय पर जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध एकजुटता दिखाकर लोगों से पर्यावरण संरक्षण की अपील की

शौर्य भारत संवाददाता

प्रतापगढ़। विश्व पृथ्वी दिवस की थीम 'हमारी शक्ति, हमारा ग्रह'पर पर्यावरण सेना द्वारा सदर ब्लॉक के संसारपुर गांव में पर्यावरण सेना प्रमुख अजय क्रांतिकारी के अगुवाई में 'पेड़ बचाएं, धरा बचाएं' विषयक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर लोगों जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध एकजुट करते हुए पेड़ों की कटान रोकने और वैकल्पिक ऊर्जा के इस्तेमाल के बारे में जागरूक किया गया।ग्रामीणों ने आम की बगिया में एकजुट होकर जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध एकजुटता का संदेश देते हुए पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।इस मौके पर यूनेस्को द्वारा वर्ल्ड वाटर अवार्ड विजेता, जाने-माने पर्यावरणविद् एवं पर्यावरण सेना प्रमुख अजय क्रांतिकारी ने कहा कि पेड़ों से ही धरती पर जीवन का अस्तित्व है।बढ़ते वैश्विक तापमान और जलवायु परिवर्तन की समस्या से आज हमारी पृथ्वी अस्वस्थ हो रही है।हमें हरियाली को बढ़ाते हुए वनों एवं वृक्षों को बचाना होगा।उन्होंने कहा कि कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए वैकल्पिक ऊर्जा के प्रयोग को बढ़ाना होगा।जिसके लिए हमें सौर ऊर्जा एवं पवन ऊर्जा को अधिक से अधिक अपनाना होगा।उन्होंने सभी लोगों से प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा एवं संवर्धन हेतु प्रेरित किया।अजय क्रांतिकारी ने कहा कि धरती को स्वस्थ रखने के लिए प्लास्टिक का त्याग कर हरित जीवन शैली अपनाना होगा।

पर्यावरण सैनिक रवि प्रकाश मिश्र ने कहा कि पृथ्वी को हरित बनाकर अपने प्रकृति पुत्र होने का धर्म निभाना होगा।उन्होंने पृथ्वी को बचाने हेतु जल जंगल जमीन को बचाने की अपील किया। इस मौके पर श्याम बिहारी दूबे, श्यामा चरण पांडेय, आशीष मिश्रा (एसपी), विनोद मिश्र, सुभाष मिश्र, शिवम मिश्र, राम लाल पटेल, सीमा मिश्रा, नैतिक एवं जैम मिश्रा आदि लोग मौजूद रहे।

भाजपा युवा मोर्चा द्वारा आयोजित 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 के विरोध के बाद जिले में विरोध प्रदर्शन

शौर्य भारत संवाददाता

प्रतापगढ़। युवा मोर्चा कार्यालय बाबागंज से चौक घंटाघर तक जिला अध्यक्ष भाजयुमो अंशुमान सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने जुलूस निकालकर प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यक्रम के संयोजक एवं जिला महामंत्री युवा मोर्चा नीतीश श्रीवास्तव की प्रमुख भूमिका रही।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी एवं समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उनके पुतले दहन किए। साथ ही हाथों में प्लेकार्ड लेकर महिलाओं के सम्मान एवं सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को उठाया गया।

युवा मोर्चा पदाधिकारियों ने कहा कि महिलाओं के सम्मान के मुद्दे पर किसी भी प्रकार की राजनीति स्वीकार नहीं की जाएगी। कार्यक्रम में अविनाश सिंह, विकल पाण्डेय, चंद्र प्रताप, मनीष पांडे, राहुल मौर्य, रुचि केसरवानी, यशोदा शुक्ला, खुशबू गुप्ता, नेहा गुप्ता, सुष्मिता देव, प्रमिला शुक्ला, पूनम इंसान, सुनीता सिंह, सोनी सिंह, भूमि तिवारी के साथ बड़ी संख्या में महिला एवं युवा मोर्चा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बिना जरुरी काम के घर से बाहर न निकलें अधिक से अधिक पानी पिएं : डॉ के.बी.सिंह

शौर्य भारत संवाददाता

कोराँव (प्रयागराज)। इन दिनों आग के दरिया से गुजर रहा है। आसमान से बरस रही तपिश ने पूरे इलाके को तंदूर में बदल दिया है। तापमान लगातार 45 डिग्री के आसपास बना हुआ है, जिससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। हालात ऐसे हैं कि सुबह 10 बजे के बाद ही सड़कों पर निकलना लोगों के लिए जोखिम भरा साबित हो रहा है। गर्मी की तीव्रता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दोपहर में बाजार, चौराहे और मुख्य मार्ग पूरी तरह वीरान नजर आते हैं। लू के थपेड़े सीधे शरीर को झुलसा रहे हैं। मजदूर, रिक्शा चालक और दिहाड़ी पर काम करने वाले लोगों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है, क्योंकि वे चाहकर भी दिन में काम नहीं कर पा रहे। बिजली और पानी की किल्लत ने लोगों की

मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। गांवों में हैंडपंप जवाब देने लगे हैं, जबकि शहरी इलाकों में भी पानी का दबाव कम हो गया है। वहीं बिजली विभाग की ओर से मिलने वाली सप्लाई में वोल्टेज भी काफी लो रहने से पंखे, कूलर और अन्य उपकरण सही से नहीं चल पा रहे, जिससे लोगों को भीषण गर्मी में और अधिक परेशानी झेलनी पड़ रही है और कोराँव क्षेत्र चारों ओर नहरों से घिरा होने के बावजूद उनमें पानी न होने से स्थिति और चिंताजनक हो गई है। नहरें सूखी पड़ी हैं, जिसके कारण पशुओं को पीने के पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। ग्रामीण इलाकों में पशुपालकों के सामने अपने मवेशियों को बचाए रखना बड़ी चुनौती बन गया है। पशु-पक्षियों की हालत भी दयनीय हो गई है। तालाब और पोखरे सूखने की कगार पर हैं। स्वास्थ्य केंद्रों में भी लू और डिहाइड्रेशन के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। जब सीएचसी अधीक्षक डॉ के. बी. सिंह से गर्मी के बारे में बात चीत की गई तो उन्होंने बताया कि बिना जरूरी काम के घर से बाहर न निकलें, अधिक से अधिक पानी पिएं और शरीर को ढककर रखें। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर प्रशासन ने जल्द ही पानी और बिजली की समस्या पर ठोस कदम नहीं उठाए, तो यह गर्मी लोगों के लिए और बड़ी मुसीबत बन सकती है।

हिन्दू महासभा के प्रदेश अध्यक्ष के गृह प्रवेश में पहुँचे राकेश कुमार तिवारी

बलिया। अखिल भारत हिन्दू महासभा के प्रदेश अध्यक्ष अनुपम मिश्रा' को जनपद में 'राकेश कुमार तिवारी के गृह प्रवेश कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने भगवान श्री गणेश जी की मूर्ति एवं तलवार भेंट कर शुभकामनाएं' प्रेषित कीं तथा परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की! यह कार्यक्रम 'स्मृति कुंज', सीता कुंड जिला'बलिया में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने बलिया जनपद की टीम के साथ बैठक कर संगठन की मजबूती एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की। इस'अवसर पर प्रदेश संगठन मंत्री राजकुमार सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष हर्षवीर सिंह, प्रदेश मंत्री राहुल सिंह, जिलाध्यक्ष आनंद कुमार सिंह सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी एवं भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अखिल भारत हिन्दू महासभा के पदाधिकारियों ने इस अवसर को संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण बताते हुए एकजुटता और सक्रियता का संदेश दिया।

'सनातन सम्राट जगतगुरु स्वामी चक्रपाणि जी महाराज के नेतृत्व में पूरे उत्तर प्रदेश में होगा 'हिंदू स्वाभिमान सम्मेलन', लखनऊ में हुआ भव्य स्वागत'

शौर्य भारत संवाददाता

कोराँव (प्रयागराज)। अखिल भारत हिन्दू महासभा एवं संत महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, सनातन सम्राट जगतगुरु स्वामी चक्रपाणि जी महाराज को प्रतिष्ठित उपाधि प्राप्त होने के उपरांत उनके उत्तर प्रदेश में प्रथम आगमन पर राजधानी लखनऊ में भव्य एवं ऐतिहासिक स्वागत किया गया।

इस अवसर पर अखिल भारत हिन्दू महासभा, उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष श्री अनुपम मिश्रा के नेतृत्व में भव्य स्वागत कार्यक्रम आयोजित हुआ। स्वामी जी का पुष्प मालाओं की वर्षा, अंगवस्त्र अर्पण एवं पारंपरिक विधि-विधान के साथ भव्य अभिनंदन किया गया।

कार्यक्रम में प्रदेश संगठन मंत्री राजकुमार सिंह सहित संगठन के अनेक पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी श्रद्धा एवं सम्मान व्यक्त किया।

इस अवसर पर भारतीय केसरिया वाहिनी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार 'मनोज', उनके कार्यालय प्रभारी मनोज कृष्ण एवं महामंत्री स्वप्निल श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे, तथा अन्य गणमान्य लोग भी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

प्रदेशभर से आए कार्यकर्ताओं एवं आमजन में विशेष उत्साह एवं हर्ष का वातावरण देखने को मिला।

इस अवसर पर घोषणा की गई कि सनातन सम्राट जगतगुरु स्वामी चक्रपाणि महाराज के नेतृत्व में शीघ्र ही पूरे उत्तर प्रदेश में 'हिंदू स्वाभिमान सम्मेलन' का आयोजन किया जाएगा।

इस सम्मेलन के माध्यम से प्रमुख विषयों पर जनजागरण किया जाएगा, जिनमें–

मंदिरों की आय मंदिरों पर ही व्यय हो, धार्मिक नगरियों में मांसाहार पर पूर्ण प्रतिबंध,

धार्मिक नगरियों को पर्यटन स्थल नहीं बल्कि 'धार्मिक नगरी' घोषित किया जाए,

स्थानीय स्तर पर हिंदुओं को रोजगार के अवसर देकर उन्हें सक्षम एवं समृद्ध बनाना–आदि प्रमुख मुद्दे शामिल रहेंगे।

साथ ही, शीघ्र ही उत्तर प्रदेश में संगठन की नई टीम का गठन भी सनातन सम्राट जगतगुरु जी के मार्गदर्शन में किया जाएगा।

सनातन सम्राट जगतगुरु स्वामी चक्रपाणि महाराज के आगमन से प्रदेश में सनातन धर्म के प्रति नई ऊर्जा एवं आस्था का संचार हुआ है। इस अवसर को संगठन ने ऐतिहासिक बताते हुए संकल्प लिया कि उनके नेतृत्व में संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाया जाएगा।

इस अवसर पर अखिल भारत हिन्दू महासभा के अब तक के सभी राष्ट्रीय अध्यक्षों का विशेष पोस्टर भी जारी किया गया, जिसे राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा औपचारिक रूप से विमोचित किया गया। यह पोस्टर उत्तर प्रदेश इकाई द्वारा तैयार किया गया था। साथ ही एक अन्य विशेष पोस्टर का भी विमोचन किया गया।

ज्ञात हो कि लखनऊ आगमन के पश्चात सनातन सम्राट जगतगुरु स्वामी चक्रपाणि महाराज रॉबर्ट्सगंज (सोनभद्र) एवं वाराणसी के लिए प्रस्थान करेंगे।

पहले दिन से ही, मुझे मुश्किल में डाल दिया गया था: कार्ल अर्बन

शौर्य भारत संवाददाता

मुंबई। न्यू लाइन सिनेमा की तरफ से ब्लॉकबस्टर वीडियो गेम फ्रैंचाइज़ी का लेटेस्ट हाई-स्टेक्स इंस्टॉलमेंट, मॉर्टल कॉम्बैट घ्घ, अपनी पूरी शान के साथ आ रहा है। इस बार, फैंस के पसंदीदा चैंपियंस शाओ कान के काले राज को हराने के लिए एक आखिरी, बिना किसी रोक-टोक के, खूनी लड़ाई में एक-दूसरे के खिलाफ खड़े हैं, जो अर्थरल्म और उसके डिफेंडर्स के वजूद के लिए खतरा है। इस बार खुद जॉनी केज भी शामिल हो गए हैं। कार्ल अर्बन जॉनी केज के रोल में हैं, उनके साथ एडेलिन रूडोल्फ, जेसिका मैकनेमी, जोश लॉसन, लुडी लिन, मेहकाड ब्रूक्स, टाटी गैब्रिएल, लुईस टैन, डेमन हेरिमैन हैं, साथ में चिन हान, लॉर्ड रेडेन के रोल में तडानोबू असानो, बी-हान के रोल में जो तस्लीम और हेंज़ो हसाशी तथा स्कॉर्पियन के रोल में हिरोयुकी सनाडा हैं।

डायरेक्टर साइमन मैकक्वॉयड अपने ज़बरदस्त 2021 के सिनेमैटिक एडवेंचर के अगले हिस्से को डायरेक्ट करने के लिए वापस आ रहे हैं। यह जेरेमी स्लेटर के स्क्रीनप्ले पर आधारित है और एड बून और जॉन टोबियास के बनाए वीडियोगेम पर आधारित है।

कार्ल अर्बन को जॉनी केज के तौर पर कास्ट करने के बारे में बात करते हुए, साइमन मैकक्वॉयड खुशी से कहते हैं, 'मुझे उनके पूरे करियर में उनके किए गए हर काम से प्यार है। जॉनी एक बहुत बड़ा कैरेक्टर है और कार्ल में मटीरियल लेने और उसके पीछे अपना दम लगाने की एक जन्मजात काबिलियत थी, साथ ही कॉमेडी को समझने और ज़रूरत पड़ने पर उसे आगे बढ़ाने की भी। लेकिन, यह एक बहुत ही सच्ची, सच्ची कहानी भी है, एक ऐसे आदमी की जो अपनी शान से गिर गया है और आप उसके लिए महसूस करते हैं। यह एक बहुत अच्छी क्वालिटी है, जो कार्ल इस रोल में ला पाए।'

जॉनी केज के कैरेक्टर के बारे में और बताते हुए, प्रोड्यूसर जेम्स वान कहते हैं, 'हमें पता था कि हम इस फिल्म में जॉनी केज के साथ बहुत मज़ा कर सकते हैं। मुझे लगता है कि जो चीज़ उनके कैरेक्टर को इतना प्यारा बनाती है और लोग उन्हें इसलिए पसंद करते हैं, क्योंकि वे हम जैसे ही हैं। वे सच में इस दुनिया को नहीं जानते। वे एक बी-मूवी एक्शन स्टार हैं, जैसे हममें से बहुत-से लोग 90 के दशक में बड़े हुए हैं। वे उस नॉस्टैल्जिक तरीके से मज़ेदार हैं। हम उनका मज़ाक उड़ाते हैं, लेकिन आखिर में उन्हें अपना भी लेते हैं।'

इस आइकॉनिक कैरेक्टर को कार्ल अर्बन निभा रहे हैं। जॉनी केज के बारे में बात करते हुए, वे कहते हैं, 'जब हम पहली बार जॉनी केज से मिलते हैं, तो वह एक बहुत ही उदास कैरेक्टर होता है। उसका करियर डूब रहा होता है और वह मुश्किल दौर से गुज़र रहा होता है। हमारी कहानी की शुरुआत में वह ठीक नहीं होता। इस फिल्म में जॉनी का सफर यह है कि वह खुद को और अपने भीतर की ताकत को कैसे ढूँढता है। यह जेरेमी स्लेटर की एक शानदार स्क्रिप्ट थी और यह जॉनी को एक बड़े सफर पर ले जाती है और मैं भी उसी की तरफ खिंचा चला गया। अपनी रिसर्च के हिस्से के तौर पर, मैंने मार्शल आर्ट्स और मार्शल आर्ट्स टूर्नामेंट के कल्चर में गहराई से जाना, क्योंकि जॉनी वहीं बड़ा हुआ था। और फिर जब मैं शूटिंग शुरू करने के लिए एयरपोर्ट पर उतरा, तो उन्होंने मुझे पिक किया और सीधे स्टंट रिहर्सल के लिए ले गए। तो, पहले दिन से ही, मुझे मुश्किल में डाल दिया गया। हमारे पास एक ज़बरदस्त स्टंट टीम थी, जिनमें से मैंने अब तक सबसे अच्छी टीम के साथ काम किया है और मैं उन सभी का बहुत शुक्रगुज़ार हूँ। मैं दर्शकों के लिए बहुत उत्साहित हूँ कि वे देखें कि हमने क्या बनाया है।'

फिल्म को टॉड गार्नर, ई. बेनेट वॉल्श, जेम्स वान, टोबी एमरिच और साइमन मैकक्वॉयड ने प्रोड्यूस किया है और माइकल क्लियर, जडसन स्कॉट, जेरेमी स्लेटर, एड बून और लॉरेंस कसानोफ ने एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूस किया है।

न्यू लाइन सिनेमा पेश करता है एटॉमिक मॉन्स्टर/ब्रोकन रोड प्रोडक्शन, फायरसाइड फिल्म्स प्रोडक्शन, मॉर्टल कॉम्बैट घ्घ। यह फिल्म वार्नर ब्रदर्स पिक्चर्स द्वारा इंग्लिश, हिंदी, तमिल और तेलुगु में 8 मई, 2026 को सिर्फ भारत के सिनेमाघरों और आईमैक्सरु में दुनिया भर में डिस्ट्रीब्यूट की जाएगी।

दुल्हन की विदाई के दौरान खूंखार कुत्ते के तांडव ने फैलाई दहशत

डॉग ने 60 से ज्यादा लोगों को काटा खुशियों के बीच मची चीख-पुकार

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के बदायूं जिले में एक दुल्हन की विदाई के दौरान बारात घर में घुसे आवारा कुत्ते ने शादी में शामिल वर-वधु पक्ष के 60 से अधिक लोगों को काट लिया। पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना सोमवार सुबह बिसौली थाना क्षेत्र में बिल्सी रोड पर स्थित अभिनंदन बैंक्वेट हॉल में हुई, जब एक आवार कुत्ता परिसर में घुस गया और मेहमानों को काटने लगा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आवारा कुत्ते के अचानक हमला करने से बारातघर में भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई और कई लोग बचकर भागने के प्रयास में एक-दूसरे पर गिर गए, जिससे उन्हें चोटें आईं।

अधिकारियों ने बताया कि शादी में शामिल मेहमानों पर हमले के बाद आवारा कुत्ता बारातघर से बाहर भाग गया और सड़क किनारे कई राहगीरों एवं दुकानदारों को काट लिया। उन्होंने बताया कि बाद में आवारा कुत्ता पास के एक गांव में घुस गया, जहां उसने कई मवेशियों पर हमला कर दिया। अधिकारियों के मुताबिक, आवारा कुत्ते के हमले में घायल लोगों को बिसौली स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया गया, जहां उन्हें रेबीज रोधी टीका लगाया गया और फिर घर भेज दिया गया।

चिकित्सा अधिकारी अरविंद वर्मा ने बताया कि सोमवार को कुल 109 लोगों को रेबीज रोधी टीका लगाया गया, जिनमें से लगभग 60 लोग बारातघर में हुई घटना के पीड़ित थे। घटना के बाद इलाके में डर और गुस्से का माहौल है। स्थानीय लोगों ने नगर निगम के अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि आवारा कुत्ते को पकड़ने के प्रयास नहीं किए जा रहे हैं और वह अभी भी खुलेआम घूम रहा है, जिससे संक्रमण का खतरा है। अपर जिला मजिस्ट्रेट अरुण कुमार ने कहा कि बिसौली नगर निकाय के कार्यकारी अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई करने और समस्या का जल्द से जल्द समाधान करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर आईएएफ का दमखम

सुखोई-मिराज की गर्जना से कांपा आसमान, रात में भी दिखा महापराक्रम

सुलतानपुर **(एजेंसी)**। वायुसेना का लड़ाकू विमानों का दो दिवसीय अभ्यास बुधवार को सुलतानपुर जिले में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर एक आपातकालीन हवाई पट्टी पर शुरू हुआ, जिसके मद्देनजर अधिकारियों ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने के साथ ही यातायात प्रतिबंध लगाए हैं। अधिकारियों के अनुसार, यह अभ्यास अरवल-किरी करवत हवाई पट्टी पर किया जा रहा है, जहां आपात स्थिति के दौरान एक्सप्रेस-वे का उपयोग वैकल्पिक रनवे के रूप में करने की तैयारी के तहत लड़ाकू विमान 'टच-एंड-गो' ऑपरेशन संचालित कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अभ्यास के दौरान विमानों की आवाजाही के प्रबंधन के लिए एक्सप्रेस-वे के पास एक हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली भी स्थापित की गई है। स्थानीय प्रशासन ने इससे पहले हवाई पट्टी के आसपास सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी थी और निवासियों से इससे सुरक्षित दूरी बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान देने से बचने की अपील की थी। इस अभ्यास से क्षेत्र में उत्साह भी पैदा हुआ है क्योंकि लोगों को लड़ाकू विमानों को करीब से देखने का मौका मिल रहा है। अधिकारियों ने कहा कि एहतियात के तौर पर एक्सप्रेस-वे के 12 किलोमीटर लंबे हिस्से पर यातायात का मार्ग एक मई तक बदल दिया गया है और अभ्यास समाप्त होने के बाद 2 मई से फिर से शुरू किया जाएगा।

अधिकारियों ने बताया कि इसी तरह का अभ्यास पहले भी किया जा चुका है, जिसमें जून 2023 का अभ्यास भी शामिल है जब सुखोई और मिराज विमानों ने 3.2 किलोमीटर लंबी हवाई पट्टी पर 'टच-एंड-गो' ऑपरेशन किया था। नवंबर 2021 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा एक्सप्रेस-वे के उद्घाटन के दौरान इसका का उपयोग ऐसे अभ्यास के लिए भी किया गया था, जब लड़ाकू जेट और एक हरक्यूलिस विमान इस खंड पर उतरे थे। इस बीच, बुधवार (22 अप्रैल) को पहलगाम आतंकी हमले की पहली बरसी भी है, जिसमें 26 लोगों की मृत्यु हो गई थी।

शादी के दिन फिल्मी अंदाज में दुल्हन के बॉयफ्रेंड ने मारी एंट्री

बदल गया पूरा खेल, दूल्हे का सपना हुआ चकना चूर

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के बस्ती जिले से हैरान कर देने वाला ममाला सामने आया है, यहां पर पुलिस विभाग में दरोगा के पद तैनात जॉन मेजर की शादी के लिए मंडप बिल्कुल तैयार था घर में खुशी का मौहाल था, लेकिन इसी बीच दुल्हन के बॉयफ्रेंड ने मारी एंट्री मारी फिर पूरा खेल ही पलट गया।

दरअसल, दुल्हन के प्रेमी ने दुल्हे को धमकाया और बरात ले जाने पर अंजाम भुगतने की धमकी दे डाली। सुनकर दूल्हा पक्ष घबरा गया और बारात न ले जाने की बात कहने लगा। उधर दूसरी तरफ दुल्हन के घरवाले बारात का इंतजार कर रहे थे। इस पूरे मामले की जानकारी जैसे ही उन्हें मिली तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई।

मिली जानाकारी के मुताबिक मामला दुबौलिया इलाके के पकड़ी चौहान गांव की है. यहां के जान मेजर वर्मा यूपी पुलिस में दरोगा के पद पर कार्यरत हैं और राजधानी लखनऊ में तैनात हैं। उनकी शादी बस्ती के मड़वानगर गांव की एक युवती से तय हुई। दोनों की शादी की तारीख 20 अप्रैल को रखी गई। लेकिन इस बीच दुल्हन के प्रेमी ने दूल्हे को जमकर धमकाया बोला हमारा 5 साल से प्रेम संबंध है उससे

हम शादी करेंगे, इस दौरान दुल्हे का परिवार डर गया है। उसके बाद बरात लाने से मना कर दिया। जब इस बात की जाकारी लड़की पक्ष को हुई तो उनके होश उड़ गए। काफी हंगामें के बाद दुल्हन के परिजनों ने प्रेमी से शादी के लिए राजी हो गए।

वहीं घटना के बाद दुल्हा पक्ष ने इसकी शिकायत स्थानीय पुलिस से की है। उन्होंने आरोप लगाया कि लड़के के साथ धोखा हुआ है। हांलाकि लड़के के पिता ने कहा कि अगर हम शादी नहीं तोड़ते तो हमारे बेटे के साथ कुछ भी हो सकता था। दुबौलिया थानाध्यक्ष ने बताया कि परिजन की तरफ से कोई लिखित तहरीर नहीं दी गई है। लिखित तहरी अगर मिलती है तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

लखनऊ में व्यक्ति ने लाइसेंसी बंदूक से खुद को मारी गोली, पारिवारिक विवाद की आशंका

लखनऊ **(एजेंसी)**। राजधानी के पारा इलाके में बुधवार को 55 वर्षीय एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी लाइसेंसी बंदूक से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक घटना पारा थाना क्षेत्र के अंतर्गत बुद्धेश्वर चौराहे के पास भपटामऊ इलाके में पूर्वाह्न करीब 11:30 बजे हुई।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। मृतक की पहचान कासगंज जिले के मूल निवासी कप्तान सिंह सरदार के रूप में हुई है, जो अपने दो बेटों और बहुओं के साथ लखनऊ में रहते थे। पुलिस ने कहा कि वह सोने की कीलों का कारोबार करते थे और उनके पास लाइसेंसी बंदूक थी। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच के मुताबिक, सरदार ने अपने लाइसेंसी हथियार से खुद को गोली मार ली और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने संदेह जताया है कि सरदार ने पारिवारिक विवाद के कारण यह कदम उठाया। हालांकि वह सभी कोणों से जांच कर रही है। पुलिस ने कहा, ''शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे की कानूनी कार्यवाही की जा रही है।''

यूपी में हैवानियत की हद!

युवक को पहले निर्वस्त्र कर बुरी तरह पीटा फिर पेट्रोल लगाकर प्राइवेट पार्ट में डाल दिया डंडा

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के बागपत से एक बेहद संवेदनशील मामला सामने आया है। यहां एक युवक के साथ कथित रूप से अमानवीय व्यवहार किया गया। सोशल मीडिया पर वायरल घटना के वीडियो ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। मामला प्रकाश में आने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

घटना शहर कोतवाली क्षेत्र के निवाड़ा गांव की बताई जा रही है। आरोप है कि नजरान, नाजिम और मुफीद नाम के तीन युवकों ने एक युवक को कमरे में बंधक बना लिया। इसके बाद उस पर घर में घुसने का आरोप लगाते हुए उसके साथ मारपीट की। पीड़ित का कहना है कि आरोपियों ने उसे जबरन निर्वस्त्र कर बेरहमी से पीटा। शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने युवक के साथ अप्राकृतिक कृत्य भी किया। इस दौरान पीड़ित लगातार खुद को बेगुनाह बताता रहा, लेकिन आरोपियों ने उसकी एक नहीं सुनी।

बता दें कि पूरे मामले का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर भी साझा किया गया। वायरल वीडियो में एक आरोपी युवक की छाती पर पैर रखे हुए नजर आ रहा है, जबकि दूसरा डंडा लिए खड़ा है।

वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों-नजरान, नाजिम और मुफीद को हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल किया गया डंडा भी बरामद कर लिया है। एएसपी बागपत प्रवीण चौहान के अनुसार, युवक की शिकायत पर गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। मामले की जांच जारी है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

यासीन मलिक के पाकिस्तान कनेक्शन पर एनआईए का बड़ा खुलासा, पीएम-राष्ट्रपति से थे सीधे संपर्क!

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने दिल्ली उच्च न्यायालय को सूचित किया कि कश्मीरी अलगाववादी यासीन मलिक ने प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति सहित वरिष्ठ पाकिस्तानी नेताओं के साथ संपर्क बनाए रखा और इन संपर्कों का फायदा उठाकर जम्मू और कश्मीर को भारत से अलग करने की वकालत की। मलिक के लिए मृत्युदंड की मांग वाली अपील के तहत दायर विस्तृत प्रतिउत्तर हलफनामे में, एनआईए ने कहा कि कई भारतीय प्रधानमंत्रियों के साथ संपर्क के मलिक के दावे उन पर लगे आतंकवाद के आरोपों से अप्रासंगिक हैं और उन्हें उनके अपराधों की जिम्मेदारी से मुक्त नहीं करते हैं।

सुनवाई के दौरान, विशेष लोक अभियोजक अक्षय मलिक ने न्यायमूर्ति नवीन चावला की अध्यक्षता वाली खंडपीठ को प्रतिउत्तर हलफनामे के दाखिल होने की सूचना दी। न्यायालय ने इसे दर्ज किया और निर्देश दिया कि इसकी एक प्रति मलिक को दी जाए, जो जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई में शामिल हुए। मामले की अगली सुनवाई 21 जुलाई को होनी है। एनआईए ने इस बात पर ज़ोर दिया कि मलिक द्वारा राजनीतिक नेताओं, नौकरशाहों और सार्वजनिक हस्तियों का बार-बार ज़िक्र करना केवल जनता की सहानुभूति बटोरने के उद्देश्य से किया गया है और आपराधिक कार्यवाही में इसका कोई महत्व नहीं है। एजेंसी ने इस धारणा को खारिज कर दिया कि प्रमुख हस्तियों का हवाला देना या सरकारी मिलीभगत का आरोप लगाना उनके खिलाफ साबित हुए अपराधों की गंभीरता को कम करता है ।पूर्व प्रधानमंत्रियों वीपी सिंह, चंद्र शेखर, पीवी नरसिम्हा राव, एचडी देवेगौड़ा, आईके गुजराल, अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकारों के साथ मलिक के कार्यकारी संबंधों के दावे को विशेष रूप से संबोधित करते हुए, एनआईए ने तर्क दिया कि ऐसे दावों का वर्तमान मामले पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है और ये नरमी बरतने या आपराधिक दायित्व से बचने का आधार नहीं हो सकते हैं।

अपनी जांच का विस्तृत विवरण देते हुए, एनआईए ने दोहराया कि अलगाववादी नेताओं और हिजबुल मुजाहिदीन और लश्कर-ए-तैबा जैसे प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों से जुड़ी एक व्यापक साजिश का पर्दाफाश हुआ है। इस साजिश का उद्देश्य भारत सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ना था और इसमें हवाला समेत अवैध माध्यमों से धन जुटाकर जम्मू और कश्मीर में आतंकी गतिविधियों को समर्थन देना शामिल था।

होर्मुज का 'खतरनाक मिशन' पूरा, ईरानी फायरिंग के बावजूद 31 क्रू मेंबर्स संग मुंबई पहुंचा टैंकर देश गरिमा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे टकराव के बीच, भारतीय कच्चे तेल का टैंकर 'देश गरिमा' रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण 'स्ट्रेट ऑफ़ होर्मुज़' से गुज़रने के बाद सुरक्षित रूप से भारतीय जलक्षेत्र में पहुँच गया है। कच्चे तेल की भारी खेप ले जा रहा यह जहाज़, फ़िलहाल मुंबई के तट से कुछ नॉटिकल मील की दूरी पर लंगर डाले खड़ा है। यह 18 अप्रैल को होर्मुज़ क्षेत्र से रवाना हुआ था और इस संकरे जलमार्ग से गुज़रते समय कथित तौर पर ईरान के 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' (आईआरजीसी) की गोलीबारी की चपेट में आने के बावजूद इसने अपनी यात्रा जारी रखी। भारतीय ध्वज फहरा रहे इस टैंकर पर 31 भारतीय चालक दल के सदस्य सवार हैं। इसके सुरक्षित आगमन को एक बड़ी राहत के तौर पर देखा जा रहा है, विशेष रूप से पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति में व्यवधान और ईंधन की बढ़ती कीमतों को लेकर जताई जा रही चिंताओं के बीच।

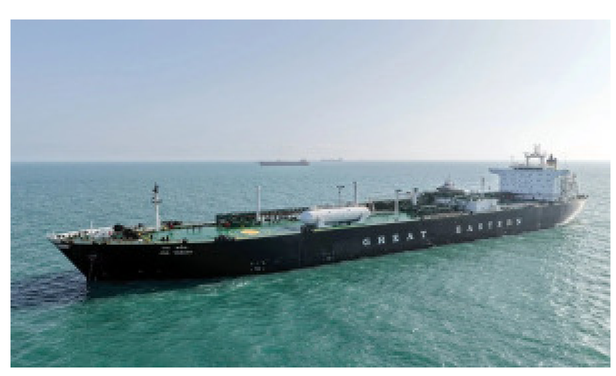

यह जहाज़ मार्च की शुरुआत से अब तक इस जलडमरूमध्य से गुज़रने वाला भारत के झंडे वाला 10वां जहाज़ है। यह इस बात को दिखाता है कि इस क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बावजूद समुद्री आवाजाही लगातार जारी है। भारत ने व्यापारिक जहाज़ों और नाविकों की सुरक्षा को लेकर अपना रुख साफ़ तौर पर ज़ाहिर किया है, और ईरान से अपील की है कि वह हॉरमुज़ जलडमरूमध्य से भारतीय जहाज़ों के सुरक्षित गुज़रने को सुनिश्चित करे। अतीत में, ईरान ने भारत को बदलते भू-राजनीतिक हालात से निपटने और संघर्षों के बीच तेल संकट से उबरने में मदद करने के लिए सहयोग दिया है। भारत और ईरान के बीच ऐतिहासिक रूप से मज़बूत संबंध रहे हैं।

यह ध्यान रखना ज़रूरी है कि आईआरजीसी ने पहले भी भारत के दो अन्य जहाज़ों वीएलसीसी सनमार हेराल्ड और बल्क कैरियर जग अर्णव पर गोलीबारी की थी, जब वे हॉरमुज़ जलडमरूमध्य को पार करने की कोशिश कर रहे थे; इस घटना के कारण दोनों जहाज़ों को वापस लौटना पड़ा था। भारत ने इस घटना को लेकर कड़ा विरोध दर्ज कराया था। हालाँकि, जहाज़ों पर सवार चालक दल के किसी भी सदस्य को कोई चोट नहीं आई थी। यह पहला ऐसा मामला था जिसमें ईरानी सुरक्षा बलों ने 28 फरवरी को अमेरिका और इज़रायल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों के बाद भड़के संघर्ष के बीच किसी भारतीय जहाज़ को निशाना बनाया था।

कॉर्पोरेट सेक्टर में बुर्का-हिजाब पर लगना चाहिए बैन, लेंसकार्ट विवाद पर बोले नितेश राणे

मुम्बई **(एजेंसी)**। बुधवार को महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने लेंसकार्ट की ड्रेस कोड नीति को लेकर हुए विवाद के बाद कॉर्पोरेट जगत में एक समान ड्रेस कोड लागू करने की मांग की। शैक्षणिक संस्थानों से तुलना करते हुए राणे ने कहा कि जिस प्रकार स्कूलों और कॉलेजों में हिजाब और बुर्का पहनने की अनुमति के लिए नियम हैं, उसी प्रकार के नियम कॉर्पोरेट जगत में भी कार्यालय में निष्पक्षता बनाए रखने के लिए लागू होने चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे नियम चुनिंदा रूप से लागू नहीं किए जाने चाहिए।

राणे ने पत्रकारों से कहा कि हम भी ईश्वर में विश्वास रखते हैं। लेकिन कॉर्पोरेट जगत में हिजाब और बुर्का की अनुमति है, जबकि तिलक की नहीं? अगर एक धर्म की प्रथाओं पर प्रतिबंध लगाया जाता है, तो अन्य धर्मों के साथ भी समान व्यवहार किया जाना चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में हिजाब और बुर्का की अनुमति को लेकर बहस चल रही है। इसी तरह, कॉर्पोरेट जगत में भी निष्पक्षता बनाए रखने के लिए इन पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। यह भेदभावपूर्ण तरीके से लागू नहीं होना चाहिए।

राणे की ये टिप्पणी लेंसकार्ट के आंतरिक ड्रेस कोड दिशानिर्देश सोशल मीडिया पर वायरल होने और विवाद खड़ा होने के बाद आई है। चश्मे बेचने वाली कंपनी लेंसकार्ट द्वारा अपने स्टोर कर्मचारियों के लिए बिंदी और तिलक की अनुमति न देने को लेकर उठे विवाद के बीच, लेंसकार्ट ने एक

मानकीकृत स्टाइल गाइड जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि वह आस्था और संस्कृति के हर प्रतीक का स्वागत करती है।

लेंसकार्ट टीम ने कार्यस्थल पर संचार के दौरान टीम के सदस्यों की आस्था को ठेस पहुँचने की आशंका के लिए भी माफी मांगी। उन्होंने कहा कि यदि हमारे कार्यस्थल संचार के किसी भी रूप से हमारे किसी भी टीम सदस्य को ठेस पहुँची हो या उन्हें लगा हो कि उनकी आस्था का यहाँ स्वागत नहीं है, तो हम इसके लिए अत्यंत खेद व्यक्त करते हैं। लेंसकार्ट का यह स्वरूप नहीं है, और न ही हम कभी ऐसा करेंगे। हम आज यह प्रतिबद्धता जताते हैं - न केवल शब्दों में, बल्कि इस प्रकाशित दस्तावेज़ में भी - कि लेंसकार्ट के नाम से प्रकाशित प्रत्येक नीति, प्रत्येक प्रशिक्षण सामग्री और प्रत्येक संचार इन मूल्यों को प्रतिबिंबित करेगा।

दिल्ली महापौर चुनाव में आप का बड़ा दांव, भाजपा को वॉकओवर देकर 'एक्सपोज' करने की रणनीति!

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आम आदमी पार्टी (आप) ने बुधवार को नामांकन बंद होने से एक दिन पहले घोषणा की कि वह दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के महापौर चुनाव नहीं लड़ेगी। 250 सदस्यीय एमसीडी विधानसभा में भाजपा के पास 123 पार्षदों का आरामदायक बहुमत है। आम आदमी पार्टी (आप) के 101 पार्षद हैं और शेष में इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी (आप से अलग हुई पार्टी), कांग्रेस और निर्दलीय पार्षद शामिल हैं। दिल्ली आम आदमी पार्टी (आप) के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने एक बयान में कहा कि पार्टी ने महापौर चुनाव में भाग न लेने का फैसला किया है। पार्टी ने पिछले साल भी महापौर और उप महापौर पदों के लिए चुनाव नहीं लड़ा था।

भारद्वाज ने कहा कि चुनाव में भाग न लेकर आम आदमी पार्टी यह सुनिश्चित करेगी कि भाजपा एमसीडी में सत्ता में आए और अपनी नाकामियों के जरिए बेनकाब हो जाए। आम आदमी पार्टी के नेता ने दावा किया कि सभी स्तरों पर सत्ता में होने के बावजूद भाजपा दिल्ली में कोई बदलाव लाने में नाकाम रही है। भाजपा को काम करना नहीं आता। सिर्फ आम आदमी पार्टी ही काम करना जानती है। केंद्र और दिल्ली दोनों में भाजपा सत्ता में है, साथ ही एमसीडी पर भी उसका नियंत्रण है। महापौर, उप महापौर और इसकी स्थायी समिति के तीन सदस्यों के पदों के लिए चुनाव 29 अप्रैल को होंगे। पार्षदों के नामांकन की प्रक्रिया 23 अप्रैल को शाम 5 बजे समाप्त हो जाएगी। वहीं, गुजरात के पंचमहल जिले में पुलिस ने गोधरा नगरपालिका चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) के एक उम्मीदवार और पार्टी के दो कार्यकर्ताओं से जुड़े कथित हवाला लेनदेन की जांच शुरू की है।

मोहन सरकार ने किसानों को दी बड़ी सौगात, 4 गुना मुआवजे का किया ऐलान

भोपाल **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने किसानों को एक बड़ी सौगात दी है। मंगलवार को सीएम मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रालय में हुई कैबिनेट की बैठक में एक अहम प्रस्ताव पास किया गया है। इसके तहत अब किसानों को जमीन अधिग्रहण के लिए एक दो नहीं बल्कि पूरा 4 गुना मुआवजा देने की घोषणा की गई है। कैबिनेट मीटिंग में इसके अलावा अन्य कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर भी मुहर लगी। सरकार ने उज्जैन और छिंदवाड़ा के लिए भी बड़े ऐलान किए हैं। इसके साथ ही साथ ही सीएम केयर योजना की निरंतरता को मंजूरी दी गई है। नारी शक्ति वंदन के लिए एक दिन का विशेष सत्र बुलाया गया है। वहीं अव्वल रहे विद्यार्थियों को भी साइकिल देने का निर्णय लिया गया है।

मोहन कैबिनेट की बैठक में सरकार ने किसानों को बड़ी सौगात दी है। राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि किसान कल्याण वर्ष में किसानों को एक और राहत दी है। किसानों के लिए मुआवजे को लेकर अहम फैसला लिया गया है। प्रदेश में किसी भी सरकारी प्रोजेक्ट की शुरुआत होती है और उसमें ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को जमीन का अधिगृहण किया जाएगा तो उन्हें चार गुना तक मुआवजा दिया जाएगा। इसका सीधा मतलब यह है कि जमीन की कीमत से कही ज्यादा पैसा सरकार की तरफ से किसानों को दिया जाएगा। ऐसे में यह किसानों के लिए बड़ी राहत मानी जा रही है। कैबिनेट ने ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण कार्यों के लिए 33 हजार करोड़ की मंजूरी दी है। मोहन कैबिनेट में उज्जैन क्षेत्र की 157 करोड़ सिंचाई परियोजना को स्वीकृति मिली है। जिससे 35 गांव को फायदा मिलेगा। छिंदवाड़ा जिले के लिए पुनर्वास पैकेज के अंतर्गत 128 करोड़ की वृद्धि की गई है।

बिहार छोड़ अब नेशनल पॉलिटिक्स पर नजर? नीतीश कुमार ने जेडीयू में किया बड़ा संगठनात्मक बदलाव

पटना **(एजेंसी)**। नीतीश कुमार ने जनता दल यूनाइटेड के लिए एक नई राष्ट्रीय टीम की घोषणा की है, जिसमें संजय झा को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष फिर से नियुक्त किया गया है। नए संगठनात्मक ढांचे में 12 राष्ट्रीय महासचिवों और 8 सचिवों की नियुक्ति शामिल है। नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली इस नई टीम में, बेहद पिछड़े समुदाय से आने वाले पूर्व जहानाबाद सांसद चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा, गोपालगंज सांसद आलोक कुमार सुमन को पार्टी का राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

इस पुनर्गठन का उद्देश्य पार्टी संगठन को मजबूत करना और नेतृत्व का विस्तार करना है। नीतीश कुमार ने इस साल 14 अप्रैल को बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और राज्यसभा सांसद बन गए। राज्यसभा के लिए चुने जाने के बाद उन्होंने बिहार विधान परिषद की सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया। उच्च सदन में उनका प्रवेश व्यापक रूप से बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के अंत और राज्य में नेतृत्व परिवर्तन के मार्ग प्रशस्त करने के संकेत के रूप में देखा गया।

हालांकि उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया, कुमार चौथी बार निर्विरोध रूप से पार्टी के नेता चुने गए। वे जेडीयू की रणनीति का मार्गदर्शन करना जारी रखते हैं और उन्हें अप्रैल 2026 में नए विधायक दल के नेता का चयन करने का अधिकार दिया गया है। कुमार के पद छोड़ने के बाद, बिहार में एनडीए विधायक दल ने उत्तराधिकारी चुनने के लिए बैठक की। गठबंधन में सबसे बड़ी सहयोगी पार्टी होने के नाते, भाजपा ने सम्राट चौधरी का नाम प्रस्तावित किया, जिसे जेडीयू और अन्य

एनडीए विधायकों का समर्थन मिला। इसके बाद उन्हें औपचारिक रूप से एनडीए विधायक दल का नेता चुना गया और उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ भी ली।

इस परिवर्तन को एक सुनियोजित नेतृत्व परिवर्तन के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिसमें नीतीश कुमार संसद में प्रवेश करने के बाद राष्ट्रीय राजनीति में चले गए, जबकि चौधरी ने राज्य प्रशासन का कार्यभार संभाला। बिहार में नेतृत्व परिवर्तन के बाद जेडीयू पर अपने संगठनात्मक ढांचे को पुनर्गठित करने का दबाव बना हुआ है, और कई राज्य स्तरीय नेताओं ने आगामी चुनावी मुकाबलों से पहले स्पष्ट दिशा-निर्देश की मांग की है।

'मैंने पीएम को आतंकवादी नहीं कहा', सफाई देते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे बोले- ईडी और सीबीआई का आतंक फैला रहे हैं

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में अपनी हालिया टिप्पणी को लेकर उठे विवाद पर बुधवार को स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि उन्होंने चेन्नई में अपने बयान पर पहले ही सफाई दे दी है। कर्नाटक के बीदर में पत्रकारों से बात करते हुए खर्गे ने कहा कि मैंने चेन्नई में अपने बयान पर सफाई दे दी है। तमिलनाडु में चुनाव प्रचार के आखिरी दिन एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री को आतंकवादी करार दिया था। व्यापक आलोचना के बाद, खरगे ने स्पष्ट किया कि उनका मतलब था कि प्रधानमंत्री केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करके अपने विरोधियों को डराते हैं।

भाजपा नेताओं ने खरगे की टिप्पणी की निंदा की और चुनाव आयोग में कड़ी शिकायत दर्ज कराई, साथ ही माफी की मांग भी की। मंगलवार को कलबुर्गी में, खरगे ने एएनआई को बताया कि उन्होंने

प्रधानमंत्री को कभी आतंकवादी नहीं कहा, बल्कि मोदी सरकार द्वारा कथित तौर पर राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाए जाने के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री राजनेताओं और उम्मीदवारों को डरा रहे हैं और इस संबंध में मैंने कहा कि कर आतंकवाद हो रहा है, ईडी छापे मार रही है, आयकर विभाग छापे मार रहा है, सीबीआई छापे मार रही है।

उन्होंने कहा था कि इस आतंकवाद को प्रधानमंत्री बढ़ावा दे रहे हैं। मैंने उन्हें आतंकवादी नहीं कहा... वे लोगों को डरा रहे हैं। वे छापों के जरिए लोगों को चुप कराने और उन्हें चुनाव में हराने की कोशिश कर रहे हैं। चेन्नई में मैंने यही कहा था। इससे पहले, तमिलनाडु चुनाव प्रचार के आखिरी दिन, खरगे ने एआईएडीएमके की भाजपा को समर्थन देने के लिए आलोचना करके और प्रधानमंत्री मोदी को समानता में विश्वास न करने वाला आतंकवादी बताकर विवाद खड़ा कर दिया था। यह सब महिला आरक्षण विधेयक से जुड़े परिसीमन विधेयक की हार के दौरान विपक्षी एकता पर चर्चा के बीच हुआ था।

आलोचना के बाद, खरगे ने स्पष्ट किया कि उनका इरादा मोदी को आतंकवादी कहने का नहीं, बल्कि उन्हें राजनीतिक विरोधियों को डराने वाला व्यक्ति बताने का था। उन्होंने कहा कि वह (प्रधानमंत्री मोदी) लोगों और राजनीतिक दलों को डरा रहे हैं। मैंने कभी नहीं कहा कि वह आतंकवादी हैं... मेरा मतलब यह है, मैं स्पष्ट करना चाहता हूं, कि मोदी हमेशा धमकी देते हैं। ईडी, आयकर और सीबीआई जैसी संस्थाएं उनके नियंत्रण में हैं। वह परिसीमन को भी अपने हाथ में लेना चाहते हैं।

चुनाव आयोग का मेगा एक्शन! पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में 1000 करोड़ से ज्यादा कैश-ड्रग्स ज़ब्त

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। चुनाव वाले तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में नकदी, शराब, नशीली दवाओं और अन्य वस्तुओं की ज़ब्ती 1, 000 करोड़ रुपये से अधिक हो गई है, भारत निर्वाचन आयोग ने बुधवार को यह जानकारी दी। चुनाव आयोग ने बताया कि 26 फरवरी को चुनाव ज़ब्ती प्रबंधन प्रणाली के सक्रिय होने के बाद से 22 अप्रैल तक दर्ज की गई ज़ब्ती की राशि 1, 072.13 करोड़ रुपये थी। आयोग के अनुसार, पश्चिम बंगाल में 472.89 करोड़ रुपये की ज़ब्ती दर्ज की गई, जबकि तमिलनाडु में 599.24 करोड़ रुपये की ज़ब्ती दर्ज की गई।

जब्त की गई वस्तुओं में 127.67 करोड़ रुपये नकद, 106.3 करोड़ रुपये मूल्य की 40 लाख लीटर से अधिक शराब, 184.83 करोड़ रुपये मूल्य की ड्रग्स, 215.19 करोड़ रुपये मूल्य की कीमती धातुएं और 437.97 करोड़ रुपये मूल्य के मुफ्त उपहार और अन्य वस्तुएं शामिल थीं। चुनाव आयोग ने 15 मार्च को असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों के साथ-साथ उपचुनावों का कार्यक्रम घोषित किया था और आदर्श आचार संहिता का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया था।

इसमें कहा गया है कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए चुनाव वाले राज्यों और पड़ोसी क्षेत्रों के मुख्य सचिवों, मुख्य निर्वाचन अधिकारियों, पुलिस महानिदेशकों और प्रवर्तन एजेंसियों के साथ कई समीक्षा बैठकें आयोजित की गईं। निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने के लिए, 5, 011 से अधिक फ्लाइंग स्क्वाड टीमें तैनात की गई हैं, जिनमें से 2, 728 पश्चिम बंगाल में और 2, 283 तमिलनाडु में हैं। ये टीमें शिकायतों पर 100 मिनट के भीतर कार्रवाई करने के लिए तैयार हैं।

इसके अतिरिक्त, 5, 363 से अधिक स्टैटिक सर्विलांस टीमें (3, 142 पश्चिम बंगाल में और 2, 221 तमिलनाडु में) विभिन्न स्थानों पर अचानक निरीक्षण करने के लिए गठित की गई हैं। इसमें यह भी कहा गया है कि नागरिक और राजनीतिक दल ईसीआईएनईटी पर सी-विजिल मॉड्यूल के माध्यम से आचार संहिता के उल्लंघन की रिपोर्ट कर सकते हैं।

फर्जी बैंक गारंटी से 136 करोड़ का खेल रिलायंस पावर के सीएफओ समेत 3 गिरफ्तार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। राजधानी में आर्थिक अपराध शाखा ने एक बड़े फर्जीवाड़े का पर्दाफाश करते हुए सोलर प्रोजेक्ट से जुड़े टेंडर में धांधली के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में एक प्रमुख कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी का नाम भी सामने आया है।

दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा की जांच में सामने आया कि चार लोगों ने सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया से 136 करोड़ रुपये से अधिक की फर्जी बैंक गारंटी हासिल की थी। इस स्कीम में रिलायंस पावर लिमिटेड के मुख्य वित्तीय अधिकारी अशोक कुमार पाल भी शामिल हो रहे हैं।

जांच एजेंसियों के मुताबिक, आरोपियों ने जाली दस्तावेजों को असली दिखाने के लिए नकली ईमेल संवाद तैयार किए। इतना ही नहीं, भारतीय स्टेट बैंक के नाम से फर्जी पुष्टि पत्र भी बनाए गए, जिससे टेंडर प्रक्रिया को प्रभावित किया जा सके।

पुलिस ने तीनों आरोपियों को 15 अप्रैल को गिरफ्तार किया। अदालत ने उन्हें 23 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। जांच एजेंसियां अब इस पूरे नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य लोगों की तलाश कर रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि इस मामले में वित्तीय धोखाधड़ी के कई और पहलुओं की जांच की जा रही है। यदि और सबूत सामने आते हैं, तो मामले में और गिरफ्तारी भी हो सकती है। फिलहाल ये मामला बड़े स्तर पर वित्तीय धोखाधड़ी को अंजाम देने के लिए किस तरह जाली दस्तावेजों और तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिस पर अब एजेंसियों ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है।

केजरीवाल का ममता को फुल सपोर्ट, कहा- 'दीदी सबसे कठिन लड़ाई लड़ रहीं, पीएम मोदी हारेंगे'

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को अपना समर्थन देते हुए कहा कि उन्होंने फोन पर उनसे बात की और पूरी एकजुटता और समर्थन व्यक्त किया। एक्स पर एक पोस्ट में केजरीवाल ने कहा कि अभी ममता दीदी से फोन पर बात हुई। मैंने उन्हें पूरी एकजुटता और समर्थन दिया। वह सबसे कठिन लड़ाइयों में से एक लड़ रही हैं, जो भारतीय लोकतंत्र के लिए सबसे महत्वपूर्ण लड़ाइयों में से एक है। मोदी जी हारेंगे, चाहे उन्होंने केंद्रीय चुनाव आयोग समेत सभी संस्थानों का दुरुपयोग किया हो।

केजरीवाल की ये टिप्पणियां पश्चिम बंगाल में चल रही राजनीतिक खींचतान के बीच आई हैं, जहां तृणमूल कांग्रेस भाजपा के खिलाफ कड़ी टक्कर दे रही है। उनकी ये टिप्पणी भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की भवानीपुर में प्रस्तावित रैली की अनुमति रद्द करने के एक दिन बाद आई है, जिससे तृणमूल कांग्रेस की ओर से तीखी प्रतिक्रिया हुई है। यह फैसला 23 अप्रैल को होने वाले पहले चरण के मतदान से कुछ ही दिन पहले आया है, जिसमें भवानीपुर भी शामिल है।

इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए बनर्जी ने चुनाव आयोग के फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि मौजूदा मुख्यमंत्री होने के बावजूद उन्हें अपने ही निर्वाचन क्षेत्र में रैली करने की अनुमति नहीं दी गई। बनर्जी ने भेदभावपूर्ण व्यवहार का आरोप लगाते हुए कहा कि चुनाव आयोग मुझे मेरे ही निर्वाचन क्षेत्र में अनुमति देने से कैसे इनकार कर सकता है? वहां कोई और रैली निर्धारित नहीं है। उन्होंने आगे दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैलियों के लिए तुरंत अनुमति दे दी गई, जबकि उनकी अनुमति अस्वीकार कर दी गई।

उन्होंने कहा कि आप प्रधानमंत्री की रैली को छह घंटे के भीतर अनुमति दे देते हैं, लेकिन मुख्यमंत्री होने के नाते मेरी रैली को अनुमति नहीं दी गई। बनर्जी ने आगे कहा कि अनुमति न मिलने के बावजूद वह उस क्षेत्र का दौरा करेंगी। उन्होंने भवानीपुर निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत कॉलिन स्ट्रीट में अपने नियोजित दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि मैं वहां जाकर बैठूंगी और चाय पीऊंगी। पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान दो चरणों में होगा। मतगणना 4 मई को होनी है। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के अनुसार, पहले चरण में 152 विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं, जबकि दूसरे चरण में 142 सीटें शामिल हैं।

भारत के लिए अपने पीएम पर टूट पड़ा नेपाल! बालेन शाह के खिलाफ लोगों का गुस्सा बढ़ता ही जा रहा

काठमांडू **(एजेंसी)**। मेयर से राष्ट्रीय नेता बने बालेन शाह के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ लोगों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। सरकार ने दो-तिहाई बहुमत के साथ सत्ता संभालने के एक महीने से भी कम समय में ही यह स्थिति पैदा हो गई है। विरोध प्रदर्शन सड़कों से लेकर देश के प्रशासनिक केंद्र 'सिंह दरबार' तक फैल गए हैं; छात्र, राजनीतिक समूह और आम नागरिक सहित प्रदर्शनकारी काठमांडू और अन्य शहरों की सड़कों पर उतर आए हैं। इन विरोध प्रदर्शनों का एक मुख्य कारण सरकार का वह फैसला है, जिसके तहत भारत से लाए गए 100 रुपये से अधिक मूल्य के सामान पर अनिवार्य सीमा शुल्क (कस्टम ड्यूटी) लगा दिया गया है। सीमावर्ती इलाकों के निवासियों का कहना है कि इस कदम का उनके रोज़मर्रा के जीवन पर सीधा असर पड़ता है, क्योंकि वे ज़रूरी चीज़ों के लिए सीमा पार से की जाने वाली खरीदारी पर काफ़ी हद तक निर्भर रहते हैं। प्रदर्शनकारियों का तर्क है कि यह नीति आम नागरिकों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ डालती है और इन क्षेत्रों की ज़मीनी हकीकतों को ध्यान में रखने में विफल रहती है।

गुस्से का एक और बड़ा कारण सरकार का वह कथित कदम है, जिसके तहत वह राजनीतिक समूहों से जुड़े छात्र संघों को खारिज कर रही है या उन्हें दरकिनार कर रही है। छात्र नेताओं ने सरकार पर आरोप लगाया है कि बातचीत करने के बजाय उसने 'दमनकारी रवैया' अपनाया है, जिससे युवाओं में असंतोष बढ़ रहा है। देशभर में हज़ारों छात्र विरोध प्रदर्शनों में शामिल हुए हैं, जिनमें से कई प्रदर्शनों का नेतृत्व स्कूली और कॉलेज समूहों ने किया है। एक चौंकाने वाले दृश्य में, बड़ी संख्या में छात्रों को स्कूल की वर्दी में विरोध प्रदर्शन करते देखा गया; वे हाथों में तख्तियाँ लिए हुए थे और सरकार के फ़ैसलों के खिलाफ़ नारे लगा रहे थे। यह इस बात का संकेत है कि यह आंदोलन अब केवल राजनीतिक गलियारों तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि इसका विस्तार व्यापक समाज तक हो गया है। विरोध प्रदर्शनों का मुख्य केंद्र गृह मंत्री सुदान गुरुंग के खिलाफ़ लगे आरोप भी रहे हैं। उन पर आय से अधिक संपत्ति रखने और संदिग्ध वित्तीय लेन-देन में शामिल होने के आरोप हैं। प्रदर्शनकारियों और विपक्षी समूहों का दावा है कि गुरुंग संदिग्ध व्यावसायिक लेन-देन में शामिल थे, जिसमें वित्तीय अपराधों के आरोपियों से कथित संबंध भी शामिल हैं। नेपाल की मीडिया रिपोर्टों में ऐसे दस्तावेज़ों का हवाला दिया गया है, जिनसे पता चलता है कि उनका निवेश और शेयरहोल्डिंग कुछ विवादित संस्थाओं से जुड़ी हुई है; इससे नैतिक आधार पर उनके इस्तीफ़े की मांग और तेज़ हो गई है। राजनीतिक दल और नागरिक समाज समूह इस मुद्दे पर लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं, जिससे यह मौजूदा अशांति का एक प्रमुख केंद्र बिंदु बन गया है।

विरोध प्रदर्शनों के बढ़ते दायरे और तीव्रता के साथ, बालेन शाह सरकार पर कई मोर्चों पर जवाब देने का दबाव बढ़ता जा रहा है: आर्थिक नीति से जुड़ी चिंताएँ, छात्रों में अशांति, और सरकार के भीतर ही अनुचित आचरण के आरोप। जो बात नीतिगत फ़ैसलों को लेकर असंतोष के रूप में शुरू हुई थी।

कनाडाई राजनयिक की चेतावनी : कनाडा को चीन के साथ व्यापार पड़ेगा भारी, झेलना पड़ सकता अमेरिका का गुस्सा

ओटावा **(एजेंसी)**। कनाडा का चीन के साथ व्यापार बढ़ाने का फैसला अब बड़े आर्थिक और कूटनीतिक जोखिम के रूप में देखा जा रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह कदम कनाडा की आर्थिक सुरक्षा को कमजोर कर सकता है और उसके सबसे बड़े साझेदार अमेरिका के साथ रिश्तों में तनाव पैदा कर सकता है। पूर्व कनाडाई राजनयिक माइकल कोवरिग ने इस नीति को 'रिस्की प्ले' बताया है। उनका कहना है कि चीन, अमेरिका के साथ कनाडा की समस्याओं का समाधान नहीं है। अगर कनाडा चीन के साथ ज्यादा नजदीकी बढ़ाता है, तो वॉशिंगटन की नजर में वह एक 'अविश्वसनीय सहयोगी' बन सकता है, जिससे भविष्य के व्यापार समझौतों पर असर पड़ सकता है। आंकड़ों के अनुसार, कनाडा का लगभग 75इ निर्यात अमेरिका को जाता है, जबकि चीन का हिस्सा सिर्फ करीब 4इ है। इसका मतलब है कि कनाडा की अर्थव्यवस्था अभी भी काफी हद तक अमेरिका पर निर्भर है। ऐसे में चीन की ओर झुकाव संतुलन बिगाड़ सकता है। प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की सरकार ने चीन के साथ एक नई डील की है। इस समझौते के तहत सीमित संख्या में चीनी इलेक्ट्रिक वाहनों का आयात किया जाएगा और कुछ कनाडाई कृषि उत्पादों पर टैरिफ में राहत दी जाएगी। सरकार का लक्ष्य 2030 तक चीन को निर्यात 50इ तक बढ़ाना है। हालांकि विशेषज्ञों ने इस डील को लेकर कई चिंताएं जताई हैं। उनका कहना है कि चीन इस समय 'बेचने' की स्थिति में है, यानी वह अपने उत्पाद दुनिया भर में ज्यादा से ज्यादा निर्यात करना चाहता है, जबकि खरीदने में उसकी रुचि कम है। इससे कनाडा के बाजार में सस्ते चीनी सामान की भरमार हो सकती है, जो स्थानीय उद्योगों को नुकसान पहुंचा सकती है।

माइकल कोवरिग ने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे बड़े रिटेल स्टोर छोटे दुकानदारों को खत्म कर देते हैं, वैसे ही सस्ते आयात घरेलू उद्योग को कमजोर कर सकते हैं। इससे धीरे-धीरे कनाडा की चीन पर निर्भरता बढ़ सकती है। कृषि क्षेत्र को लेकर भी चिंता जताई गई है। कनाडा के कैनोला, पोर्क और सीफूड जैसे सेक्टर पहले से ही चीन पर काफी निर्भर हैं। अगर भविष्य में चीन किसी कारण से इन उत्पादों का आयात बंद कर देता है, तो इन सेक्टरों को भारी आर्थिक नुकसान हो सकता है और हजारों लोगों की आजीविका प्रभावित हो सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि चीन आर्थिक दबाव का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए कर सकता है। जैसे-जैसे कनाडा की निर्भरता बढ़ेगी, चीन अपने बाजार में ज्यादा पहुंच या ज्यादा कोटा मांग सकता है, जिससे कनाडा की नीतियों पर भी असर पड़ सकता है।

हालांकि, कोवरिग ने यह नहीं कहा कि चीन से पूरी तरह दूरी बना लेनी चाहिए। उनका सुझाव है कि कनाडा को चीन के साथ व्यापार जरूर करना चाहिए, लेकिन बहुत सावधानी और सख्त नियंत्रण के साथ, ताकि किसी तरह का दुरुपयोग न हो। कुल मिलाकर, कनाडा का यह कदम एक तरफ नए आर्थिक अवसर खोल सकता है, लेकिन दूसरी तरफ यह अमेरिका के साथ उसके संबंधों और घरेलू उद्योगों के लिए खतरा भी बन सकता है। इसलिए विशेषज्ञों का मानना है कि कनाडा को संतुलन बनाकर और सोच-समझकर आगे बढ़ना होगा।

रूसी टीवी एंकर ने इटली पीएम मेलोनी का किया अपमान

कहा-'यह मूर्ख-जंगली जानवर और नीच महिला' ! ट्रंप को भी दिया धोखा

रोम **(एजेंसी)**। इटली और रूस के बीच कूटनीतिक तनाव उस समय और बढ़ गया जब रूसी टीवी एंकर व्लादिमीर सोलोवियोव ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के खिलाफ बेहद आपत्तिजनक और अपमानजनक टिप्पणी की। अपने शो के दौरान उन्होंने मेलोनी को 'मूर्ख', 'जंगली जानवर', 'मानवता के लिए कलंक' और 'नीच महिला' जैसे शब्दों से संबोधित किया। उन्होंने केवल इतना ही नहीं कहा, बल्कि रूसी भाषा में मेलोनी को 'फासीवादी' भी बताया और आरोप लगाया कि उन्होंने अपने वोटर्स के साथ-साथ डोनाल्ड ट्रम्प को भी 'धोखा' दिया है। इस तरह की व्यक्तिगत और तीखी टिप्पणी ने मामले को और गंभीर बना दिया।

इस बयान के तुरंत बाद इटली सरकार ने सख्त प्रतिक्रिया दी। इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो ताजानी ने बताया कि रोम में तैनात रूस के राजदूत एलेक्सी पारामोनोव को विदेश मंत्रालय में तलब किया गया। वहां इटली की तरफ से इस पूरे मामले पर औपचारिक विरोध दर्ज कराया गया और इस भाषा को 'बेहद गंभीर और अस्वीकार्य' बताया गया। इटली ने साफ कर दिया कि वह अपनी प्रधानमंत्री के खिलाफ इस तरह की टिप्पणी को बर्दाश्त नहीं करेगा। खास बात यह रही कि इस मुद्दे पर इटली की विपक्षी पार्टियां भी सरकार के साथ खड़ी नजर आईं और सभी ने मिलकर इस बयान की निंदा की।

दरअसल, इटली और रूस के रिश्ते पहले से ही तनावपूर्ण हैं। इसकी मुख्य वजह यूक्रेन युद्ध है। इटली की सरकार लगातार यूक्रेन का समर्थन कर रही है और उसे सैन्य व मानवीय मदद भी दे रही है। इससे रूस पहले ही नाराज है। वहीं, जॉर्जिया मेलोनी की सरकार दक्षिणपंथी विचारधारा वाली है, लेकिन उनके गठबंधन में कुछ ऐसे दल भी हैं जिनके रूस के साथ पुराने संबंध रहे हैं। इसके बावजूद मेलोनी ने यूक्रेन के मुद्दे पर रूस के खिलाफ सख्त रुख अपनाया हुआ है।

होर्मुज में फिर 3 जहाजों पर बड़ा हमला! रॉकेट और गोलियों से बनाए निशाना

तेहरान **(एजेंसी)**। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच होर्मुज में तीन कंटेनर जहाजों पर हमले की घटनाएं सामने आई हैं। यह इलाका दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्तों में से एक है, जहां से वैश्विक तेल और गैस का बड़ा हिस्सा गुजरता है। समुद्री सुरक्षा एजेंसियों और यूनाइटेड किंगडम समुद्री व्यापार संचालन (यूकेएमटीओ) के अनुसार, बुधवार को कम से कम तीन जहाजों पर गोलीबारी की गई। इन हमलों में रॉकेट-प्रोपेल्ड ग्रेनेड (आरपीजी) और गोलियों का इस्तेमाल हुआ। पहला हमला ओमान के उत्तर-पूर्व में हुआ, जहां लाइबेरिया झंडे वाले एक कंटेनर जहाज के ब्रिज (जहाज का कंट्रोल रूम) को नुकसान पहुंचा। जहाज के कप्तान ने बताया कि एक गनबोट तेजी से उनकी ओर बढ़ी और बिना किसी चेतावनी के फायरिंग शुरू कर दी। राहत की बात यह रही कि इस हमले में कोई आग या पर्यावरणीय नुकसान नहीं हुआ और सभी क्रू सदस्य सुरक्षित हैं।दूसरी घटना में एक पनामा-झंडे वाला जहाज ईरान के पश्चिम में करीब 8 नॉटिकल मील दूरी पर फायरिंग का शिकार बना। हालांकि इस जहाज को कोई नुकसान नहीं हुआ और इसका पूरा स्टाफ सुरक्षित रहा। तीसरी घटना में एक और लाइबेरिया-झंडे वाले जहाज पर उस समय गोलीबारी हुई जब वह स्ट्रेट से बाहर निकल रहा था। इस जहाज ने सुरक्षा के लिए बीच समुद्र में रुकने का फैसला किया। इसमें भी किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ और क्रू सुरक्षित रहा। रिपोर्ट के अनुसार, एक जहाज ने इस्लामी क्रांतिकारी गार्ड कोर (आईआरजीसी) को सूचना दी थी कि एक संदिग्ध गनबोट उनकी ओर बढ़ रही है। इसके कुछ ही समय बाद हमला हुआ।

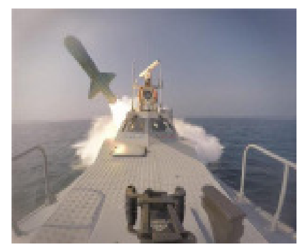

भारत को गाली देने वाली मुस्लिम सांसद को संसद से ऐसे उठाकर फेंका, चौंक गए सभी

लंदन **(एजेंसी)**। भारत को गाली देकर हंसने वाली पाकिस्तानी मूल की ब्रिटिश सांसद को धक्के मारकर पार्लियामेंट से भगा दिया गया। पाकिस्तानी मूल की यह महिला सांसद ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को ही क्लीन चिट दे चुकी है। यह अपनी दुकान चलाने के लिए एजेंडा चलाती है कि कश्मीर में मुस्लिमों पर अत्याचार हो रहे हैं। जबकि सच्चाई यह है कि कश्मीर से असल में भगाया तो हिंदुओं को गया था। आज भी सेना की सुरक्षा में ही हिंदुओं को अमरनाथ यात्रा पर जाना पड़ता है और इस महिला जैसे सांसद दुनिया में एजेंडा चलाते हैं कि कश्मीर में मुस्लिम दुखी हैं। भारत में जब किसान आंदोलन करवाया गया था तब इसी ब्रिटिश सांसद ने जमकर ज़हर फैलाया था। लेकिन कर्मों का फल इसी जन्म में मिलता है। इसे भी सरेआम डांट खानी पड़ी। इसे धक्के मारकर पार्लियामेंट से निकाल दिया गया। पाकिस्तानी मूल की इस ब्रिटिश सांसद का नाम जराह सुल्ताना है।

इसने ब्रिटेन की संसद में खड़े होकर प्रधानमंत्री कीर स्टारमर को झूठा व्यक्ति बोल दिया जिसके बाद संसद के स्पीकर को इतना गुस्सा आ गया कि उन्होंने ज़राह सुल्ताना को डांटते हुए संसद से भगा दिया और उसके बाद सस्पेंड भी कर दिया।

कीर स्टारमर ने संसद में कुछ वादा किया था लेकिन उसे पूरा नहीं किया। इसी वजह से जोश में आते हुए इसने कीर स्टारमर को झूठा कह दिया। वैसे तो आजकल ब्रिटेन में मुस्लिमों को पुचकार कर रखा जाता है क्योंकि मुस्लिम अब ब्रिटेन

में एक बड़ा वोट बैंक बन चुके हैं। लेकिन जब बात प्रधानमंत्री पद का अपमान करने की आई तो ब्रिटेन की संसद इसे झेल नहीं पाई। वरना आप ही सोचिए कि ब्रिटेन तो वो देश है जहां मुस्लिम वोटर्स नाराज ना हो जाए। उसका ध्यान रखने के लिए हजारों ब्रिटिश बच्चियों से यौन शोषण करने वाले पाकिस्तानियों को आज तक सजा नहीं दी गई है।

लेकिन जब बात प्रधानमंत्री पर आई तो मुस्लिम सांसद को उसकी हैसियत दिखा दी गई। अब आप इसे भारत के संदर्भ में देखिए। भारत में भी मुस्लिमों को एक वोट बैंक समझा जाता है। लेकिन इससे भी हैरान करने वाली बात यह है।

कि भारत में नेता हो, कट्टरपंथी हो या कोई वामपंथी। यह रोजाना पीएम मोदी को कोसते हैं। पीएम मोदी को गालियां देते हैं। धमकी देते हैं कि एक बार मोदी को जाने दो उसके बाद तुम्हें बताएंगे।

कास्टिंग काउच पर विवादित बयान देकर मुसीबत में फंसी हंसिका मोटवानी, भड़के सोशल मीडिया यूजर्स

ग्लैमर की दुनिया में कास्टिंग काउच एक ऐसा कड़वा सच है, जिस पर अक्सर बहस छिड़ी रहती है। लेकिन साउथ और बॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस हंसिका मोटवानी ने इस गंभीर मुद्दे पर एक ऐसा बयान दे दिया है, जिसने इंटरनेट पर एक बवाल मचा दिया है। अपनी शादी और फिर तलाक की खबरों से सुर्खियों में रहीं हंसिका अब अपनी नासमझी या सेफ गेम खेलने के चक्कर में ट्रोलर्स के निशाने पर हैं।

हाल ही में हंसिका मोटवानी एक शो में शामिल हुई थीं। यहां बातचीत के दौरान जब इंडस्ट्री में शोषण और कास्टिंग काउच का जिक्र छिड़ा, तो हंसिका का जवाब सुनकर हर कोई दंग रह गया। जब होस्ट ने यह सुझाव दिया कि शायद चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर जल्दी शुरुआत करने की वजह से वह इस गंदगी से बच गईं, तो हंसिका ने बड़े ही आत्मविश्वास से कहा, 'नहीं, मुझे लगता है कि जिसे असली काम करना है, उसके साथ यह सब नहीं होता होगा। मैं ऐसा इसलिए मानती हूं क्योंकि मेरे साथ ऐसा कभी नहीं हुआ।'

हंसिका के इस बयान के बाद होस्ट ने उन्हें याद दिलाने की कोशिश की कि भले ही उन्होंने इसे खुद महसूस न किया हो, लेकिन पूरी फिल्म इंडस्ट्री में ऐसी घटनाएं होना एक हकीकत है। इस पर हंसिका ने बड़ी ही चालाकी से पल्ला झाड़ते हुए कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मैं इस पर कमेंट नहीं कर सकती क्योंकि मुझे इसके बारे में कुछ नहीं पता' जब होस्ट ने दोबारा जोर दिया कि इस सच्चाई को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, तो हंसिका का बस एक ही जवाब था 'हां, हम इसे टाल नहीं सकते, लेकिन मुझे इसकी जानकारी नहीं है।'

हंसिका का यह बबल में रहने वाला अंदाज नेटिजन्स को रास नहीं आया। लोगों ने उन्हें आड़े हाथों लेते हुए जमकर खरी-खोटी सुनाई। सोशल मीडिया पर एक यूजर ने तंज कसते हुए लिखा, 'मैडम शायद किसी चट्टान के नीचे रहती हैं, जिन्हें दुनिया की खबर ही नहीं' दूसरे ने कहा, 'इसका मतलब तो ये हुआ कि डायबिटीज कोई बीमारी ही नहीं है।

हंसिका ने साल 2022 में सोहेल खतूरिया से शादी और फिर अचानक तलाक की खबर ने फैंस को पहले ही चौंका दिया था। अब इस तरह के बयान ने उनकी इमेज को काफी नुकसान पहुंचाया है।

अमेरिकी शुल्क वापसी का मामला : भारतीय निर्यातकों के लिए 12 अरब डॉलर का दांव, 'फियो' ने दी मोलभाव की सलाह

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय निर्यातकों के लिए एक बड़ी खबर सामने आई है। अमेरिका द्वारा लगाए गए जवाबी शुल्कों को वहां के उच्चतम न्यायालय द्वारा अमान्य घोषित किए जाने के बाद अब 166 अरब डॉलर की भारी-भरकम राशि की वापसी की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसमें भारतीय वस्तुओं से जुड़ा हिस्सा लगभग 12 अरब डॉलर (करीब 1 लाख करोड़ रुपये) होने का अनुमान है। हालांकि, तकनीकी पेच यह है कि यह पैसा सीधे भारतीय निर्यातकों को नहीं, बल्कि अमेरिकी आयातकों (खरीदारों) को मिलेगा। इसी के मद्देनजर निर्यातकों के शीर्ष निकाय फियो (फियो) ने भारतीय व्यापारियों को विशेष रणनीति अपनाने की सलाह दी है।

भारतीय निर्यातक संगठनों के महासंघ (फियो) के अध्यक्ष एस. सी. रल्हन ने मंगलवार को कहा कि इन शुल्क वापसी पर भारतीय निर्यातकों का कोई कानूनी अधिकार नहीं है, क्योंकि यह केवल अमेरिकी कंपनियों को मिल रहा है।

उन्होंने कहा, '' लेकिन यदि किसी भारतीय निर्यातक के अपने अमेरिकी खरीदार से अच्छे संबंध हैं, तो उसे कुछ हिस्सा मिल सकता है।'' चमड़ा क्षेत्र के एक उद्योग अधिकारी ने कहा कि व्यवसाय इस मुद्दे पर अमेरिकी आयातकों के साथ चर्चा करेंगे। एक चमड़ा निर्यातक ने कहा, '' हम इस बारे में अपने खरीदारों से बात कर रहे हैं।'' जवाबी शुल्क व्यवस्था दो अप्रैल 2025 को 10 प्रतिशत से शुरू हुई थी जिसे लगातार तेजी से बढ़ाया गया। भारत के लिए दरें सात अगस्त 2025 तक 25 प्रतिशत और 28 अगस्त तक 50 प्रतिशत तक पहुंच गईं और फरवरी 2026 की शुरुआत तक इसी स्तर पर बनी रहीं।

अमेरिकी उच्चतम न्यायालय ने 20 फरवरी को दिए फैसले में ट्रंप के शुल्क के पूरे ढांचे को अमान्य कर दिया, जिससे ये शुल्क कानूनी रूप से शून्य हो गए और इसकी वापसी की प्रक्रिया शुरू हुई। भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात का लगभग 53 प्रतिशत हिस्सा इन उच्च शुल्कों से प्रभावित हुआ है। शोध संस्थान जीटीआरआई के अनुसार, कुल शुल्क वापसी की राशि करीब 166 अरब डॉलर है, जिसमें से करीब 12 अरब डॉलर भारतीय वस्तुओं से संबंधित हैं।

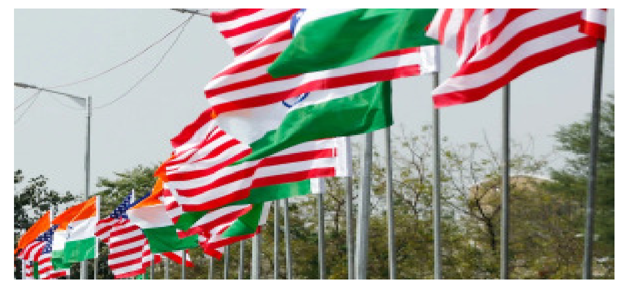

जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, '' भारत से जुड़े अनुमानित 12 अरब अमेरिकी डॉलर में से, वस्त्र एवं परिधान का हिस्सा करीब चार अरब डॉलर, इंजीनियरिंग सामान का हिस्सा लगभग चार अरब डॉलर और रसायन का हिस्सा करीब दो अरब डॉलर हो सकता है जबकि अन्य क्षेत्रों का हिस्सा कम होगा।''

उन्होंने कहा कि भारतीय निर्यातकों को ये शुल्क स्वतः वापस नहीं मिलेगा और यह राशि केवल अमेरिकी आयातकों को जाती है इसलिए निर्यातकों का इस पर कोई कानूनी अधिकार नहीं है।

हेनरिक क्लासेन ने इन दिग्गजों के क्लब में की एंट्री, आईपीएल में रचा इतिहास

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सनराइजर्स हैदराबाद के तूफानी बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में इतिहास रच दिया है। दरअसल, हेनरिक आईपीएल इतिहास में सबसे कम पारियों में 100 छक्के जड़ने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। इस एलिट लिस्ट में उनसे ऊपर सिर्फ दो खिलाड़ी क्रिस गेल और आंद्रे रसेल हैं। उन्होंने अपनी छोटी मगर विस्फोटक पारी में 3 छक्के जड़े। हालांकि, ऑरेंज कैप की रेस में सबसे आगे चल रहे क्लासेन अपनी ही टीम के साथी अभिषेक शर्मा से महज 3 रन से पिछड़ गए हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सनराइजर्स हैदराबाद के दबदबे वाले मैच के दौरान हेनरिक क्लासेन ने आईपीएल में 100 छक्के लगाने की उपलब्धि हासिल की। उन्होंने इस उपलब्धि तक पहुंचने के लिए सिर्फ 52 पारियां खेली। आईपीएल इतिहास में सबसे कम पारियों में ही सिक्स का शतक पूरा किया था। दूसरे नंबर पर आंद्रे रसेल हैं जिन्होंने अपन 47वीं पारी में छक्कों का सैकड़ा पूरा किया था।

हेनरिक क्लासेन ने दिल्ली के खिलाफ मैच में महज 13 गेंदों में 37 रन ठोके। इसमें 3 चौके और इतने ही छक्के शामिल रहे। हालांकि, क्लासेन अपनी ही टीम के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा से ऑरेंज कैप के मामले में पिछड़ गए हैं। आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में हेनरिक क्लासेन टॉप पर थे लेकिन दिल्ली के खिलाफ एसआरएच की पारी खत्म होते-होते अभिषेक शर्मा ने उन्हें पछाड़ दिया।

हेनरिक क्लासेन ने आईपीएल 2026 में अबतक 7 मैचों में 53.33 के शानदार औसत और 153 के स्ट्राइक रेट से 320 रन बनाए हैं। इसमें उनके 3 अर्धशतक भी शामिल हैं। इस दौरान उन्होंने 22 चौके और 13 छक्के जड़े हैं। वह फिलहाल इस सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर हैं।

कोहली के नाता तोड़ते ही कर्ज में डूबा वन8 कम्यून, कोर्ट के आदेश के बाद लगा ताला

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। विराट कोहली के नाम से जाना जाने वाला बेंगलुरु का चर्चित वन8 कम्यून रेस्टोरेंट पर आखिरकार ताला लग गया है। शहर के सिविल कोर्ट के आदेश के बाद इस आउटलेट को बंद कर दिया गया, क्योंकि मालिकों पर 2 करोड़ से ज्यादा का बकाया किराया और अन्य भुगतान लंबित था।

हालांकि, विराट कोहली इस रेस्टोरेंट से खुद को पूरी तरह अलग कर चुके हैं। जानकारी के मुताबिक, कोहली ने न सिर्फ अपनी साझेदारी खत्म की बल्कि अपने ब्रांड वन8 का नाम भी इस आउटलेट से हटा लिया है।

रेस्टोरेंट का संचालन ट्रायो हिल्स हॉस्पिटैलिटी कर रही थई, जिसने करीब 6 महीने से किराया नहीं चुकाया था। इसके अलावा मेंटेनेंस चार्ज जिसके बाद कोर्ट ने रेस्टोरेंट को बंद करने का आदेश दिया।

ये आउटलेट पहले भी नियमों के उल्लंघन को लेकर विवादों में रहा था। बेंगलुरु महानगर पालिका ने फायर सेफ्टी और अन्य नियमों को लेकर कई बार नोटिस जारी किए थे। सूत्रों के अनुसार, इन्हीं मुद्दों औ? बार-बार की शिकायतों के चलते कोहली ने खुद को इस प्रोजेक्ट से दूर कर लिया।

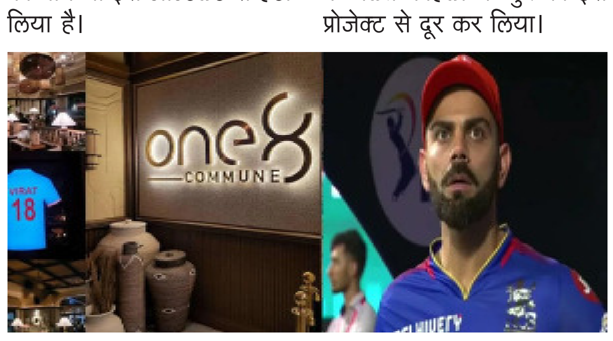

टेक महिंद्रा का चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 16 प्रतिशत बढ़कर 1, 353.8 करोड़ रुपए

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टेक महिंद्रा का वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 16 प्रतिशत बढ़कर 1, 353.8 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी का वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में मुनाफा 1, 166.7 करोड़ रुपए रहा था। टेक महिंद्रा ने बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी परिचालन आय 12.6 प्रतिशत बढ़कर 15, 076.1 करोड़ रुपए हो गई जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में 13, 384 करोड़ रुपए थी। तिमाही आधार पर लाभ एवं राजस्व में क्रमशः 20.7 प्रतिशत और 4.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। समूचे वित्त वर्ष 2025-26 में टेक महिंद्रा का लाभ 13.15 प्रतिशत बढ़कर 4, 810.9 करोड़ रुपए रहा जो 2024-25 में 4, 251.5 करोड़ रुपए था।

परिचालन आय 7.2 प्रतिशत बढ़कर 56, 815.4 करोड़ रुपए हो गई। टेक महिंद्रा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक मोहित जोशी ने कहा, ''हम एआई-आधारित संगठन बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। सेवाओं में एआई (कृत्रिम मेधा) को शामिल कर रहे हैं और ग्राहकों के लिए बेहतर मूल्य प्रदान करने हेतु अपनी क्षमताओं का विस्तार कर रहे हैं...। हम अनुशासित तरीके से विस्तार पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और वित्त वर्ष 2026-27 के लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में अग्रसर हैं।'' कंपनी के निदेशक मंडल ने 31 मार्च 2026 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए पांच रुपए अंकित मूल्य वाले प्रत्येक शेयर पर 36 रुपए का अंतिम लाभांश देने की सिफारिश की है। यह अंतिम लाभांश नवंबर 2025 में दिए गए 15 रुपए प्रति शेयर के अंतरिम लाभांश के अतिरिक्त है।

चांदी की कीमतों में रिकॉर्ड उछाल पश्चिम एशिया संकट के बीच 2.50 लाख के करीब पहुंची कीमतें

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पश्चिम एशिया शांति समझौते को लेकर अनिश्चितता के बीच वायदा कारोबार में चांदी की कीमत बुधवार को 2.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2, 49, 802 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर मई में आपूर्ति वाली चांदी की कीमत 5, 101 रुपये या 2.08 प्रतिशत चढ़कर 2, 49, 802 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। इसमें 5, 702 लॉट का कारोबार हुआ। विश्लेषकों के अनुसार, बाजार प्रतिभागियों द्वारा नए सौदे किए जाने से चांदी की कीमतों में यह तेजी आई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कॉमेक्स पर चांदी का वायदा भाव 2.36 प्रतिशत की बढ़त के साथ 78.29 डॉलर प्रति औंस हो गया।

वैश्विक स्तर पर भी चांदी की चमक बढ़ी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कॉमेक्स पर चांदी का वायदा भाव 2.36 प्रतिशत की बढ़त के साथ 78.29 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंच गया। वैश्विक स्तर पर डॉलर की स्थिति और सुरक्षित संपत्तियों की बढ़ती मांग ने कीमतों को समर्थन दिया है।

पश्चिम एशिया में शांति समझौते को लेकर बनी अनिश्चितता ने निवेशकों को जोखिम भरे निवेश (जैसे शेयर बाजार) से हटाकर सोने और चांदी की ओर मोड़ा है। जब भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक या युद्ध जैसी स्थितियां बनती हैं, तो चांदी और सोना निवेश के लिए सबसे सुरक्षित विकल्प माने जाते हैं।

टेनिस जगत में धूम मचाने को तैयार है स्पेन का एक और 'राफा'

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज़ की उम्र केवल 22 वर्ष है, लेकिन उनके देश स्पेन में प्रतिभाशाली टेनिस खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी के बारे में पहले से ही चर्चा हो रही है। इनमें से सबसे चर्चित नाम उस खिलाड़ी का है जिनका पहला नाम सर्वकालिक महान खिलाड़ी राफेल नडाल के समान है। यह खिलाड़ी है 19 वर्षीय राफेल होदार, जो रैंकिंग में शीर्ष 50 में जगह बनाने से स्पेन और पूरे टेनिस जगत में सुर्खियां बटोर रहे हैं।

होदार को नडाल की तरह 'राफा' उपनाम से भी जाना जाता है। वह मैड्रिड ओपन में अपने पदार्पण से ठीक पहले शीर्ष 50 में जगह बनाने में कामयाब रहे हैं। एक और होनहार खिलाड़ी 20 वर्षीय मार्टिन लैंडालुस हैं, जिन्होंने हाल में पुरुष रैंकिंग में शीर्ष 100 में जगह बनाई है। अल्काराज़ के कलाई में चोट के कारण नाम वापस लेने के बाद मैड्रिड ओपन में यह दोनों दर्शकों के पसंदीदा खिलाड़ियों में से एक होंगे।

अल्काराज इन दोनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन से बेहद प्रभावित हैं और उन्हें उम्मीद है कि वह स्पेन में टेनिस को नए मुकाम तक पहुंचाने में सफल रहेंगे। उन्होंने कहा, ''ये दोनों एक-दूसरे की मदद से लगातार बेहतर प्रदर्शन करते हुए शीर्ष पर पहुंचेंगे। उनका भविष्य उज्ज्वल है।'' होदार एक साल पहले तक विश्व रैंकिंग में शीर्ष 600 खिलाड़ियों में भी शामिल नहीं थे। मार्च में उन्होंने शीर्ष 100 में प्रवेश किया और सोमवार को जारी नवीनतम एटीपी रैंकिंग में 42वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

होदार ने कहा, ''मैं बचपन से ही दबाव में अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करता रहा हूं। मैं शुरू से ही कोर्ट के अंदर और बाहर बहुत शांत स्वभाव का रहा हूं। मैं जानता हूं कि ऐसा समय भी आएगा जबकि परिस्थितियां आपके अनुकूल नहीं होंगी और ऐसे समय में आपकी मानसिक मजबूती की परीक्षा होती है। इस तरह का दौर मुझे और मजबूत बनाएगा।''

होदार ने बार्सिलोना ओपन में तीन सीधे सेटों में जीत हासिल करके सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। सेमीफाइनल में उन्हें आर्थर फिल्स से तीन सेटों में हार का सामना करना पड़ा। इस स्पेनिश खिलाड़ी ने इसी महीने की शुरुआत में मोरक्को में अपना पहला टूर-स्तरीय खिताब जीता था। वह यूएस ओपन में लड़कों के एकल वर्ग के चैंपियन भी रह चुके हैं। होदार जब छोटे थे तब वह दर्शक के रूप में मैड्रिड ओपन देखने आते थे और अब इस टूर्नामेंट में खेलने को लेकर उत्साहित हैं।

उन्होंने कहा, ''मैंने कभी कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया। मुझे हर टूर्नामेंट पर ध्यान देना होगा, यह टूर पर मेरा पहला साल है। मैं अभी सीख रहा हूं। मुझे अनुभव हासिल करने और शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने की जरूरत है।'' सात बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन अल्काराज ने होदार को 'उत्कृष्ट खिलाड़ी' करार दिया। उन्होंने कहा, ''मैं उसकी प्रगति को देख रहा हूं। मुझे लगता है कि उसने टूर में बहुत जल्दी अपनी जगह बना ली है।

रिंकू सिंह होने वाली पत्नी प्रिया सरोज के साथ पहुंचे वाराणसी, बाबा विश्वनाथ के किए दर्शन

वाराणसी **(एजेंसी)**। आईपीएल 2026 के बीच केकेआर के उपकप्तान रिंकू सिंह समय निकालकर होने वाली पत्नी प्रिया सरोज साथ वाराणसी पहुंचे। इस दौरान दोनों ने बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए और आशीर्वाद लिया। बता दें कि, रिंकू सिंह इस समय आईपीएल 2026 में केकेआर के लिए खेल रहे हैं। उनकी टीम का सफर अभी तक खराब रहा है। 7वें मैच में उन्हें सीजन की पहली जीती मिली। वहीं केकेआर का अब अगला मैच लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ है जिसके लिए टीम लखनऊ पहुंच गई है।

रिंकू सिंह की होने वाली पत्नी प्रिया सरोज उत्तर प्रदेश की मछलीशहर लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी की सासंद हैं। रिंकू और प्रिया 21 अप्रैल को वाराणसी पहुंचे। दोनों ने मंगलवार को काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा की और आशीर्वाद भी लिया। दोनों ने संयुक्त पोस्ट में कुछ फोटो शेयर करते हुए लिखा कि, काशी महादेव की धरती और गंगा का पावन संग।

करीब आधे घंटे मंदिर में बिताने के बाद रिंकू और प्रिया ने नाव से काशी के घाटों को निहारा। शाम को वह दशाश्वमेध घाट पहुंचे जहां दोनों गंगा आरती में शामिल हुए। दोनों को देव दीपावली के लिए भी आमंत्रित किया गया है।

बता दें कि, रिंकू और प्रिया सरोज की शादी जून के पहले हफ्ते में होगी। जहां कहा जा रहा है कि, वाराणसी के होटल ताज में दोनों शादी के बंधन में बंध सकते हैं।

पैट कमिंस की वापसी पर भी ईशान किशन करें कप्तानी, संजय बांगर ने एसआरएच को दी बड़ी सलाह

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस अभी तक मौजूदा आईपीएल 2026 में नहीं खेले हैं। वे अभी भी कमर की चोट से उबर रहे हैं, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के इस अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ने पुष्टि की है कि वे 25 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हैदराबाद के आगामी मैच के लिए तैयार हैं। उनकी अनुपस्थिति में, ईशान किशन ने टीम की कप्तानी की और सराहनीय प्रदर्शन किया है, जिसके चलते हैदराबाद फिलहाल अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। उन्होंने मिसाल कायम करते हुए कप्तानी की है और इसी के आधार पर पूर्व क्रिकेटर संजय बंगर का मानना है कि अगर कमिंस वापस भी आ जाते हैं, तो भी किशन को ही कप्तानी जारी रखनी चाहिए।

इस बारे में विस्तार से बताते हुए बंगर ने कहा कि विकेटकीपर-बल्लेबाज गेंदबाजों को समझने और बीच के ओवरों में उनका सही इस्तेमाल करने में माहिर हैं। उन्होंने किशन की खेल पर नियंत्रण रखने की क्षमता की भी सराहना की और कहा कि चोट की चिंताओं को देखते हुए उन्हें यकीन नहीं है कि कमिंस बाकी बचे सीजन में खेल पाएंगे या नहीं।

बांगर ने जियोस्टार के मैच सेंटर लाइव पर कहा कि ईशान किशन एक कप्तान के तौर पर गेंदबाजों का इस्तेमाल करने के मामले में रणनीतिक रूप से बहुत कुशल हैं। उन्हें पता है कि किस बल्लेबाज के खिलाफ किस गेंदबाज का इस्तेमाल करना है। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि वह खेल पर कितना अच्छा नियंत्रण रखते हैं। वह घबराए हुए नहीं दिखते, जल्दबाजी नहीं करते और मैदान पर सही फैसले लेते हैं। डीसी के खिलाफ जिस तरह से उन्होंने स्पिनरों का इस्तेमाल किया, वह प्रभावशाली था।

उन्होंने आगे कहा कि कुल मिलाकर, मेरा मानना है कि पैट कमिंस की वापसी होने पर भी, ईशान किशन को ही एसआरएच की कप्तानी जारी रखनी चाहिए। अक्सर, भारतीय कप्तान होने से टीम में स्थिरता आती है। पैट कमिंस जैसे काबिल गेंदबाज की फिटनेस को लेकर कुछ भी निश्चित नहीं कहा जा सकता, खासकर उनकी लगातार चोटों को देखते हुए। ईशान के कप्तान बने रहने से खिलाड़ियों को काफी स्थिरता मिलेगी। हैदराबाद के लिए यही सही रास्ता होगा।

जापान का वित्त वर्ष 2025-26 में व्यापार घाटा 1700 अरब येन, लगातार पांचवें वित्त वर्ष में घाटा दर्ज

तोक्यो **(एजेंसी)**। जापान का वित्त वर्ष 2025-26 में व्यापार घाटा 1700 अरब येन (10.7 अरब डॉलर) रहा। सरकार ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि लगातार पांचवें वित्त वर्ष में व्यापार घाटा दर्ज किया गया है। वित्त मंत्रालय के अनुसार, निर्यात में पिछले वर्ष की तुलना में चार प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि आयात केवल 0.5 प्रतिशत बढ़ा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जापान और अन्य देशों से आयात पर लगाए गए ऊंचे शुल्क वैश्विक मोटर वाहन विनिर्माताओं और अन्य उद्योगों के लिए बड़ा झटका साबित हुए हैं। गत वित्त वर्ष में अमेरिका को जापान का कुल निर्यात 6.6 प्रतिशत घटा जबकि मोटर वाहन निर्यात में 16 प्रतिशत की गिरावट आई।

मार्च में जापान का व्यापार अधिशेष एक साल पहले की तुलना में हालांकि 26 प्रतिशत बढ़ा, जो निर्यात क्षेत्र के पिछले झटकों से उबरने का संकेत है। मार्च में निर्यात लगभग 11.7 प्रतिशत और आयात करीब 10.9 प्रतिशत बढ़ा। इस बीच, ईरान युद्ध से पश्चिम एशिया से तेल आपूर्ति में बाधा की आशंका भी जापान के लिए चिंता का विषय बनी हुई है क्योंकि वह लगभग अपनी पूरी तेल और गैस जरूरतों का आयात करता है। ऊर्जा के अलावा, तेल की कमी नेफ्था आधारित उत्पादों के उत्पादन को भी प्रभावित कर सकती है जो चिकित्सा आपूर्ति एवं अन्य प्लास्टिक के लिए महत्वपूर्ण हैं।

जापानी सरकार ने जनता को आश्वस्त करते हुए कहा है कि देश के पास ऐसी आपात स्थिति के लिए 254 दिन का तेल भंडार है। आपूर्ति को स्थिर रखने के लिए सरकार इस भंडार से कुछ आपूर्ति कर सकती है। जापान इसके अलावा एशिया के अधिकतर तेल एवं गैस की आपूर्ति के मुख्य मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य का विकल्प भी तलाश रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य युद्ध के कारण प्रभावी रूप से बंद है।

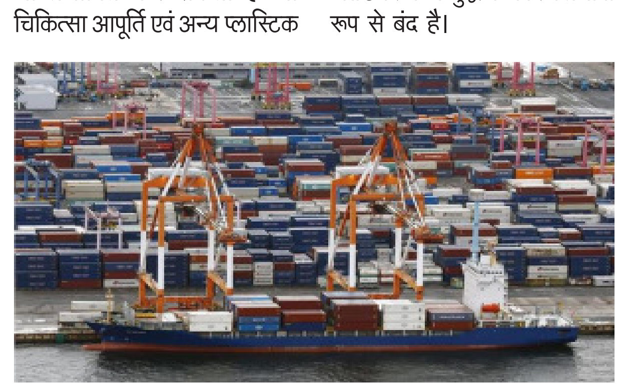

शौर्य भारत

UPHIN/2021/84100

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक
एस कुमार

मुद्रण स्थल
राधेश्याम पटेल वेब ऑफसेट प्रिंटर्स, 65 मोनार्की इंडस्ट्रियल स्टेट, तेलियरगंज प्रयागराज

प्रकाशन स्थल
399-ए, चक रघुनाथ हनुमान नगर नैनी, प्रयागराज (यू.पी.)

सम्पादकीय टीम
सम्पादक : एस कुमार

-: e-mail : -
shauryabharat24x7@gmail.com

सूचना
शौर्य भारत से संबंधित सभी विवादों का निपटारा प्रयागराज न्यायालय क्षेत्र में ही किया जायेगा।

विज्ञापन हेतु सम्पर्क
शौर्य भारत से जुड़ने व समाचार/विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें - 7458047077